सुप्रभात

रांची, शनिवार
05.04.2025
* * नगर संस्करण
पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित — सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net — चैत्र, शुक्ल पक्ष, अष्टमी, संवत् 2082 — मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 260

मां का आठवां स्वरूप : महागौरी

श्वेते वृषे समारूढा श्वेतांबरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा॥

मां दुर्गा की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है। मां महागौरी शांति और समृद्धि की प्रतीक हैं। इनका रंग गोरा और स्वरूप शांत है। इस दिन कन्या पूजन भी किया जाता है। नाम से प्रकट है कि इनका रूप पूर्णतः गौर वर्ण है। इनकी उपमा शंख, चंद्र और कुंद के फूल से दी गयी है। अष्टवर्षा भवेद् गौरी यानी इनकी आयु आठ वर्ष की मानी गयी है। इनके सभी आभूषण और वस्त्र श्वेत हैं। इसीलिए उन्हें श्वेतांबरधरा कहा गया है। इनका वाहन वृषभ है इसीलिए वृषारूढ़ा भी कहा गया है। इनकी पूरी मुद्रा बहुत शांत है। पति रूप में शिव को प्राप्त करने के लिए महागौरी ने कठोर तपस्या की थी।

न्यूज डायरी

दो वाहनों की टक्कर में तीन युवकों की मौत

मेदिनीनगर। छतरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात एनएच 98 पर सड़क दुर्घटना में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गयी। युवक हेलमेट नहीं पहने थे। दो की मौत घटनास्थल पर ही, जबकि एक ने मेदिनीनगर के एमआरएमसीएच में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान श्याम परहिया, उपेंद्र परहिया और संतन परहिया के रूप में हुई।

झारखंड में पहला एयर शो 19 और 20 को

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री से शुक्रवार को उनके कार्यालय में भारतीय वायुसेना के एक दल ने मुलाकात की। इस दौरान रांची में होने जा रहे पहले एयर शो पर विस्तृत चर्चा हुई। झारखंड राज्य में होने वाला यह भारतीय वायुसेना का पहला एयर शो होगा। सूर्यकिरण टीम 19 और 20 अप्रैल को रांची में प्रस्तावित खोजा टोली आर्मी ग्राउंड में एयर शो का प्रदर्शन करेगी।

विपक्ष ने स्पीकर की टी पार्टी का किया बहिष्कार

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने शुक्रवार को घोषणा की कि संसद के बजट सेशन के समापन पर सभी विपक्षी नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पारंपरिक टी पार्टी का बहिष्कार करने का फैसला किया है।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	83,200 रु./10 ग्राम
चांदी	:	98,000 रु./प्रति किलो

आयुष्मान घोटाला मामले में झारखंड में 17 ठिकानों पर इडी का छापा

इडी टीम के पहुंचते ही पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के पीएस ओमप्रकाश फरार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची, जमशेदपुर। आयुष्मान भारत योजना घोटाले से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने झारखंड के रांची, जमशेदपुर समेत अलग-अलग इलाकों में 17 ठिकानों समेत कुल 21 जगह पर शुक्रवार को तलाशी अभियान चलाया। इडी ने पश्चिम बंगाल में दो स्थान, यूपी में एक जगह और दिल्ली में भी छापेमारी की।

रांची के अशोकनगर, पीपी कंपाउंड, एदलहातू, बरियातू, लालपुर और चिरौंदी में तलाशी

रांची में यहां-यहां रेड : राजधानी रांची में इडी के अधिकारियों ने अशोक नगर, पीपी कंपाउंड, एदलहातू, बरियातू, लालपुर और चिरौंदी में छापामारी की। इस दौरान जांच टीम ने कई सरकारी अधिकारियों के आवासों को भी खंगाला। इसमें झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी (झसास) के एडिशनल एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अभिषेक श्रीवास्तव, सीनियर कंसल्टेंट वैभव राय के आलावा सेफवे टीपीए और इंश्योरेंस कंपनी के कर्मियों के ठिकाने शामिल हैं। इडी ने पूर्व एडिशनल डायरेक्टर को नियुक्तियों को आसान बनाने और अवैध लेनदेन को बढ़ावा देने में शामिल पाया है। प्रारंभिक जांच में इडी ने आयुष्मान से इलाज के फर्जी दावों का भुगतान कराने में सीनियर कंसल्टेंट वैभव राय की संलिप्तता पायी है।

जमशेदपुर में झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना के निजी सचिव ओमप्रकाश सिंह उर्फ गुड्डू के आवास पर छापेमारी हुई। सुरक्षा को देख जमशेदपुर में मानगो डिमना रोड स्थित ओमप्रकाश सिंह के आवास को छावनी मे तब्दील कर दिया गया था। सुबह करीब सात बजे ही टीम पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के निजी सचिव के आवास पर पहुंची, पर वह छापेमारी से पहले घर से बाहर निकल गये। ईडी अधिकारियों के साथ संपर्क होने के बाद उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। ओमप्रकाश पर घोटाले में शामिल लोगों के साथ करीबी संपर्क रखने का आरोप है। जांच एजेंसी बन्ना गुप्ता के निजी सचिव के इस घोटाले की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देख रही है। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी में कुल 20 लाख कैश और निवेश से संबंधित कई दस्तावेज जब्त किये गये हैं। (शेष पेज 11 पर)

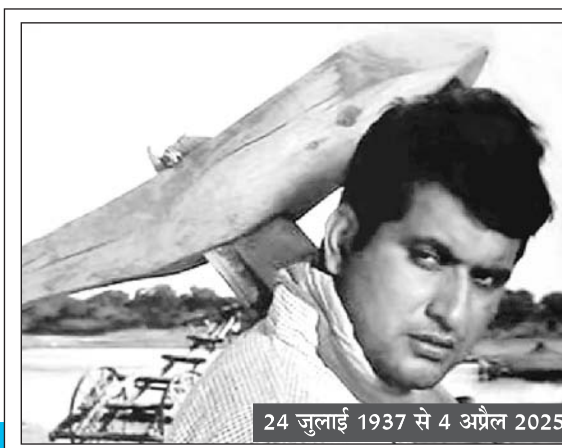

खामोश हो गया भारत की बात सुनानेवाला...

नहीं रहे मनोज कुमार आज मुंबई में हागी अंत्येष्टि

मुंबई। फिल्म जगत के सर्वोच्च पुरस्कार दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से अलंकृत भारत की बात सुनानेवाले दिग्गज फिल्म अभिनेता, निर्माता और निर्देशक मनोज कुमार का निधन हो गया। देशभक्ति फिल्मों के माध्यम से दर्शकों के दिलों में उन्होंने अलग ही जगह बनायी थी। उन्हें भारत कुमार के नाम से भी संबोधित किया जाता था। उन्होंने शुक्रवार सुबह मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनका जन्म 24 जुलाई 1937 को ऐबटाबाद पाकिस्तान में हुआ था। परिजनों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार शनिवार को दोपहर 12 बजे विलेपार्ले श्मशान भूमि में किया जायेगा। मनोज कुमार के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन समेत फिल्म जगत ने शोक जताया है।

शास्त्रीजी के कहने पर बनायी थी उपकार : मनोज कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर एक फिल्म बनायी थी, जिसका नाम उपकार था। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। दुख की बात यह है कि इस फिल्म को पूर्व पीएम देख नहीं पाये थे। खास बात यह है कि दिग्गज अभिनेता की फिल्मों में उनका नाम मनोज कुमार ही रहता था। मनोज को उनकी फिल्मों के लिए 7 फिल्मफेयर पुरस्कार मिले थे। (शेष पेज 11 पर)

पट खुलते ही मां के दर्शन को उमड़े भक्त

राजधानी रांची में चैत्र नवरात्र की धूम है। कई जगह मां की विशेष पूजा अर्चना की जा रही है। शुक्रवार की शाम पंडालों के पट भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिये गये। पट खुलते ही मातारानी के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

राममय हो रहा झारखंड, सुरक्षा कड़ी

रांची। रामनवमी को लेकर पूरा झारखंड रम के रंग में रंगता नजर आ रहा है। सभी जिलों की सड़कें और गलियां राम-हुमान के पताखों से पट गयीं हैं। रामनवमी शोभा यात्रा को देखते हुए राजधानी रांची समेत सभी जिलों में पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। राजधानी में डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर रामनवमी शोभायात्रा के सभी रूट का ड्रोन सर्विलांस शुरू कर दी गयी है। ड्रोन की सहायता से हर घर के छठ की तलाशी ली जा रही है। गिरिडीह और हजारीबाग जैसे शहरों में रामनवमी के पूर्व ही कई जगह सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न हुए। ऐसे मामलों को देखते हुए रांची पुलिस रामनवमी से पूर्व ही पूरी तरह से सतर्क है। रामनवमी को लेकर सुरक्षा की तमाम तरह की तैयारी तो की ही जा रही है उससे पहले रामनवमी जुलूस के सभी रूट पर ड्रोन तैनात कर दिया गया है। इसके साथ ही इलाके के एक-एक घर का फुटेज इकट्ठा किया जा रहा है।

विकास के एजेंडे पर काम कर रही है सरकार : हेमंत

धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहा विपक्ष

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि वे (विपक्षी दल) केवल धर्म के नाम पर राजनीति कर जनता को गुमराह कर रहे हैं। वहीं झारखंड की हमारी अबुआ सरकार राज्य में विकास को प्राथमिकता दे रही है। सीएम श्री सोरेन शुक्रवार को हजारीबाग के 46वें स्थापना दिवस पर झामुमो की ओर से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। भव्य समारोह का आयोजन कर झामुमो संगठन ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।

सरकार आपके द्वार शीघ्र : सीएम ने कहा कि जल्द ही सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुरू फिर शुरू होगी। अधिकारी गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। झामुमो ने यह आयोजन न केवल पार्टी के लिए एक उत्सव था, बल्कि आने वाले चुनावों के लिए अपनी राजनीतिक ऊर्जा दिखाने का भी मंच बना। भारी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने यह संदेश दिया कि झामुमो उत्तरी छोटानागपुर में अपनी जड़ें मजबूत कर चुका है। (शेष पेज 11 पर)

विकास कार्य चरम पर

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और राज्य का नाम देश ही नहीं, विदेशों में भी हो रहा है। उन्होंने लोगों से सामाजिक सौहार्द बनाये रखने और त्योहारों को भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। मौके पर विभिन्न राजनीतिक दलों से आये नेताओं और कार्यकर्ताओं ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। सीएम ने उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

नामकुम के दारोगा को घूस लेते एसीबी ने दबोचा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को नामकुम थाना के दारोगा चंद्रदीप प्रसाद को घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। एक केस को मैनेज करने के नाम पर दरोगा 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है। इससे पहले कोतवाली थाने के एक सब इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

जानकारी के अनुसार आरोपी एक केस मैनेज करने के नाम पर लगातार एक लाख रुपए की डिमांड कर रहा था। एसीबी की प्रेस रिलीज में बताया गया है कि आशीष यादव नाम के व्यक्ति ने ब्यूरो में शिकायत की थी। उनका कहना था कि उनकी एक लड़की के साथ सगाई हुई थी, लेकिन किसी कारणवश सगाई टूट गयी। इस दौरान पंचों के माध्यम से सभी सामान का आदान-प्रदान हो गया था। पूर्व में मामले को लेकर नामकुम थाने में लड़की के परिजनों के द्वारा भी नामकुम थाने में कांड संख्या 262/24 दर्ज करवाया गया था।

घंटों बिजली नहीं काटने के हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

सरकार को मिली रामनवमी में बिजली काटने की अनुमति

- जेबीवीएनएल से सुप्रीम कोर्ट ने मांगा अंडरटेकिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच ने जुलूस के दौरान घंटों बिजली नहीं काटने के हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि सरकार बिजली काट सकती है, लेकिन इस दौरान कुछ जरुरी बातों को ध्यान में रखना होगा। कोर्ट ने कहा है कि जुलूस के मद्देनजर कम समय के लिए बिजली काटी जाए। साथ ही अस्पताल समेत दूसरी जरुरी सेवा वाली संस्थाओं में बिजली आपूर्ति प्रभावित ना हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस बाबत झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के एमडी से अंडरटेकिंग भी मांगा है। इस मामले की अगली सुनवाई 8 अप्रैल को होगी। यह जानकारी झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जल्द सुनवाई का आग्रह किया था। (शेष पेज 11 पर)

झारखंड में मिला यूरेनियम का बड़ा भंडार, मजबूत होगी अर्थव्यवस्था

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने पिछले पांच साल में 93,000 टन से अधिक यूरेनियम संसाधनों की पहचान की है। इनमें आंध्र प्रदेश और झारखंड में सर्वाधिक भंडार है। भारत में बड़ी मात्रा में यूरेनियम पाये जाने से बिजली उत्पादन वृद्धि होगी और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। यूरेनियम ऊर्जा का अथाह भंडार होता है। इसका इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक मुर्गी के अंडे के बराबर का यूरेनियम 88 टन कोयले जितनी बिजली पैदा कर सकता है। राज्यसभा में केंद्रीय परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि भारत ने पिछले पांच वर्षों में 93,000 टन से अधिक इन-सीटू यूरेनियम संसाधनों की पहचान की है, जिसमें आंध्र प्रदेश और झारखंड में हुई प्रमुख खोज शामिल है। यूरेनियम के भंडार क्षेत्र में आंध्र प्रदेश 60,659 टन के साथ सबसे आगे है। झारखंड 27,156 टन के साथ दूसरे स्थान पर है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि देश में यूरेनियम की कुछ मौजूदा इकाइयों की क्षमता विस्तार, खानों और संयंत्रों के निर्माण सहित 13 परियोजनाओं को शुरू करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी गयी है।

वक्फ संशोधन बिल पास होने पर बोले पीएम मोदी

अन्याय और भ्रष्टाचार के युग का अंत

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद के दोनों सदनों से पारित वक्फ संशोधन विधेयक महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अन्याय और भ्रष्टाचार के युग का अंत हो गया। अब हम ऐसे युग में प्रवेश करेंगे, जहां ढांचा अधिक आधुनिक और सामाजिक न्याय के प्रति संवेदनशील होगा। व्यापक रूप से हम प्रत्येक नागरिक की गरिमा को प्राथमिकता देने को प्रतिबद्ध हैं। इसी तरह हम एक मजबूत, अधिक समावेशी और अधिक दयालु भारत का निर्माण भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नये कानून से हाशिये पर पड़े लोगों को मदद मिलेगी, जिन्हें आवाज व अवसर दोनों से वंचित रखा गया था।

पीएमने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट शेयर कर लिखा, वक्फ संशोधन विधेयक का पारित होना सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के लिए हमारी सामूहिक खोज में एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने विधेयक को मजबूत बनाने में योगदान देने वाले सभी सांसदों के प्रति आभार जताया। कहा कि नव संशोधित वक्फ विधेयक लोगों के अधिकारों की रक्षा करेगा तथा इसमें पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी से मुस्लिम महिलाओं और पसमांदा मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंचा है।

कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी

कांग्रेस ने वक्फ संशोधन विधेयक 2025 की संवैधानिकता को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की घोषणा की है। पार्टी नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि पार्टी जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में विधेयक को चुनौती देगी। यह कदम कांग्रेस द्वारा अदालत में कई कानूनों को चुनौती देने के प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) 2019, सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 में संशोधन और चुनाव संचालन नियम (2024) में संशोधन शामिल हैं। पार्टी पूजा स्थल अधिनियम 1991 को बनाये रखने के लिए अदालत में भी हस्तक्षेप कर रही है।

शीर्ष कोर्ट में पहली याचिका दायर : संसद से पारित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ कांग्रेस के सांसद मो जावेद ने सुप्रीम कोर्ट में पहली याचिका दायर कर दी है। जिसमें कहा गया है कि मौजूदा याचिका वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 25, 26, 29 और 300 ए के तहत निहित अधिकारों का उल्लंघन करता है। गौरतलब है कि जावेद वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य भी थे। याचिका में कहा गया है कि यह अधिनियम मुस्लिम समुदाय के साथ भेदभाव करता है।

राज्य की कृषि मंत्री सह कांग्रेस नेत्री ने वक्फ संशोधन विधेयक पर केंद्र सरकार को घेरा, भाजपा ने जतायी कड़ी आपत्ति

वक्फ एक्ट में संशोधन कर अल्पसंख्यकों की जमीन हड़पना चाहती है भाजपा : शिल्पी नेहा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन विधेयक पास हो जाने के बाद से कांग्रेस केंद्र सरकार के खिलाफ मुखर है। शुक्रवार को रांची स्थित कांग्रेस भवन में झारखंड सरकार में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बलमुचू और कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने प्रेस कांफ्रेंस कर भाजपा पर वक्फ कानून में संशोधन मामले में भ्रम फैलाने और गलत नैरेटिव सेट करने की बात कही है। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भारत में 27% अल्पसंख्यक हैं। वक्फ कानून में संशोधन कर वह न सिर्फ मुसलमानों के हक और अधिकार छीन रही है बल्कि सभी अल्पसंख्यकों की जमीन छीनने का प्रयास शुरू हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन से इसकी जरूर शुरूआत की गयी है, पर यह प्रयास सभी अल्पसंख्यकों की जमीन को हड़पने की है।

रघुवर सरकार में लैंड बैंक के नाम पर आदिवासियों की जमीन भी कर ली गयी थी चिंहित : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि वक्फ कानून में संशोधन प्रस्ताव पर सदन में चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री में कहा कि संशोधन से आदिवासियों की जमीन बची रहेगी, जबकि हकीकत यह है कि रघुवर दास के राज में भूमि बैंक के नाम पर आदिवासियों की मसना-सरना तक की जमीन ले ली गयी और 201 से अधिक एमओयू कर अपने उद्योगपति मित्रों को देने की योजना बना ली गयी थी।

सीएनटी-एसपीटी से ही हमारी जमीन प्रोटेक्टेड है : बलमुचू

पूर्व राज्यसभा सांसद और प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप बलमुचू ने कहा कि एक ओर रघुवर दास कहते हैं कि कांग्रेस और झामुमो मुस्लिम तुष्टिकरण करती है और दूसरी ओर संसद में इनके मंत्री कहते हैं कि हम मुस्लिम आबादी को मजबूत कर रहे हैं। यह तो विरोधाभास बात है। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून में बदलाव से शेड्यूल एरिया की जमीन सुरक्षित हो जाने की बात गलत है। हमारी जमीन सीएनटी और एसपीटी कानून से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि भाजपा के लोगों ने ही आदिवासियों की जमीन हड़पी है। भाजपा का आदिवासी प्रेम धोखा है। जबकि हकीकत यह है कि एक समुदाय विशेष की जमीन लेकर उसे कमजोर करना चाहती है।

बिहार चुनाव में मुस्लिम महिलाओं के लिए 12-15 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चत करे बीजेपी

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भाजपा ने देश के लोगों के सामने सिर्फ झूठ परोसा है, भाजपा के लोग कहते हैं कि इस बिल के माध्यम से मुसलमानों का उत्थान करना चाहती है, लेकिन सच यह है कि केंद्र की सरकार और भाजपा इस बिल के माध्यम से यह साबित करना चाहती है कि यह देश अल्पसंख्यकों का नहीं है। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि वह दिखाना चाहते हैं कि अगर कोई भाजपा के साथ नहीं रहेगा तो उसे देश छोड़ देना होगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा के लोग कहते हैं कि यह बिल मुस्लिम महिलाओं के हित में है पर हकीकत ये है कि भाजपा के पास कोई भी महिला मुस्लिम विधायक या और सांसद नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा मुसलमान महिलाओं की इतनी ही कद्र करती है तो आसन्न बिहार विधानसभा चुनाव में मुस्लिम महिलाओं के लिए कम से कम 12-15 प्रतिशत सीट आरक्षित करें।

झारखंड में लंबे दिनों तक शासन करनेवाली भाजपा आदिवासियों के हित में नहीं किया काम : बंधु तिर्की

पूर्व शिक्षा मंत्री सह झारखंड कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि अगर भाजपा आदिवासियों की हितैषी है तो वह बताए कि भाजपा शासित प्रदेशों में जनजातीय लोगों की जमीन संरक्षण के कानून को हल्का क्यों किया जा रहा है। बंधु तिर्की ने कहा कि राज्य में सबसे अधिक दिनों तक राज भाजपा ने किया है, वह बताये कि उन्होंने आदिवासियों के हितों के लिए क्या-क्या किया है? बंधु तिर्की ने कहा कि रघुवर दास के हाथी उड़ाने का कार्यक्रम भी पांचवी अनुसूची के खिलाफ था। मौके पर विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनाल शांति और जगदीश साहू उपस्थित थे।

अल्पसंख्यकों व आदिवासियों को गुमराह ना करे कांग्रेस : भाजपा

खबर मन्त्र ब्यूरो

■ मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भाजपा पर अल्पसंख्यकों और आदिवासियों के अधिकारों का हनन करने का लगाया है आरोप

रांची। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की द्वारा दिये गये बयान पर गहरी आपत्ति जतायी है। उन्होंने कहा कि मंत्री का बयान तथ्यों से परे है। दरअसल, मंत्री ने भाजपा पर अल्पसंख्यकों एवं आदिवासियों के अधिकारों के हनन का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज में अनावश्यक भय और भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आदिवासी समुदाय के हितों की बात कर रही है जो हास्यपद है। कांग्रेस तो एक आदिवासी बेटी के राष्ट्रपति बनने के खिलाफ थी। कांग्रेस के कारण झारखंड में पेसा कानून अभी तक लागू नहीं किया गया। कांग्रेस पार्टी सरना धर्म कोड की बात करती है जबकि केंद्र की मनमोहन सिंह सरकार ने इसके खिलाफ निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि सीरम टोली स्थित सरना स्थल की समस्याओं का समाधान भी कांग्रेस से नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि जब 1994, 1995 और 2013 मे कांग्रेस द्वारा 3 बार वक़्फ बोर्ड का संशोधन किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार चाहती है की वक्फ बोर्ड संसोधन के द्वारा भूखंड भू-माफियाओं के चंगुल से मुक्त हो और गरीब मुसलमानों के हित में इस्तेमाल हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को गरीब मुसलमानों की चिंता करनी चाहिये।

उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक सच्चर कमेटी की अनुशंसा पर लाया गया है। इस विधेयक से किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। किसी के अधिकार छीनने की बात तो भूल ही जाइये। कई राज्यों में वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर अवैध कब्जे और लूट-खसोट की घटनायें सामने आयी हैं। भाजपा सरकार इस लूट को रोकना चाहती है। इस संशोधन के तहत सरकार वक्फ बोर्ड की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार खत्म करने के लिये डिजिटलीकरण को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक और आदिवासी समुदायों को वक्फ संशोधन विधेयक के संबंध में भ्रामक जानकारी देकर गुमराह करने का प्रयास कर रही है।

खबर एक नजर में

आदिल अजीम ने आजसू से इस्तीफा दिया

रांची। वक्फ संसोधन बिल पर आजसू के समर्थन एवं सुदेश महतो के बयान से नाराज होकर जिला परिषद सदस्य आदिल अजीम ने आजसू पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन बिल भारत के मुसलमान के पीठ पर खंजर भोंकने जैसा बिल है।

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर राज्यपाल ने जताया शोक

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने महशूर अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर शोक जताया है। सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि प्रख्यात अभिनेता और फिल्म निर्माता मनोज कुमार जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। भारत कुमार के रूप में उन्होंने अपनी फिल्मों के माध्यम से जन-जन में राष्ट्र प्रेम की भावना को जागृत किया। उनकी सांस्कृतिक और भावनात्मक विरासत सदैव स्मरणीय और प्रेरणास्पद बनी रहेगी।

राज्यपाल से मिले सेना के अफसर

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को राज भवन में सेना के अफसर ने मुलाकात की। इस दौरान लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत, पीवीएसएम एवीएसएम, एसएम जीओसी मध्य भारत एरिया ने राज्यपाल से मुलाकात कर स्मृति चिन्ह भेंट किया।

राज्यपाल से मिले दो यूनिवर्सिटी के कुलपति

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो अंजिला गुप्ता और बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राम कुमार सिंह ने राजभवन में भेंट की। राज्यपाल ने कुलपतियों को निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की गुणात्मक शिक्षा सुनिश्चित की जाये और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने शैक्षणिक कैलेंडर के अनुपालन एवं सत्र के नियमितीकरण पर भी बल दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की माता के निधन पर भाजपा ने जताया शोक

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की माता के निधन पर भाजपा ने गहरा शोक प्रकट किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मधु कोड़ा की पूज्य माताजी के निधन की दुखद सूचना से मन दुखी है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति दे। शोक व्यक्त करने वालों में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, डॉ रवींद्र कुमार राय, सांसद दीपक प्रकाश, आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज कुमार सिंह, नीलकंठ सिंह मुंडा, राकेश प्रसाद, आरती कुजूर, दीपक बंका, हेमंत दास आदि शामिल हैं।

सरयू राय मामले में अगली सुनवाई 15 को

रांची। पूर्व मंत्री सरयू राय से जुड़े गोपनीय दस्तावेज लीक करने के मामले में शुक्रवार को एमपी-एमएलए की विशेष अदालत में आंशिक सुनवाई हुई। मामले में सरयू राय की ओर से उपस्थिति दर्ज करा दी गई है। आगे की न्यायिक प्रक्रिया के तहत पुलिस पेपर सौंपा जायेगा। अगली सुनवाई की तारीख अदालत ने 15 अप्रैल निर्धारित की है। मामले में सरयू राय को अग्रिम जमानत की सुविधा प्राप्त है। अदालत ने दाखिल चार्जशीट पर 24 अगस्त को संज्ञान लिया है। सरयू राय के खिलाफ विभाग के अवर सचिव विजय वर्मा ने 2 मई 2022 को डोरंडा थाना में भादवि की पांच धारायें एवं गोपनीय दस्तावेज का लीक करने के तीन धाराओं के तहत प्राथमिकी ;कांड संख्या 105/22 दर्ज कराई थी। मालूम हो कि सरयू राय ने इसी दस्तावेज को हासिल करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को कोरोना काल में किये गये राशि के उपयोग की जानकारी दी थी।

सांसद सीपी चौधरी मामले में आंशिक सुनवाई

रांची। ओबीसी आरक्षण सहित अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के मामले में नामजद सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी की ओर से दाखिल डिस्चार्ज याचिका पर शुक्रवार को एमपी-एमएलए के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की अदालत में आंशिक सुनवाई हुई। मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुये अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 17 अप्रैल निर्धारित की है। सीपी चौधरी ने मामले में अपने आप को निर्दोष बताते हुए 18 मार्च को डिस्चार्ज याचिका दाखिल की है। वहीं, इसी मामले में आरोपी सुदेश महतो की डिस्चार्ज याचिका अदालत ने खारिज कर चुकी है। घटना को लेकर ओरमांझी के तत्कालीन सीओ विजय केरकेट्टा ने लालपुर थाना में 8 सितंबर 2021 को कांड संख्या 201/2021 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री आवास घेराव को लेकर आजसू कार्यकर्ता मोरहाबादी मैदान में एकत्र हुये। इसका नेतृत्व सुदेश महतो, चंद्र प्रकाश चौधरी, लंबोदर महतो, राम चंद्र सहिस समेत अन्य कर रहे थे। इनलोगों पर जानबुझ कर प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की, सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप है।

विधायक सरयू राय ने किया आग्रह

स्वास्थ्य विभाग के 5 साल के कार्यकाल की भी ईडी जांच हो

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जदयू विधायक सरयू राय ने शुक्रवार को कहा कि आयुष्मान घोटाले को लेकर झारखंड में करीब डेढ़ दर्जन स्थानों पर ईडी ने छापामारी की। यह कोई अचानक और चौंकाने वाली घटना नहीं है। वे लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ईडी को इसकी तह तक जाना चाहिये। स्वास्थ्य विभाग में पांच साल तक जो हुआ है, उस तक अगर ईडी नहीं पहुंचेगी तो यह बड़ा मसला नहीं बनेगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईडी की छापामारी पर कोई भी टिप्पणी अनुचित है। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वास्थ्य विभाग में घोटालेबाजों का जो सिंडिकेट था, उसका भंडाफोड़ ईडी करेगी।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में स्वास्थ्य विभाग में घोटालेबाजों का एक सिंडिकेट बना हुआ है। इसमें तत्कालीन मंत्री, उनके सचिव, स्वास्थ्य विभाग के कुछ अफसर, जमशेदपुर के कुछ बिजनेसमैन और कुछ डॉक्टर और अस्पताल भी शामिल हैं। इस छापेमारी में सबसे चौंकाने वाली बात है पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के निजी सचिव रहे ओम प्रकाश सिंह उर्फ गुड्डू के निवास स्थान पर छापेमारी। स्वास्थ्य विभाग में एक धारणा बनी थी कि ओम प्रकाश सिंह जो कहते हैं, वही बन्ना गुप्ता करते हैं।

कोरोना काल से ही आयुष्मान में गड़बड़ी सामने आ रही थीं : कोरोना काल से ही आयुष्मान में गड़बड़ी की बातें सामने आ रही थीं। तब भी यह चर्चा होती थी कि जमशेदपुर के कुछ डॉक्टर और कुछ अस्पताल फर्जीवाड़ा कर रहे हैं।

बोकारो में युवक की मौत पर एचइसी विस्थापितों ने किया प्रदर्शन, दोषी को बर्खास्त करने की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बोकारो में विस्थापितों पर हुई बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज और उसमें एक की मौत की घटना से प्रदेशभर के विस्थापितों में रोष है। एचइसी विस्थापित एवं एचइसी के प्रशिक्षु कामगारों ने घटना के विरोध में शुक्रवार को एचइसी नेहरू पार्क में प्रदर्शन किया। इससे पहले हुई बैठक की अध्यक्षता राजेन्द्रकांत महतो ने किया।

हटिया विस्थापित परिवार समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव ने कहा कि दोषी अधिकारी और जवान पर कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें नौकरी से बर्खास्त किया जाना चाहिए। एचइसी, बोकारो, धनबाद, जमशेदपुर ऐसे सभी जगहों के विस्थापितों को उनके हक और अधिकार से वंचित किया जा रहा है, यदि समय रहते सरकार कोई नीति नहीं बनाती है तो आने वाले समय में इस तरह की घटना अन्य जगहों पर भी घट सकती है। इसलिए सरकार विस्थापितों की हितों के रक्षा के लिए एक नीति बनाएं। राम मनोज ने कहा कि प्रेम महतो की शहादत निरर्थक नहीं जाएगी। बैठक में प्रेम महतो आत्मा की शान्ति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बता दें कि बीएसएल कार्यालय के समक्ष बीएसएल से विस्थापित प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं के द्वारा नौकरी को लेकर संवैधानिक तरीके से धरना प्रदर्शन किया जा रहा था। इस दौरान बीएसएल प्रबंधन के निर्देश पर सीआईएफ के जवानों ने बर्बरता पूर्ण कार्रवाई कर लाठी चार्ज किया और उस दौरान एक प्रशिक्षु भाई प्रेम महतो की मृत्यु हो गई।

सीआइएसएफ अधिकारी पर दर्ज हो हत्या का मुकदमा : राजेंद्र प्रसाद

रांची। आंदोलनकारियों पर सीआईएसएफ द्वारा लाठी चार्ज कर प्रेम महतो की हत्या करने और बेरहमी के साथ पिटाई कर पन्द्रह लोगों को घायल करने की घटना की मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कड़े शब्दों में निन्दा की है। राजेन्द्र प्रसाद ने कहा बीएसएल अधिकारियों और सीआईएसएफ के जिम्मेवार अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिये। उन्होंने कहा कि झारखंड विस्थापन का दंश झेल रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में हमारे लोगों की जमीन पर कल एकारखाना फैक्ट्री बनी है। इसके कारण झारखंड के लोग विस्थापित हुये हैं । उन्होने प्रेम महतो के आश्रितों को एक करोड़ और घायलों को दो-दो लाख रूपया और सभी आंदोलित विस्थापित अप्रेंटिस संघ के सदस्यों को नौकरी तुरंत दे।

डीजीपी ने डायल 112 के कार्यों की समीक्षा की

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने शुक्रवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से डायल 112 अंतर्गत किये जा कार्यों की समीक्षा की। बैठक में एडीजी सुमन गुप्ता, डीआईजी इन्द्रजीत माहथा, एसपी अमित रेणु, एसपी हरविन्दर सिंह समेत कई पदाधिकारी ने भाग लिया। बैठक के दौरान इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम के उद्देश्य और डायल 112 की सेवाओं की विस्तृत रूप से समीक्षा की गयी। इसमें विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, वृद्धों को आपातकालिन परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान करने के साथ-साथ एम्बुलेंस और फायरबिग्रेड सेवाओं को और प्रभावी बनाने पर बल दिया गया।

आपातकालीन स्थिति में त्वरित सहायता के निर्देश : अपराध, आग लगने, दुर्घटना, महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, बाल अपराध, मेडिकल इमरजेंसी जैसी सूचना डायल-112 पर मिलने पर त्वरित गति से कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक जिले में नोडल पदाधिकारी (डीएसपी) डायल-112 की नियमित समीक्षा करेंगे और आपातकालीन सेवाओं को डायल-112 से जोड़ने के लिए वांछित कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। आम जनता के बीच डायल-112 के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सार्वजनिक स्थल यथा-ऑटो रिक्शा, सिटी बस, महिला कॉलेज, बैंक, अस्पताल , एटीएम, कोचिंग सेंटर, विद्यालय स्थानों पर वांछित कार्रवाई की जाए।

झारखंड में चौथी बार जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का होगा आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सभी जिलों में चौथी बार जन शिकायत समाधान कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम 16 अप्रैल को दिन के 11 बजे से होगा। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सभी जिलों के एसएसपी व एसपी को आदेश जारी किया है। पहले जहां समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, इस बार उसी स्थान पर कार्यक्रम होगा। इससे पहले 10 सितंबर 2024, 18 दिसंबर 2024 और 22 जनवरी 2025 को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम किया गया था।

इस कार्यक्रम के उद्देश्य

- नागरिकों की पुलिस से संबंधित शिकायतों को प्राप्त करना और पंजीकरण करना।
- शिकायतों पर पुलिस द्वारा की गयी कार्रवाई की सूचना शिकायतकर्ता को देना।
- यदि निर्धारित समय पर कार्रवाई ना हो तो वरीय पदाधिकारियों को इसकी सूचना देना।
- कार्रवाई योग्य शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान करना।
- जिन शिकायतों पर कार्रवाई नहीं हो सकती, उसकी जानकारी भी शिकायतकर्ताओं को देना।
- पुलिस द्वारा बनायी जा रही सर्वोत्तम पद्धतियों को इन कार्यक्रमों में दिखाना।
- नागरिकों की समस्याओं को समझकर पुलिस व्यवस्था में आवश्यक सुधार करना।

18 आइपीएस अफसरों को आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक का सम्मान

रांची। झारखंड कैडर के 18 आईपीएस को आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक मिला है। पुलिस सेवा में अहम योगदान के लिए आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक दिया जा रहा है। इन सभी आईपीएस को सीआईएसएफ के द्वारा यह सुरक्षा सेवा पदक प्रदान किया गया है।

इन 18 को मिला सम्मान : आईजी होमकर अमोल वेनुकांत, आईजी पंकज कंबोज, आईजी कुलदीप द्विवेदी, आईजी ए. विजयलक्ष्मी, डीआईजी एम. तमिलवाणन, डीआईजी अनीश गुप्ता, डीआईजी इन्द्रजीत माहथा, डीआईजी सुरेन्द्र कुमार झा, डीआईजी वाईएस रमेश, डीआईजी कार्तिक एस, एसपी एम.अर्शी, एसपी प्रशान्त आनन्द, एसपी आशुतोष शेखर, एसपी अनुदीप सिंह, एसपी शम्भु कुमार सिह, एसपी दीपक कुमार पाण्डेय, एसपी राजकुमार मेहता, एसपी के विजय शंकर शामिल है।

गुजरात में 8 और 9 अप्रैल को कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में झारखंड से 55 डेलिगेट्स होंगे शामिल

संगठन पर फोकस

खबर मन्त्र बयूरो

रांची। कांग्रेस पार्टी 8 और 9 अप्रैल को गुजरात के अहमदाबाद में राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित करने जा रही है। दरअसल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अध्यक्षता में 1924 में कर्नाटक के बेलगाम में हुए एआईसीसी अधिवेशन के 100 साल पूरे होने पर कांग्रेस ने पिछले साल 26 और 27 दिसम्बर को बेलगाम में 2 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया था।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बीजेपी के गढ़ में कांग्रेस राष्ट्रीय अधिवेशन कर गुजरात की धरती से एक मजबूत संदेश देना चाहती है। वर्ष 2025 कांग्रेस के लिए संगठन को सशक्त करने के साथ-साथ सृजन का भी साल है। कांग्रेस का लक्ष्य पार्टी संगठन को ग्रामीण स्तर पर इतना सशक्त बनाना है कि विचारधारा की लड़ाई के साथ साथ चुनावी राजनीति में कोई उसे पछाड़ नहीं सके।

मील का पत्थर साबित होगा अहमदाबाद अधिवेशन : केशव महतो कमलेश

झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने एआईसीसी अधिवेशन को लेकर अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन, पार्टी संगठन के लिए 'मील का पत्थर साबित होगा। कर्नाटक में पिछले वर्ष के आखिरी महीने में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की विस्तारित बैठक के बाद अब बापू-पटेल की धरती से एक बड़ा संदेश दिया जाएगा। केशव महतो कमलेश ने कहा कि गुजरात वह धरती है, जहां के दो बड़े नेता, महात्मा गांधी और सरदार पटेल ने पूरे देश को संदेश देने का काम किया था। उसी धरती से कांग्रेस संगठन सशक्तिकरण और सृजन के वर्ष में पार्टी को ग्रासरूट पर मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिवेशन में आगे की रूपरेखा तय होगी। ग्रासरूट के हमारे नेताओं-कार्यकर्ताओं में से योग्य और मापदंडों को पूरा करने वाले कार्यकर्ताओं को ही जिम्मेदारी और पद देना सुनिश्चित हो, इस पर भी विचार विमर्श और गहन चिंतन होगा।

झारखंड से 55 से ज्यादा डेलिगेट्स अधिवेशन में जायेंगे: सोनाल शांति

झारखंड कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति उर्फ रिंकू तिवारी ने बताया कि गुजरात में 8 और 9 अप्रैल को आयोजित किये जा रहे कांग्रेस अधिवेशन में झारखंड से 55 डेलीगेट्स की सूची बनी है। इनके अलावा कुछ विशेष आमंत्रित सदस्य भी राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने अहमदाबाद जाएंगे।

सोनाल शांति ने आगे बताया कि इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, झारखंड विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उप नेता राजेश कच्छप, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, सांसद सुखदेव भगत, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख, बन्ना गुप्ता, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह, झारखंड सेवा दल की नेली नाथन, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज सहित कई विधायक शामिल रहे। पार्टी से मिली जानकारी के अनुसार राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी एआईसीसी के सदस्य नहीं होने के बावजूद 'मंत्री' होने की वजह से राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होंगे।

19 और 20 अप्रैल को रांची में भारतीय वायुसेना का पहला एयर शो

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड की धरती एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने जा रही है। राजधानी रांची में पहली बार भारतीय वायुसेना का भव्य एयर शो आयोजित किया जा रहा है, जो न केवल रोमांच और कौशल का प्रतीक होगा, बल्कि राज्य के नागरिकों के लिए एक अद्भुत गौरव का अवसर भी बनेगा।

आसमान में गूंजेगा सूर्यकिरण टीम का शौर्य : यह विशेष आयोजन 19 और 20 अप्रैल को रांची के खोजा टोली आर्मी ग्राउंड में होगा। इस एयर शो में भारतीय वायुसेना की प्रतिष्ठित सूर्यकिरण एक्रोबैटिक टीम अपने अद्भुत और सांसें रोक देने वाले हवाई करतबों से दर्शकों को रोमांचित करेगी। शो का उद्देश्य न केवल देश की सैन्य ताकत का प्रदर्शन करना है, बल्कि युवाओं में देशभक्ति की भावना को भी जागृत करना है।

जिला प्रशासन करेगा सहयोग : एयर शो की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को भारतीय वायुसेना के एक उच्चस्तरीय दल ने उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री से उनके कार्यालय में औपचारिक मुलाकात की।एयर शो से जुड़ी तमाम गतिविधियों, व्यवस्थाओं और आवश्यक सहयोग पर गहन चर्चा की गयी। उपायुक्त ने वायुसेना के अधिकारियों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन इस आयोजन को सफल बनाने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने तकनीकी व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों, प्रचार-प्रसार और जनसंपर्क सहित सभी पहलुओं पर तैयारी सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। बैठक में भारतीय वायुसेना की ओर से विंग कमांडर पी. के. सिंह और स्क्वाड्रन लीडर वालिया उपस्थित रहे।

फुल ड्रेस रिहर्सल 17 को

17 अप्रैल को फुल ड्रेस रिहर्सल किया जाएगा, जिसमें एयर शो की गतिविधियों का अंतिम पूर्वावलोकन प्रस्तुत किया जाएगा। यह रिहर्सल न केवल तैयारियों की समीक्षा के लिए महत्वपूर्ण होगा, बल्कि दर्शकों के लिए एक झलक भी पेश करेगा।

रांची पुलिस ने ड्रोन से कई इलाकों में घर की छतों का किया निरीक्षण

रामनवमी में सुरक्षा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रामनवमी से पहले रांची पुलिस ने रामनवमी से पहले ड्रोन की मदद से कई इलाकों में घरों की छतों का निरीक्षण किया। इस दौरान रामनवमी जुलूस जिस-जिस इलाके से निकलेगा, पुलिस ने उस इलाके में निरीक्षण किया। रांची पुलिस ने मेन रोड, हिंदपीढ़ी और डेली मार्केट इलाके की ड्रोन से निगरानी कर देखा कि कहीं किसी के घरों की छतों पर ईंट-पत्थर तो नहीं रखे गये हैं।

डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा ने पुलिस पदाधिकारियों को आदेश दिया है कि वह पूरे क्षेत्र में खुद घूमे और संवेदनशील जगहों को चिह्नित कर वहां जवानों की तैनाती करें।

एसएसपी ने चेतावनी दी है कि अगर किसी इलाके में कोई भी गड़बड़ी हुई तो वहां के थाना प्रभारी पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। एसएसपी ने सिटी कंट्रोल रूम में बैठे पुलिसकर्मियों को भी आदेश दिया गया है कि पूरे शहर में लोगों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखें। किसी इलाके से कोई सूचना मिलती है तो तुरंत लोकल थाना की पुलिस बताएं। वहीं दूसरी तरफ चैती दुर्गा पूजा के विर्सजन और रामनवमी को लेकर शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किये गये हैं।

रामनवमी को लेकर रांची नगर निगम ने विभिन्न समितियों के साथ की बैठक

कंट्रोल रूम से 24 घंटे निगरानी

सहयता और शिकायत के लिए निगम ने जारी किया नंबर
टोल-फ्री नंबर : 18005701235
अन्य नंबर : 9431104429, 0651-2200011, 0651-2200025

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम कार्यालय में शुक्रवार को प्रशासक संदीप सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें सभी रामनवमी आयोजन समितियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस बैठक में विभिन्न समितियों से सुझाव लिये गये। इस दौरान सभी समितियों से अपील की गयी कि वे पर्व के दौरान नगर निगम के साथ समन्वय बनाए रखें और व्यवस्था में सहयोग करें, ताकि रांची में रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण और भव्य रूप से मनाया जा सके।

बैठक में एसडीओ उत्कर्ष कुमार, अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक रविंद्र कुमार और गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक, अधीक्षण अभियंता, कार्यालय अधीक्षक, नगर प्रबंधक समेत कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों के अलावा बैठक में महावीर मंडल, महावीर मंडल महानगर, चैती दुर्गा पूजा समिति, धुर्वा महावीर मंडल, श्री महावीर मंडल डोरंडा केंद्रीय समिति, रामनवमी श्रृंगार समिति समेत अन्य रामनवमी आयोजन समितियों के प्रतिनिधियों ने शामिल हुए।

प्रशासक ने नगर निगम के कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखने का निर्देश दिया और सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने के लिए कहा। निगम ने नागरिकों की समस्या व शिकायत के समाधान के लिए नंबर जारी किये हैं। साथ ही अपील की है कि किसी भी शिकायत के लिए इन नंबरों पर संपर्क करें, ताकि समस्याओं का समाधान किया जा सके।

डीसी ने प्रमुख मंदिरों और जुलूस मार्गों का किया निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रामनवमी के दौरान विधि व्यवस्था बनी रहे और जुलूस को सुगम बनाने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही है। इसी सिलसिले में डीसी समेत कई अधिकारियों ने शहर के प्रमुख मंदिरों और जुलूस के रास्तों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने हेहल मंडप टोली मंदिर, दक्षिण मुखी बजरंगबली मंदिर (रातू रोड), विश्वनाथ शिव मंदिर (पिस्का मोड़), श्री महावीर मंदिर (पंडरा), तपोवन मंदिर (निवारणपुर) व अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा किया और सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान डीसी ने अधिकारियों को कई जरूरी दिशा-निर्देश दिये, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

उपायुक्त ने बताया कि प्रशासन रामनवमी जुलूस मार्गों पर सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के

लिए दंडाधिकारियों और पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति करेगा। शहर के चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिये निगरानी रखी भी जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। जिला प्रशासन ने सोशल मीडिया पर 24 घंटा सातों दिन निगरानी रखने का भी निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई असामाजिक तत्व अफवाहें या आपत्तिजनक संदेशों के जरिए शांति भंग न कर सके।

खबर एक नजर में

आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

रांची। एनडीपीएस मामले के विशेष न्यायाधीश दिवाकर पांडे की अदालत ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में जेल में बंद आरोपी सुजीत कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी है। आरोपी उक्त आरोप में बीते 6 मार्च से जेल में बंद है। आरोपी सुजीत कुमार पर सासाराम से ब्राउन शुगर लाकर रांची में आपूर्ति करने का आरोप है।

वक़्फ संशोधन बिल को लेकर किया प्रदर्शन

रांची। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में वक़्फ संशोधन बिल पारित हो जाने के खिलाफ राजधानी में भी शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। तनवीर अहमद ने इस बिल की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह बिल मुस्लिम समाज के अधिकारों और धार्मिक संस्थाओं पर सीधा हमला है। वक़्फ बोर्ड देशभर में मुसलमानों की सामाजिक, धार्मिक और शैक्षणिक गतिविधियों का एक अहम केंद्र है। जिसमें मुस्लिम समाज के गरीबों और कमजोर तबके के लोगों को लाभ हुआ करता है, लेकिन बीजेपी सरकार इस संस्था को कमजोर करके मुसलमानों की जड़ों को हिलाने की साज़िश कर रही है। मुसलमानों के साथ दुश्मन जैसा व्यवहार कर रही है।

युद्धस्तर पर चापाकलों की हो रही मरम्मत

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में खराब चापानलों की मरम्मत हर दिन कराई जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को अनगड़ा में दो, ओरमांझी में तीन, सिल्ली में चार, बुंडू में एक, सोनाहातु में तीन, राहे में तीन और तमाड़ में एक चापानल की मरम्मत की गई। चापानल मरम्मत के लिए जिला प्रशासन द्वारा बनाए अबुआ साथी के टॉल फ्री नंबर 9430328080 पर 24 घंटे सातों दिन लोग कर सकते हैं। शिकायत का जिला प्रशासन द्वारा त्वरित निष्पादन कराया जाएगा।

राममय हुई राजधानी रांची

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची राममय हो गयी है। महावीरी झंडे से पूरे राजधानी को पाट दिया गया है। जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। मेन रोड, महावीर चौक में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। तपोवन मंदिर को भी सजाया गया है। आज विभिन्न अखाड़ों के द्वारा झांकी निकाली जायेगी।

थड़पकना महावीर मंडल के अध्यक्ष रवींद्र वर्मा ने बताया कि 1929 में पहली बार महावीर चौक से रामनवमी शोभायात्रा की शुरूआत हुई। पहली शोभायात्रा सिर्फ पांच लोगों की अगुवाई में निकाली गयी थी।

झांकी प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि बढ़ी

प्रथम	₹35000
द्वितीय	₹21000
तृतीय	₹11000

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अखाड़ेधारियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार की राशि बढ़ा दी गयी है। ये बातें शुक्रवार को कुणाल अजमानी ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने बताया कि महाष्टमी की झांकी प्रतियोगिता की भव्यता को बढ़ाने के लिए इस बार पुरस्कार की राशि को बढ़ाई गई है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 35000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 21000 रूपये और तृतीय पुरस्कार 11000 एवं अन्य सांत्वना पुरस्कार झांकी निर्माण करने वाले अखाड़े को दिया जाएगा। साथ ही बाजा प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार विजेता को 21000 रूपये, द्वितीय को 11000 रूपये और तृतीय पुरस्कार के रूप में 5100 रूपये दिये जायेंगे। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन महामंडलेश्वर श्री त्यागी बाबा के द्वारा रात्रि 9:00 बजे किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विक्की छाबड़ा एवं ग्रुप की भजन की प्रस्तुति एवं झांकी की प्रस्तुति होगी। इस मौके पर उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी रोहित शारदा, महामंत्री मुनचुन राय संयोजक दिलीप सोनी, कुणाल आनंद, नीतीश मिश्रा, सनी साहू, रोहित पांडे बादल सिंह, समीर कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रांची स्मार्ट सिटी मामले में विष्णु अग्रवाल की कंपनी को 167 करोड़ वापस करने का आदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने विष्णु अग्रवाल की कंपनी चेलिस रियल स्टेट प्राइवेट लिमिटेड को रांची स्मार्ट सिटी में जमीन के बदले जमा की गयी राशि का 95 प्रतिशत वापस करने का आदेश दिया है। कंपनी को यह अधिकार होगा कि वह बाकी 5 प्रतिशत रकम और कुल जमा राशि पर सूद भी ले सके। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एम.एस, रामचंद्र राव और

न्यायाधीश दीपक रौशन की पीठ ने यह आदेश पारित किया है।

विष्णु अग्रवाल की कंपनी ने स्मार्ट सिटी में नीलामी में ली गयी जमीन के बदले 176 करोड़ रुपये जमा किया था। मामले की सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता द्वारा यहा आश्वासन दिया गया था कि सरकार जमीन मद में जमा ली गयी रकम का 95 प्रतिशत वापस कर देगी। जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए तीन अप्रैल की तिथि निर्धारित की थी। तीन अप्रैल को हुई सुनवाई के बाद न्यायालय ने विष्णु अग्रवाल द्वारा जमा की गयी रकम का 95 प्रतिशत वापस लौटाने के आदेश दिया। साथ ही पांच प्रतिशत रकम मई से पहले तक वापस करने का आदेश दिया है। साथ ही मामले की अगली सुनवाई के लिए पांच मई की तिथि निर्धारित की है।

क्या है मामला : व्यापारी विष्णु अग्रवाल ने हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की थी। इसमें उनकी कंपनी द्वारा स्मार्ट सिटी परिसर में जमीन खरीदने के मामले में जमा की गयी राशि वापस करने की मांग की गयी थी। इसके लिए यह तर्क दिया गया था कि स्मार्ट सिटी की जमीन उनकी कंपनी के नाम पर हस्तांतरण करने में परेशानी हो रही है। इसलिए इस मद में जमा की गयी रकम वापस करायी जाये।

बेरोजगारी की स्थिति गंभीर, राज्य सरकार उदासीन : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बढ़ती बेरोजगारी को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में बेरोजगारी की स्थिति दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है। श्रम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, राज्य में तीन लाख 44 हजार 823 लोग नौकरी की तलाश में हैं। इनमें दो लाख 45 हजार 420 पुरुष और 99,382 महिलायें शामिल हैं लेकिन सरकार की ओर से इसे दूर करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवा राज्य से बाहर पलायन करने के लिए विवश हैं। उन्होंने कहा कि युवा निराशा में अस्थायी और कम वेतन वाली नौकरियों को अपनाने के लिए विवश हैं। राज्य में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सरकारी भर्तियां या तो स्थगित हो जाती हैं या फिर पारदर्शिता की कमी के कारण विवादों में घिर जाती हैं। उन्होंने कहा कि नियोजन कार्यालय सिर्फ बेरोजगारों के पंजीकरण तक ही सीमित रह गये हैं। नौकरी दिलाने की उनकी भूमिका लगभग शून्य हो गई है।

सीएमपीडीआई और डब्ल्यूसीएल, नागपुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हुआ हस्ताक्षर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएमपीडीआई रांची द्वारा सौर ऊर्जा परियोजना के कार्यान्वयन के लिए वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) नागपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

सीएमपीडीआई ने ग्राउंड माउंटेड, रूफ टॉप और फ्लोटिंग इंस्टॉलेशन सहित सौर ऊर्जा परियोजनाओं की संस्थापना के लिए वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल), नागपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किया। इस समझौते के तहत सीएमपीडीआई परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के

रूप में काम करेगा, जो परियोजना की शुरूआत से लेकर पूर्ण होने तक के प्रबंधन के सभी चरणों की देखरेख करेगा।

समझौता ज्ञापन पर सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (ईएंडएम)/विभागाध्यक्ष सुदर्शन प्रसाद और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल), नागपुर की महाप्रबंधक (ईएंडएम)/विभागाध्यक्ष (आरई) श्वेता सोनी शर्मा ने डब्ल्यूसीएल के निदेशक (तकनीकी/ संचालन) अनिल कुमार सिंह और निदेशक (तकनीकी/पीएंडपी) आनंदजी प्रसाद की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर सीएमपीडीआई और डब्ल्यूसीएल के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। इस सहभागिता/सहयोग का उद्देश्य डब्ल्यूसीएल की सौर ऊर्जा पहलों में तेजी लाना, नेट जीरो लक्ष्यों को प्राप्त करने और कार्बन तटस्थता को आगे बढ़ाने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाना है।

वित्त वर्ष 2025-26 में कोयला उत्पादन का लक्ष्य हुआ तय

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड और इसकी अनुषांगिक कंपनियों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कोयले का उत्पादन का टारगेट सेट हो चुका है। 2024-25 में सीआईएल उत्पाद लक्ष्य 838 मिलियन टन तक नहीं पहुंच सका।

सीआईएल एवं अनुषांगिक कंपनियों का उत्पादन लक्ष्य, आकड़े मिलियन टन में

बीसीसीएल-	46
सीसीएल-	110
ईसीएल-	59
एमसीएल-	239
एनसीएल-	140
एसईसीएल-	212
डब्लूसीएल-	69
सीआईएल-	875

राज्यपाल ने विकसित भारत युवा संसद के सभी प्रतिभागियों को किया सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय विकसित भारत युवा संसद में झारखंड के प्रतिभागियों की उत्कृष्ट भागीदारी के लिए उन्हें राज भवन में सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने रिया गुप्ता, श्वेता कुमारी और आयशा फातिमा सहित झारखंड के यूथ आइकन गौरव अग्रवाल को सम्मानित किया। राज्यपाल ने कहा कि युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारने के अवसर मिलने चाहिए, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी ने भी युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस सम्मान समारोह में नेहरू युवा केंद्र संगठन, झारखंड की राज्य निदेशक ललिता कुमारी, विकास आहूजा और चार्ल्स बोदरा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को नौकरी खोजने वाली शिक्षा नहीं दें : राज्यपाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि विकसित भारत केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है। बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक समृद्धि, सामाजिक समरसता और वैज्ञानिक नवाचार का समन्वित प्रतिबिंब है। वे शुक्रवार को गोस्सनर कॉलेज में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस के उदघाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा जनसंख्या है। हमें उन्हें नवाचार, स्टार्टअप, शोध और उद्यमशीलता की ओर प्रेरित करना होगा। उन्होंने विकसित भारत 2047 आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये पहले भारत को न केवल आत्मनिर्भर बना रही हैं। बल्कि उसे वैश्विक नेतृत्व की दिशा में भी अग्रसर कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है।उन्होंने शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को केवल नौकरी खोजने वाली नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाली शिक्षा प्रदान करें।

शोध कार्यों में मौलिकता आवश्यक

राज्यपाल ने कहा कि शोध कार्यों में मौलिकता आवश्यक हैण केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं। बल्कि समाजोपयोगी समाधान और नवाचारों पर आधारित शोध ही विकसित भारत की राह को प्रशस्त करेगा। उन्होंने स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, खादी और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक उत्पादन केंद्र बन सकता है। यदि वह पारंपरिक ज्ञान और आधुनिकता का समन्वय स्थापित कर सके।

एनसीएसटी सदस्य से मिला केंद्रीय सरना समिति

रांची। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) दिल्ली के सदस्य डॉ. आशा लकड़ा से मुलाकात कर केन्द्रीय सरना स्थल सिरम टोली फ्लाईओवर रैम्प को हटाने की मांग का ज्ञापन सौंपा। बैठक के दौरान डॉ.आशा लकड़ा ने आदिवासी समाज की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि यह आदिवासी समाज की धरोहर है और इसे सुरक्षित रखना सभी का कर्तव्य है। उन्होंने जल्द ही इस मुद्दे के समाधान का भरोसा दिलाया।

केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज बीते तीन महीनों से सड़कों पर संघर्ष कर रहा है, लेकिन राज्य सरकार इस पर मौन है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा धार्मिक स्थल के साथ छेड़छाड़ कर आदिवासी समाज को आघात पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि रांची में सरहुल शोभायात्रा का मुख्य उद्गम स्थल सरना टोली हातमा और समापन स्थल सिरमटोली सरना स्थल है। यह आदिवासी समाज के लिए गहरा धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। यहां सभी धर्मों और समुदायों के लोग मां सरना और सिंगबोंगा का आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। इस मौके पर महासचिव महादेव टोप्पो, चडरी सरना समिति के प्रधान महासचिव सुरेंद्र लिंडा, झारखंड आंदोलनकारी कुमोद कुमार वर्मा, संकुतला टोप्पो, सुमन लिंडा समेत अन्य मौजूद थे।

श्री चैती दुर्गा पूजा-भुताहा तालाब पूजा पंडाल का उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महासप्तमी में तिथि अनुसार बेलवरण पूजा एवं नव पत्रिका प्रवेश के साथ श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा भव्य पूजा पंडाल का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सयुंक्त रूप से अध्यक्ष शंकर दुबे व अन्य सदस्यों ने किया । इस मौके पर किशोर साहू, रमेश सिंह, उदय साहू, राजकुमार गुप्ता अध्यक्ष शंकर दुबे ,गोपाल पारीक मौजूद थे।
यह जानकारी महासमिति के प्रवक्ता नमन भारतीय ने दिया।

डोरंडा में महासप्तमी का हुआ विशेष अनुष्ठान

रांची। डोरंडा श्री चैती दुर्गा पूजा समिति की ओर से मां भवानी की पूजा के क्रम में शुक्रवार को सप्तमी की पूजा पूरे विधि विधान के साथ की गयी। पुरोहित अजीत पाठक के सान्निध्य में यजमान देवाशीष दत्ता व तान्या दत्ता ने सप्तमी की पूजा की। मौके पर बड़ी संख्या में माता भक्त उपस्थित हुये। माता की नयनाभिराम प्रतिमा का दर्शन कर श्रद्धा के शीश झुकाकर मंगल आशीष की कामना की। पूजा के क्रम में नवपत्रिका प्रवेश, बेदि पूजन, मुर्ति प्राण प्रतिष्ठा, महास्नान, आरती, पुष्पांजलि और प्रसाद वितरण किया गया। संध्या सात बजे से माता की महाआरती की गयी। संध्या आरती के बाद माता दरबार में संगीतमय भजनों की प्रस्तुति की गयी। देर रात तक माता भक्तों ने भजनों का आनंद उठाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रकाश वर्मा, राकेश पाल, महेश विजय, मुकेश गुप्ता, अरुण गुप्ता, राजकुमार पाल, हिमांशु शेखर दास, विनय गुप्ता, गणेश प्रसाद, सरदार कुलवंत सिंह, अरुण सिंह, दीपक राम, सरदार नरेंद्र पाल सिंह, योगेश्वर दूबे आदि का योगदान रहा। यह जानकारी समिति के संस्थापक सदस्य मनोज वर्मा ने दी।

भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर परिवार की कुशलता की प्रार्थना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शुक्रवार की सुबह छठ व्रतियों के उगते सूर्य भगवान को अर्घ्य देने के साथ ही समापन हो गया। इसके बाद सभी छठ व्रतियों ने व्रत का पारण किया। मान्यता है कि सूर्योदय के समय अर्घ्य देने से सुख-समृद्धि, सौभाग्य, संतान प्राप्ति की मनोकामना और संतान की रक्षा का वरदान मिलता है। व्रतियों ने सुबह 05 बजकर 37 मिनट पर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया और धन, धान्य और आरोग्य की कामना की।

महारामनवमी व चैती दुर्गा पूजा के लिए विशेष सफाई अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम ने आगामी महारामनवमी और चैती दुर्गा पूजा के सफल एवं स्वच्छ आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए शुक्रवार को विशेष सफाई अभियान और अन्य तैयारियों की शुरूआत कर दी है। त्योहारों के मद्देनजर शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने की दिशा में निगम ने कमर कस ली है। वहीं नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह ने आज निगम अधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। इस निरीक्षण का उद्देश्य त्योहारों से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाओं की स्थिति की समीक्षा करना था।

महावीर चौक, तपोवन मंदिर व पूजा पंडाल का दौरा : संदीप सिंह ने प्रमुख रूप से श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा आयोजित पूजा पंडाल, महावीर चौक (अपर बाजार) और तपोवन मंदिर का भ्रमण किया। उन्होंने इन स्थलों की साफ-सफाई, सड़कों की स्थिति, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा पहलुओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रशासक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में कोई कोताही न बरती जाए। साथ ही, श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जल निकासी, बिजली व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने को कहा। इस क्षेत्रीय निरीक्षण में नगर निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक निहारिका तिर्की, नगर प्रबंधक, जोनल सुपरवाइजर, वॉर्ड सुपरवाइजर सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पिस्का मोड़ सत्यारी सरना स्थल में हुई सरहुल पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पिस्का मोड़ सत्यारी सरना स्थल में शुक्रवार को सरहुल पूजा किया गया। इस दौरान पारंपरिक रीति रिवाज से हेसल के पहान सोमरा मुंडा , जोगेंद्र मुण्डा , भुनू मुंडा, सोहराई मुंडा ने पूजा अर्चना की। सभी ने गले मिलकर एक - दुसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और सरहुल का फूल कान में खोसकर एक दुसरे को बधाई दी। केन्द्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि सरहुल हमे नया काम करने की ऊर्जा देती है, प्राकृति से छेड़छाड़ ही नई आपदा को जन्म देती है।

श्रीराम भक्तों के बीच महावीर पताका का किया गया वितरण

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। केंद्रीय युवा महावीर मंडल की बैठक शुक्रवार को अध्यक्ष नंद किशोर सिंह चंदेल के नेतृत्व में हुई। इस मौके पर श्रीराम भक्तों के बीच महावीर पताका का वितरण किया गया। अध्यक्ष ने बताया कि संध्या 6 बजे पंडाल लोकार्पण के पूर्व भव्य हनुमान चालीसा का पाठ एवम महाआरती 101 दिया प्रज्वलित कर किया जाएगा। शंखनाथ के ध्वनि के साथ पंडाल का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, अतिथियों और केंद्रीय युवा महावीर मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्यों के द्वारा किया जाएगा। इस मौके पर लखन कुमार, प्रेम प्रतीक केसरी, मोहन गोस्वामी, शीला उरांव, सुनीता, सुधीर यादव, छोटे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस वर्ल्ड हेल्थ डे में बढ़ाएं अपनी संपूर्ण सेहत

रांची। इस वर्ल्ड हेल्थ डे में बढ़ाएं अपनी संपूर्ण सेहत ये बातें शुक्रवार को मैक्स हेल्थकेयर की रीजनल हेड डाइटीटिक्स ऋतिका समद्दार ने कहीं। उन्होंने कहा किभारत में खराब खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली की वजह से मोटापा, हृदय रोग और डायबिटीज बढ़ रही हैं। ऐसे में समग्र स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना और छोटे लेकिन समझदारी भरे फैसले लेना जरूरी है, जैसे बादाम, फल और सब्जियाँ अपनी डाइट में शामिल करना। बादाम खासकर दिल की सेहत के लिए लाभकारी हैं, ये कोलेस्ट्रॉल को कम करने और सूजन घटाने में मदद कर सकते हैं।

अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का आयोजन, 25 अखाड़ों ने लिया भाग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री श्री माँ काली मंदिर एवं शिव मंदिर ट्रस्ट साउथ रेलवे कॉलोनी के तत्वावधान में शुक्रवार को अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 25 अखाड़ों ने भाग लिया। जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सी.पी. सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संरक्षक रोशन सिंह, अध्यक्ष राम कुमार सिंह, सचिव उज्जवल आनंद, कोषाध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता कृष्णा सहाय संजीव महतो सहित ट्रस्ट के सभी सदस्यगण मौजूद रहे।

दहेज लेना व देना कानूनन अपराध : राजेश कुमार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अनगड़ा प्रखंड के जोन्हा पंचायत के जोन्हा गांव में डालसा के द्वारा शुक्रवार को डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी डिपुटी चीफ राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि दहेज लेना व देना कानुनन अपराध है। उन्होंने बाल विवाह के रोकथाम के विषय पर बताया एवं बाल विवाह अधिनियम-2006 कानून की जानकारी भी लोगों को दी। साथ ही मोटर वाहन दुर्घटना में प्राप्त होनेवाले मुआवजा की जानकारी दी।
उन्होंने कहा कि पीड़ित या पीड़िता मुआवजा के लिए डालसा कार्यालय में आवेदन दे सकते है। इस मौके पर पीएलवी बेबी सिन्हा, मालती कुमारी, शीला देवी, मीना कुमारी श्रीवास्तवा एवं राजा वर्मा उपस्थित थे।

झारखंड मैथिली मंच ने एसआर डीएवी की छात्राओं को किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखण्ड मैथिली मंच रांची के तत्वावधान में पिछले सप्ताह आयोजित समारोह में एसआर डीएवी पुंदाग की छात्राओं द्वारा गणेश बंदना एवं भाव नृत्य मनमोहक एवं आकर्षक प्रस्तुति से प्रभावित होकर बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए 4 अप्रैल शुक्रवार पूर्वा? 11 बजे झारखण्ड मैथिली मंच के कार्यकारिणी सदस्यों ने एसआर डीएवी पुंदाग विद्यालय जाकर संबंधित सभी छात्राओं एवं उनके निर्देशक व शिक्षिकाओं को आकर्षक मोमेंटो एवं प्रमाण-पत्र समर्पित कर सम्मानित किया। सम्मान पाकर बच्चियां काफी प्रसन्न एवं उत्साहित हुईं। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य संजीत कुमार मिश्र एवं सहयोगी शिक्षक आह्लादित हुए और इस कदम की सराहना की। बच्चों ने उत्साहित होकर भविष्य में और तैयारी के साथ नृत्य आदि अनेक विधा में आकर्षक प्रस्तुति करने की इच्छा जताई। इस अवसर पर झारखण्ड मैथिली मंच के उपाध्यक्ष नन्द किशोर महतो, महासचिव जयन्त कुमार झा, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र, ब्रज किशोर झा, मोहन झा पड़ोसी, ब्रज कुमार झा, नरेश झा, रंधीर झा उपस्थित थे। सम्मान पाने वालों में उत्कृष्ट निर्देशन के लिए सुश्री हिमांशी झा, शिल्पा सिंह, हिमा जैन, आशा ममता कुजूर एवं छात्राओं में आयुषी द्विवेदी, प्रतीक्षा कुमारी, वंशिका सिंह, अंजलि कुमारी, श्रुति मिश्र, पलक कुमारी, रूपसा रॉय वर्धन, दीपिका सिंह, पलक कुमारी, एंजेल कुमारी, अनुश्री कुमारी, कोमल कुमारी, अनीशा कुमारी, अलका कुमारी, स्वस्ति साहु, अभिलाषा मिश्र, रक्षिता सिन्हा, पाखी क्षेत्री, अराध्या राज, रिद्धि यादव, अराध्या क्रीति, काव्या सिंह एवं नव्या तिवारी थी। अंत में प्राचार्य ने झारखण्ड मैथिली मंच के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया।

ऐतिहासिक शोभायात्रा का होगा आयोजन सीएम हेमंत सपरिवार होंगे शामिल : आलोक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में इस वर्ष रामनवमी महोत्सव ऐतिहासिक होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं सपरिवार शोभायात्रा में शामिल होंगे। उन्होंने निर्देश दिया है कि यह पर्व उसी उत्साह, एकता और श्रद्धा के साथ मनाया जाए जैसे झारखंड में सरहुल,ईद,दुर्गा पूजा और क्रिसमस मनाए गये हैं। महावीर मंडल के आलोक कुमार दूबे ने बताया कि शोभायात्रा का मुख्य केंद्र तपोवन मंदिर रहेगा, जहां सभी महावीर झंडे पारंपरिक मार्गों से पहुंचेंगे। झंडों की पूजा-अर्चना के बाद वे पुनः अपने-अपने स्थानों पर लौटेंगे। राजधानी के हर मोहल्ले में महावीर झंडा लहराया जा रहा है, अखाड़ों में साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, अस्त्र-शस्त्र, हनुमान पताका और मंदिरों की सजावट पूरी कर ली गई है। उपायुक्त मंजू नाथ भजंत्री,महावीर मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव, सचिव सुभाष कुमार साहू, कार्यकारिणी सदस्य आलोक कुमार दूबे, अशोक यादव, प्रमोद सारस्वत, सुनील वर्मा, रितेश कुमार, राजू प्रसाद, मेहुल दुबे, गौतम दुबे आदि ने तपोवन मंदिर परिसर का निरीक्षण कर विधि-व्यवस्था और श्रद्धालुओं के स्वागत की तैयारियों का जायजा लिया। महिला श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

बेड़ो में अस्त्र शस्त्र चालन प्रतियोगिता का आयोजन, राम भक्तों ने निकाली झांकी

खबर मन्त्र संवाददाता

अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का उद्घाटन करते।

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार की रात्रि में महादानी मैदान में रामनवमी पूजा महासमिति के तत्वावधान में बेड़ो व अन्य प्रखंड के विभिन्न गांवों से आये अखाड़ेधारियों के बीच अस्त्र शस्त्र चालन व झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान व सीओ प्रताप मिंज ने लाठी भांजकर किया। बजरंग बली के जय घोषों के बीच प्रतियोगिता में कई अखाड़ों के खिलाड़ियों ने अस्त्र शस्त्र चालन में भाग लिया। जिसमें श्रद्धालुओं का हुजूम परंपरागत अस्त्र-शस्त्रों एवं गाजे-बाजे के साथ जय श्रीराम के नारे लगाते हुए पहुंचा। इधर झांकी में राम, सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान के वेशभूषा में शामिल होकर श्रद्धालु माहौल को राममय बना दिया। वहीं ढोल और ताशे की धुन पर अखाड़ा के साथ शामिल खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक कई हैरत अंगेज खेल का प्रदर्शन कर सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मौके पर हिंदू जागरण मंच के प्रदेश महामंत्री वाणी कुमार राय, राकेश भगत, धनंजय कुमार राय,महावीर गोप आदि मौजूद थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में,जगरनाथ भगत, विश्वनाथ गोप मुकेश कुमार राय, शशि गोप, वशिष्ठ गिरी,भीखा उरांव, वासुदेव महतो, उमेश महतो, कृष्णा गोप, सुजीत भगत, परना महतो, जितेंद्र पाठक, नवदीप महतो, भवानी शरण सिंह, सुरेन्द्र महतो,राजू सिंह,दशरथ गोप व रवि सिंह दीपक गोप समेत दर्जनों लोग लगे हुए है। वहीं प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टीमों को रामनवमी के दिन पुरस्कृत किया जाएगा। इधर रामनवमी महापर्व को ले प्रखंड मुख्यालय से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। अखाड़ों द्वारा जुलूस निकालने की उमंग और उत्साह परवान चढ़ चुका है। पूरा प्रखंड मुख्यालय हनुमानी पताका और भगवा झंडा से पट चुका है। गुरुवार को रामनवमी की शोभा यात्रा का विशेष आकर्षण विशाल बजरंगबली की झंडा का शोभायात्रा, झंडा मिलन, झांकियां और अखाड़ों से शामिल ढोल व ताशों की टोलियां होंगी। साथ ही महादानी मंदिर मैदान में रामनवमी मेला का आयोजन किया जायेगा।

अबुआ आवास योजना ओर मंईयां योजना में सम्मिलित नहीं करने पर वार्ड सदस्य देंगे इस्तीफा

बीडीओ को ज्ञापन देते वार्ड सदस्य।

सोनाहातू। प्रखंड तेलवाडीह पंचायत से सभी 9 वार्ड सदस्य शुक्रवार को बीडीओ खगेश कुमार को ज्ञापन देकर अबुआ आवास योजना ओर मंइया योजना में सम्मिलित करने की मांग किया है। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया है कि वार्ड सदस्य लाभ का पद नहीं है और न ही सरकार के द्वारा मानदेय मिलती है। ऐसी स्थिति में योजना का लाभ दिया। प्रशासन के द्वारा इस विषय पर पहल नहीं करने पर सभी वार्ड सदस्य सामूहिक रूप में इस्तीफा देंगे। बीडीओ ने आश्वस्त किया है कि वरीय अधिकारी से इस बिंदु पर चर्चा कर समाधान निकाला जायेगा।

विश्व हिन्दु परिषद् सह बजरंग दल शोभायात्रा आज

खलारी। विश्व हिन्दु परिषद् सह बजरंग दल के द्वारा रामनवमी के शुभ अवसर पर दिन शनिवार को खलारी पहाड़ी मंदिर प्रांगण से प्रात: 10 बजे भव्य मोटरसाइकिल शोभा यात्रा निकाली जाएगी। रामनवमी भव्य शोभा यात्रा को सफल बनाने में खलारी प्रखंड के राम भक्तों से अपील किया गया। उक्त जानकारी युवा हिन्दू नेता प्रताप यादव ने दी।

Office of the
Deputy Commissioner-cum-District Magistrate, Ramgarh
(Office of District Skill Office, Ramgarh)

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग जिला कौशल कार्यालय–जिला नियोजनालय, रामगढ़ के द्वारा कुल 180 युवक/युवतियों का 12 माह के लिए अमीन प्रशिक्षण हेतु विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए थे। प्राप्त आवेदन में से योग्य अभ्यर्थीयों का प्रवेश पत्र दिनांक 15/04/2025 को रामगढ़ के Website- https://ramgarh.nic.in/ में Upload किया जाएगा एवं परीक्षा दिनांक 20/04/2025 को होगा।

अतः सभी आवेदको को सलाह दी जाती है कि उपरोक्त दिनांक को आवेदन पत्र Website- https://ramgarh.nic.in/ से Upload कर ससमय परीक्षा में शामिल हो।

ह०/– जिला कौशल पदाधिकारी, रामगढ़। | ह०/– उप विकास आयुक्त, रामगढ़। | ह०/– उपायुक्त, रामगढ़।

PR.NO.349686 Labour Employment and Traning(25-26):D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
MINOR IRRIGATION DIVISION, KODERMA
e-Procurement Tender Notice

Tender Reference No: - SPUF/MID/KODERMA/F2-01/2025-26 Letter no: - 208Date: - 04.04.2025

Details of Works:-

SL. No.	Name of Block	Scheme Name	Estimated Cost (In Lakh)	Time of Completion
1.	Domchanch	Construction of P.C.C Main Road and Guard Wall at Vill -Gharwarlyabar, G.P. Behradih, Under Domchanch Block	36.182	03 Months

1.	Date of Publication of e-Tender on Website	12.04.2025 at 3:00 P.M
2.	Last date/Time for Submission of e-Tender bids Online	24.04.2025 up to 5:00 P.M
3.	Last Date for Onlin-e Submission of Tender Fee and EMD	24.04.2025 up to 5:00 P.M
4.	Date of opening of e-Tender	26.04.2025 at 3:00 P.M
5.	Name & address of office inviting tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Koderma
6.	Contact no. of e-Procurement officer	9939193214
7.	E-mail of e-Procurement office	eemidkod-eemr-jhr@nic.in

Note: -1) Only e-Tender will be accepted.
2) Published Estimated Cost May be Increased or Decreased.
3) Mode of Submission of Online Tender/Tender Fee/EMD Through http://jharkhandtenders.gov.in

PR 349703 Minor Irrigation(25-26)D

Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Koderma

कार्यालय, दक्षिणी छोटानागपुर प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार, राँची।

–: आम सूचना: –

पत्रांक.................. राँची/दिनांक...............

एतद् द्वारा सभी व्यवसायिक वाहन स्वामियों को सूचित करना है, कि अंकेक्षण दल द्वारा आपके राष्ट्रीय प्राधिकरण परमिट के समाप्ति के उपरान्त अभी तक नवीकरण नहीं कराए जाने पर आपत्ति की गई है, जिसकी सूची निम्नवत है–

S.NO	VEHICLE NO	DUE AMOUNT	VALIDITY
1	JH05T-9716	20500	2008-2013
2	JH05V-5701	20500	2008-2013
3	JH05V-5702	20500	2008-2013
4	JH05V-1673	15500	2008-2013
5	JH05V-4566	15500	2008-2013
6	JH01D-5404	15500	2008-2013
7	JH05S-6959	25500	2008-2013
8	HR38G-2187	35500	2008-2013
9	CG04S-8915	15500	2008-2013
10	JH01V-6988	30500	2008-2013
11	JH05V-6119	20500	2008-2013
12	JH05V-7916	25500	2008-2013
13	BR16G-8661	20500	2008-2013
14	JH01B-0575	20500	2008-2013
15	JH01W-1192	25500	2008-2013
16	JH01E-9102	10500	2008-2013
17	JH01W-2511	15500	2008-2013
18	JH01W-7208	20500	2008-2013

अतः उपरोक्त सभी वाहनों स्वामियों को अपने वाहनों का परमिट अवधि समाप्ति के उपरांत परिचालित कर रहे है ,वो अपना राष्ट्रीय प्राधिकरण परमिट का नवीकरण सूचना प्रकाशन की तिथि से सात दिनों के अन्दर करा लेंगे। अन्यथा बिना परमिट वाहन परिचालित होते हुए पाए जाने पर उनके विरुद्ध मोटरवाहन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जायेगी।

उप परिवहन आयुक्त–सह–सचिव, द०छो०प्रा०परि०प्राधिकार, राँची।

PR 349715 (Transport) 25-26 (D)

समाजवादी पार्टी चलायेगी सदस्यता अभियान

- प्रदेश कमेटी का विस्तार
- हर वर्ग को प्रतिनिधित्व

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। समाजवादी पार्टी, प्रदेश इकाई की बैठक सिमलिया स्थित कार्यालय में हुयी। अध्यक्ष केश्वर यादव उर्फ रंजन यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान कमेटी का विस्तार कर हर वर्ग को प्रतिनिधित्व दिया गया। शाहिद आलम प्रदेश सचिव सह मिडीया प्रभारी व आरती देवी सचिव बनाये गये। जबकि, रामप्रसाद गोप को रांची जिला अध्यक्ष मनोनित किया गया। वहीं, पार्टी के युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष ने सिद्दीक अंसारी को रांची का अध्यक्ष मनोनित किया। सभी पदधारियों की ताजपोशी की गयी। इसके उपरांत, प्रस्ताव पारित कर राज्य में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया और वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक की तीव्र आलोचना की गयी। संचालन मीडिया प्रभारी शाहिद आलम ने किया।

बैठक में लिया हिस्सा

प्रमुख महासचिव मुस्तफा अंसारी, सचिव आरती देवी, मुस्लिम फैजी, प्रकाश महतो, युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष एके श्रीवास्तव, अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मो अबरार, जिला अध्यक्ष रामप्रसाद गोप, युवजन सभा के जिला अध्यक्ष सिद्दीक अंसारी, शांति कुजूर, एजाजुल अंसारी, रेखा साहु, विद्यासागर गोप, तौसिफ रजा, नरेंद्र यादव, जुल्फान अंसारी, जेयाउल हक, एहसान अर्श, उजैर अंसारी, तौफिक आलम, संजय मांझी, परवेज आलम व मो इम्तियाज आदि।

खबर एक नजर में

पत्नी ने अपने पति पर लगाया प्रताड़ित का आरोप

मुरी। बुधवार की रात्रि में बिरदीडीह (सोनाहातु) निवासी साधु महतो और उसकी पत्नी का किसी बात को लेकर आपस में विवाद हो गया जिस महिला रेल थाना मुरी पहुंची। थाने में ड्यूटी में तैनात ओडी पदाधिकारी और अन्य कर्मचारी ने महिला की बातों को सहानुभूति पूर्वक सुनते हुए उसे समझाया तथा उसके पति साधु महतो को भविष्य में दोबारा ऐसी गलती नहीं करने का हिदायत दिया। साधु महतो ने भी भविष्य में पुनरावृति नहीं करने की बातें कहीं। वही आरक्षी रंजन सिंह नशे की हालत में थाना पहुंचे और महिला को डांट फटकार करने लगे महिला पर जबरन केस करने का दवाव बनाने लगे इसके पूर्व में भी रंजन सिंह के द्वारा लोगों के बीच व्यवहार गलत रहा है हमेशा नशे में रहने के वजूद लोगों को गाली–गलौज करना जिससे पुलिस की छवि खराब हो रही हैं। इधर इस संबंध में थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले को लेकर महिला तथा उसके पति के द्वारा मुझे कोई फोन नहीं किया गया। चूंकि मामला मेरे थाना क्षेत्र का नहीं था सोनहातू थाना क्षेत्र का था इसके बावजूद भी हम लोगों ने महिला की काफी मदद की और मामले को थाना में तैनात ओडी पदाधिकारी देख रहे थे। मामला के दरमियान मेरी तबीयत ठीक नहीं थी मैं दवा खाकर आराम कर रहा था।

वक्फ संशोधन विधेयक 2025 ये दोनों सदनों से पारित होने पर किया विरोध

तनवीर आलम।

खलारी। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 ये दोनों सदनों से पारित होने पर खलारी सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष तनवीर आलम कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल देश के मुस्लिम समुदाय के साथ धोका है। केंद्र सरकार सेकुलरिज्म का चोला ओढ़कर साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देने वाली भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर नीतीश कुमार, चन्द्रा बाबू नयाडु, जयंत चौधरी, चिराग पासवान,जितन राम माझी ने सिर्फ धोका फरेब किया है। धोखा फरेब करने वाले राजनीतिक पार्टियों को पहचान कर अल्पसंख्यक समुदाय कभी नहीं भुला सकता है समय आने पर इन बहरुपिए को जबाब देगी। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल के बहाने प्रधानमंत्री अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए आये दिन एक समुदाय विशेष को टारगेट करते रहते है। समय आ गया है ऐसे गेर सांविधानिक कार्य की हर स्तर पर पुरजोर विरोध होना चाहिए, ताकि देश की संविधान को सुरक्षित किया जा सके।

सुर्य को अर्घ्य देने के साथ चैती छठ संपन्न

खलारी। उदयागामी सुर्य को अर्घ्य देने के साथ ही शुक्रबार को लोक आस्था का महापर्व चैती छठ पूजा सम्पन्न हो गया। इससे पुर्व खलारी सहित आस–पास के क्षेत्रों के नदी व तलाबों में स्थित छठ घाटो पर सुबह में छठव्रतियों ने उगते सुर्य की पूजा अर्चना पुरे विधि विधान से की तथा उगते सुर्य को अर्घ्य दिया। क्षेत्र के नदी, कुंआ सहित अन्य नदी तटो, कृत्रिम कुआं एवं जलाष्यों में छठव्रतियों ने भगवान भास्कर का पूजन किया। वहीं छठव्रतियों ने पूजा व हवन तथा कथा श्रवण के बाद लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया।

दुर्गा पूजा को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा

कलश यात्रा में शामिल महिलायें।

सोनाहातू। प्रखंड के पांडुडीह में श्री चैती दुर्गा पूजा समिति महातीर्थ सतीघाट पांडुडीह में शुक्रवार को कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं व कुंवारी कन्याएं माथे पर कलश धारण कर शामिल हुई। गाजे–बाजे के साथ निकाली गई कलश यात्रा से महातीर्थ सतीघाट पांडुडीह व बारेंदा पंचायत आसपास के क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया। जयकारे के साथ कलश यात्रा त्रिवेणी संगम सतीघाट की स्वर्णरेखा नदी पहुंची। जहां पंडित अजय शुक्ला, गणेश तिवारी ने विधि–विधान के साथ कलश अनुष्ठान किया। इसके बाद महातीर्थ सतीघाट पांडुडीह में स्थापित चैती दुर्गा मंदिर में वापस आकर कलश यात्रा का समापन हुआ। चैती दुर्गा पूजा समिति के सदस्य अशोक महतो ने बताया कि पांडुडीह में चैती दुर्गा पूजा 2013 से होते आ रहा है। कलश यात्रा में सोनाहातू पूर्व उप प्रमुख अनिता देवी, सुरेश महतो, धनन्जय महतो, गोन्धुर महतो, नन्दकिशोर महतो, बिजन बिहारी महतो, लालूप्रसाद महतो, प्रदीप महतो, बिपिन महतो, हरेकृष्ण महतो, पुरंदर हजाम, बुधेश्वर महतो, सीताराम महतो समेत काफी संख्या में पुरुष एवं महिला श्रद्धालु मौजूद थे।

भगवान जगन्नाथ से समाज की सुख समृद्धि की प्रार्थना की

आजसू आजसू नेता राजू नायक ने पदम श्री महावीर नायक के साथ गुरुवार को जगन्नाथपुर मंदिर में पूजा अर्चना कर भगवान जगन्नाथ बलभद्र और सुभद्रा भगवान का दर्शन किए और भगवान से समाज की सुख समृद्धि और उन्नति के लिए प्रार्थना की। मौके पर रामकुमार नायक महावीर राम कोका नायक युवा एवं जुझार नेता पिंटू नायक अजय नायक राजेश नायक सचिन नायक किशोर नायक विराज नायक कुलेश्वर नायक सुनील नायक मंगल नायक सुरेश नायक सालू नायक किशोर कुमार नायक उपस्थित थे।

सड़क हादसे में दो युवक घायल,एक रिम्स रेफर

घायल रोहित शेखर।

घायल पवन खेरवार।

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो लोहरदगा मार्ग पर खत्री खटंगा मोड़ के समीप शुक्रवार की अपराह्न लगभग डेढ़ बजे बाइक व स्कूटी की टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में बेड़ो ईंटा चिल्द्री गांव निवासी बाइक सवार 20 वर्षीय रोहित शेखर और 22 वर्षीय पवन खेरवार का नाम शामिल है। जिन्हें स्वजनों व दोस्तों ने ग्रामीणों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉ. सनल सोनू बरवार ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर गंभीर रूप से घायल रोहित शेखर को बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

आदिवासी प्राकृतिक पूजक हैं : विधायक

खबर मन्त्र संवाददाता

बुंडू। बुंडू क्षेत्र के सुदूर गांव गिड़िबा मैदान लोवाहातु में सामूहिक सरहुल आबुअ, सरजोम बा, के तत्वाधान पर सरहुल महोत्सव का आयोजन किया गया है। जहां प्रखंड के विभिन्न गांव लोवाहतु, बारीगड़ा सारजमडीह, चुरनी, आडाडीह चुरगी, राउता, हेसाडीह, चापुदडीह, बरुबेड़ा, कासमरडीह, गयाडीह, एयोरडीह, सुकरडीह, बाडेदा, जिलुटीकर के ग्रामीणों ने ढोल नगाड़ा मांदर बांसुरी की धुन एवं पारंपरिक वेशभुषा सरहुल से आधारित गान प्रस्तुत कर जनजातीय संस्कृति एवं अद्भुत संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत कियें। इससे पूर्व सभी मौजा के पहान के नेतृत्व में सरना समुदायों ने प्राकृतिक भगवान की पूजा कर खुशवाली, भाईचारा प्रेम शांति मन्नत मांग कर अच्छी फसल होने की दुआ मांगी। तत्पश्चात प्रसाद वितरण किया गया, वहीं शोभायात्रा विभिन्न गांव निकालकर सामूहिक सरहुल गिड़िबा मैदान में संपन्न हुआ सारना समुदाय के लोग ने जमकर ढोल नगाड़े मांदर की थाप थिरके। इस मौके मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक विकास कुमार मुंडा शामिल हुए आयोजित महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा आदिवासी प्रकृति का पूजक है सरहुल पूजा हमारी संस्कृति,धर्म अस्तित्व से जुड़ी है। जगन्नाथ मुंडा ने कहा प्राकृतिक पर्व सरहुल प्राकृतिक संरक्षण का संदेश पूरे समाज को देता है आदिवासी ही एक ऐसा समाज है जो प्राकृतिक देवता की पूजा करता है। इस मौके पर जहेला टूटी, सुशीला टूटी, सागर मुंडा, राजेंद्र लोहार, देसाई मुंडा, डिम्बा मुंडा, प्रोफेसर लखिन्द्र मुंडा, बड़ाय पहान एवं हजारों लोग शामिल थे।

डालसा ने डोर टू डोर जागरूकता अभियान चलाया

अनगड़ा। माननीय झालसा के निर्देश पर माननीय न्यायायुक्त के मार्गदर्शन में अनगड़ा प्रखंड के जोन्हा पंचायत के जोन्हा गांव में डालसा के द्वारा डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी डिपुटी चीफ राजेश कुमार सिन्हां, पीएलवी बेबी सिन्हा, मालती कुमारी, शीला देवी, मीना कुमारी श्रीवास्तवा एवं राजा वर्मा उपस्थित थे। एलएडीसी डिपुटी चीफ राजेश कुमार सिन्हा ने बच्चों से संबंधित कानूनों जैसे जेजे एक्ट, पोक्सो एक्ट इत्यादि की जानकारी दी। नशा उन्मूलन पर फोकस किये और कहा कि नशा न करें, नशा से धन और स्वस्थ दोनों पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने बाल विवाह के रोकथाम के विषय पर बताया एवं बाल विवाह अधिनियम-2006 कानून की जानकारी लोगों को दी। श्री सिन्हा ने मोटर वाहन दुर्घटना में प्राप्त होनेवाले मुआवजा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीड़ित या पीड़िता मुआवजा के लिए डालसा कार्यालय में आवेदन दे सकते है। पीड़िता अगर महिला हो, तो केस लड़ने के लिए डालसा की ओर से निःशुल्क अधिवक्ता भी दिया जाता है। दहेज प्रथा कानून-1961 के बारे में विस्तार से बताये और कहा कि दहेज लेना और देना कानूनन अपराध है, इसमें सजा भी होती है। एमएसीटी एक्ट-1988 के बारे में जानकारी दी गयी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची की पीएलवी बेबी सिन्हा ने प्रोजेक्ट तृप्ती के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने बाल विवाह पर फोकस की।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने भूमि पूजन किया

खबर मन्त्र संवाददाता

भूमि पूजन करते।

इटकी। इटकी के मिशन मैदान में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के द्वारा शुक्रवार को विश्व विद्यालय, हाईटेक हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज, स्कूल सहित अन्य संस्थान निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। पुरोहित श्रीनिवास के नेतृत्व में यूआरसी के चेयरमैन सी देवराजन, जीएम तमिलनादन, डिप्टी जीएम शिवकुमार, अजीम प्रेमजी के ब्रोटीन बौमिक व संजय पाल यजमान के रूप शामिल हुए। इससे पूर्व पूजा अनुष्ठान का शुभआरंभ इटकी सीओ मो अनीस द्वारा किया गया। एडमिनिस्ट्रेशन मैनेजर नागराजन एन ने बताया कि ब्लॉक ए में स्कूल, यूनिवर्सिटी और फैकल्टी रेसीडेंस, ब्लॉक बी में स्टेडियम और बच्चों का रेसीडेंस वहीं ब्लॉक सी में 1270 बेड का हाईटेक हॉस्पिटल व मेडिकल कॉलेज बनेगा। जिसकी कार्य आज से शुरू की जा रही है। ज्ञात हो कि फाउंडेशन को झारखंड सरकार द्वारा 99 वर्षों के लिए स्वास्थ विभाग की 150 एकड़ भूमि 75% रियायत दर पर उपलब्ध कराया गया है। मौके पर थाना प्रभारी मनीष कुमार, मुस्ताक अहमद, बिनोद सिन्हा, अली हसन, देवेंद्र महतो, अफसर इमाम, अंजुम जमाल, साकेत सिंह, जिशान अफसर, रईस मलिक सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

कार्यालय, दक्षिणी छोटानागपुर प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार,रांची।

पत्रांक.............................. राँची/दिनांक–....................................

–: आम सूचना :–

Carriage By Road Act 2007 के तहत विभिन्न Transporter / Company द्वारा अभी तक निबंधन नहीं कराने के संबंध में।

संबंधित सभी Transporter/ Company को Carriage By Road Act 2007 के तहत निबंधन कराने हेतु इस कार्यालय द्वारा समय समय पर नोटिस निर्गत किया जाता रहा है इससे संबंधित प्रकाशन दिनांक 19.07.2024 को भी दैनिक समाचार पत्रों में हुआ था, परंतु आप लोगों के द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

अतः आपको पुनः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि सूचना प्रकाशन कि तिथि से 7 दिनों के अंदर अपनी Transporter / Company का निबंधन कराना सुनिश्चित करें अन्यथा बाध्य होकर विधिसम्वत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कंपनी की सूची निम्नांकित है–

Sr. No.	Company Name	Address
1	M/S SAI TRADE & PACKAGING CO	CIRCULAR ROAD ,RANCHI
2	M/S SALASAR PACKAGING INDUSTRIES	KATHAL MORE ,RANCHI
3	M/S G.E CAPITAL TRANSPORTATION FINANCIAL SERVICES	KANKE ROAD RANCHI
4	M/S J.V INFRASTRUCTURE & ROADWAYS	CIRCULAR ROAD ,RANCHI
5	M/S TRIUPATI PACKAGING	LALGUTWA ,RANCHI
6	M/S PEE BEE ROADWAYS	RATU ROAD ,RANCHI
7	M/WS PRIME MOVER	KANKE ,RANCHI
8	M/S FIROTECH REFACTORIES	KHELARI ,RANCHI
9	M/S NET PHARMA	RANCHI
10	M/S ZYIYS INFRALOGISTICS	BOOTY ROAD ,RANCHI
11	M/S ARC MOVERS & MINERALS PVT LTD	ORMANJHI ,RANCHI
12	M/S RANCHI PACKAGING ENTERPRISES	HB ROAD ,RANCHI
13	M/S BHARAT GEARS LIMITED	NORTH MARKET ,RANCHI
14	M/S JAI MA KALI TRASNPORT &SUPPLIER	RATU ROAD ,RANCHI
15	M/S KHEMKA LOGISTICS	UPPER BAZAR ,RANCHI
16	M/S DASHNESH ROAD CARRIER	ITKI ROAD ,RANCHI
17	M/S SHASHANK TRADERS	HARMU ROAD, RANCHI
18	M/S MAA SHARDA TRANSPORT & SUPPLIER	RATU ROAD, RANCHI
19	M/S LOVELY TRANSPORT CO.	RATU ROAD ,RANCHI
20	M/S CHANAMI TRANSPORT	UPPER BAZAR ,RANCHI
21	INDICON ENTERPRISES LIMITED	NAMKUM ,RANCHI
22	M/S VISHAL PACKERS PRIVATE LIMITED	ASHOK NAGAR ,RANCHI
23	M/S SHREE DURGA PACKAGING	SHRIDURGAPK@GMAIL.COM
24	1ST ALARM SYSYTEM	DHURWA ,RANCHI
25	M/S FND LOGISTICS PRIVATE LIMITED	ARGORA ,RANCHI
26	M/S S.M.PACKERS	KHUNTI
27	NIRMAL ANAND TRANSPORT	SAMGAR ,RANCHI
28	M/S SONU DRESSES	SONU DRESSESS1998@GMAIL.COM
29	M/S U.B AND CO.	BATI TOLI
30	M/S EMPIRICH WATCH COMPANY	MAIN ROAD ,RANCHI
31	M/ S R.K .ENTERPRISES	THARPAKHNA ,RANCHI

उप परिवहन आयुक्त–सह–सचिव, द0छो0प्रा0परि0 प्राधिकार, राँची।

PR 349722 Transport (25-26)D

गंभीर चिंता

चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है। हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति-नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष : बुद्धि व धन का दुरुपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या : अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

भारत कुमार ने राष्ट्रभक्त फिल्मों की अमिट छाप छोड़ी

लोगों के मन में भारत कुमार (मनोज कुमार) की अमिट छाप बनी रहेगी।

भारतीय फिल्मों के महान अभिनेता मनोज कुमार भी चले गये।?मनोज कुमार का निधन शुक्रवार 4अप्रैल 2025 को मुब ई के कोकिलाबेन अस्पताल में 87वर्ष की उम्र में हो गया। उनके परिजनों ने कहा कि वो लीवर सिरोसिस से जूझ रहे थे।उनके निधन पर प्रधानमंत्री सहित देश?के बड़े राजनेताओं ने दुख व्यक्त किया है और श्रद्धांजलि दी है। बौलीवूड में शोक की लहर है।

सफल अभिनेता और लेखक ,निर्देशक मनोज कुमार जिन्हें प्यार से सभी भारत कुमार कहते थे अपनी पीढ़ी के नायकों के कुछ आखिरी गिने चुने स्तंभों में एक थे।

पाकिस्तान से आया था उनका परिवार

पाकिस्तान के एबटाबाद में जन्में मनोज कुमार का वास्तविक नाम हरिकृष्ण गिरि गोस्वामी था। देश बंटवारे के समय दंगे और असुरक्षा में इनका परिवार पाकिस्तान से पलायन कर दिल्ली आ गया।तब मनोज कुमार की उम्र दस साल थी। दिल्ली आने पर इनका परिवार कुछ महिनों तक रिफ्यूजी कैंपों में रहा। बाद में दिल्ली में ही इनका परिवार बस गया और यहीं से इन्होंने बीए तक की पढ़ाई की।

लाइटमैन से बने नायक

पढ़ाई के बाद नौकरी की तलाश में मनोज कुमार मुंबई गये। ये खुद दिलीप कुमार के फैन थे।इसलिये फिल्मों में अभिनय इनकी पहली पसंद थी। इसी पसंद के कारण इन्होंने फिल्मी सेटों पर लाइट मैन तथा सामान ढोने का काम करने लगे। अक्सर इन्हें लाइट सेटअप करने के लिये हीरो की जगह खड़ा करके कैमरे में चेक किया जाता था। इसी चेकिंग के दरम्यान एक निदेशक ने कैमरे से इनकी छवि देख कर फैशन फिल्म में एक रोल दे दिया। इस किरदार को इन्होंने बखूबी निभाया उसके बाद इनका फिल्मी कैरियर चल निकला।

ऐसे पड़ा नाम ' मनोज कुमार

'नायक दिलीप कुमार का किसी फिल्म में एक किरदार था जिसका नाम मनोज कुमार दा। इसी से प्रेरित होकर हरिकृष्ण गिरि गोस्वामी ने अपना नाम मनोज कुमार रख लिया। बाद में मनोज कुमार की लोकप्रियता ऐसी हुई कि लोग अपने बच्चों का नाम भी मनोज कुमार रखने लगे।

\- मनोज शर्मा

> उपकार मनोज कुमार निर्देशित अपने समय की बेहतरीन फिल्म थी।इस फिल्म में उन्होंने खलनायक प्राण की छवि ही बदल दी थी। अफसोस की इस फिल्म को देखने से पहले ही लालबहादुर शास्त्री जी का निधन हो गया। इस फिल्म में मनोज कुमार के किरदार का नाम भारत था।इसी के बाद मनोज कुमार को भारत कुमार नाम से लोग पुकारने लगे।उपकार फिल्म

चाकलेटी हीरो से बने भारत कुमार

अपने फिल्मी सफर के शुरूआती दौर में मनोज कुमार एक खुबसूरत लंबे चौड़े कद काठी के चॉकलेटी हीरो के तौर पर दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुये। कांच की गुड़िया, पत्थर के सनम, दो बदन ,वो कौन थी जैसी फिल्मों में मनोज कुमार ने बेहतरीन छाप छोड़ी। बाद में इन्होंने शोर, शहीद उपकार, रोटी कपड़ा और मकान, पूरब और पश्चिम जैसी फिल्में की। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर इन्होंने 'उपकार' फिल्म बनाई जो जय जवान जय किसान पर आधारित थी। उपकार मनोज कुमार निर्देशित अपने समय की बेहतरीन फिल्म थी।इस फिल्म में उन्होंने खलनायक प्राण की छवि ही बदल दी थी। अफसोस की इस फिल्म को देखने से पहले ही लालबहादुर शास्त्री जी का निधन हो गया। इस फिल्म में मनोज कुमार के किरदार का नाम भारत था।इसी के बाद मनोज कुमार को भारत कुमार नाम से लोग पुकारने लगे।उपकार फिल्म ने चार फिल्म फेयर पुरस्कार जीते थे और इसका गाना 'मेरे देश की धरती सोना उगले ,उगले हीरे मोती 'बहुत लोकप्रिय हुआ था। देशभक्ति आधारित फिल्में इनकी पहचान बन गयीं। बाद में इन्होंने मल्टीस्टारर एक बहुत ही सफल फिल्म क्रांति बनाई जिसमें अपने प्रिय अभिनेता दिलीप कुमार को भी डायरेक्ट किया। क्रांति बौलीवूड की कुछ सफलतम फिल्मों में से एक है।

अस्सी के दशक में इन्होंने बदलते दौर में भी कुछ फिल्में बनायी जैसे पेंटर बाबू, संतोष, कलयुग और रामायण लेकिन ये सभी फिल्में उम्मीदों पर खड़ी नहीं उतरीं।

बाद में इन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों पर एक सीरियल ₹कहां गये वो लोग₹ प्रस्तुत किया जिसमें अनाम से शहीदों का संघर्ष और जीवनी दिखायी जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया।

मनोज कुमार के बारे में कहा जाता है कि वो अपनी फिल्मों में नायिका को छूते नहीं थे और हमेशा ही एक संजीदा नायक किरदार को निभाया। अच्छा संगीत इनकी फिल्मों में सदैव होता था। 1992 में इन्हें पद्मश्री सम्मान से तथा 2016 में भारतीय फिल्मों के सर्वोच्च सम्मान दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बाद में इन्होंने राजनीति में भी पदार्पण किया और भाजपा में रहे ।

मनोज कुमार के चाहने वालों की संख्या बहुत है। आज भी लोग उन पर फिल्माते गाने ' बस यही अपराध मैं हर बार करता हूं, आदमी हूं आदमी से प्यार करता हूं' गुनगुनाते हैं। उनके जाने के बाद भी लोगों के मन में भारत कुमार की अमिट छाप बनी रहेगी। राष्ट्रभक्ति फिल्मों के जनक को विनम्र श्रद्धांजलि।

(पत्रकारिता विभाग रांची विवि रांची)

लेटर टू एडिटर

शिक्षा का अर्थ

शिक्षा का अर्थ केवल एक निश्चित पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों तक पहुंचाना नहीं होता, बल्कि नैतिकता का पाठ भी पढ़ाना होता है। भारतीय शिक्षा पद्धति का आधार नैतिक चरित्र ही रहा है। ज्ञान में किया गया निवेश सर्वश्रेष्ठ होता है। शिक्षा व्यक्ति में निहित प्रतिभा को निखारती है। शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं, बल्कि स्वयं ही जीवन है।

-अनूप कुमार, रांची

किसानों की नाराजगी

भारतीय किसान यूनियन और पंजाब सरकार के बीच टकराव का उल्लेख है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान किसानों की मांगों के प्रति सहानुभूति रखते हुए भी भारतीय किसान यूनियन की बैठक छोड़कर चले गए। इसके बाद किसान यूनियन ने आंदोलन का ऐलान किया, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हुई। पंजाब सरकार को हड़ताली कर्मचारियों की समस्याओं को सहानुभूति से हल करना चाहिए। **- रवि, रांची**

X ट्वीट

दिग्गज अभिनेता एवं फिल्म निमार्ता मनोज कुमार जी के निधन से बहुत दुखी हूं। वह भारतीय सिनेमा के आदर्श थे।

-नरेन्द्र मोदी पीएम

भारत का रहने वाला हूं...

मनोज कुमार जी एक बहुमुखी अभिनेता थे, जिन्हें हमेशा देशभक्ति से भरपूर फिल्में बनाने के लिए याद किया जाएगा. ह्यभारत कुमार' के नाम से मशहूर, ह्यउपकार', ह्यपूरब और पश्चिम' जैसी फिल्मों में उनके अविस्मरणीय अभिनय ने हमारी संस्कृति को समृद्ध किया है और उन्हें पीढ़ियों से लोगों का प्रिय बनाया है. उनकी सिनेमाई विरासत उनके कामों के जरिए जिंदा रहेगी। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं. ओम शांति।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

जीवन का मतलब तो आना और जाना है...

जीवीसी शास्त्री

भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं... अपने 'भारत कुमार' को यूं याद कर रहा जमाना देशभक्ति वाली फिल्में ,मतलब मनोज कुमार. 15 अगस्त और 26 जनवरी पर बजने वाले देशभक्ति गीतों को याद करेंगे तो ज्यादातर में मनोज कुमार मिलेंगे। बॉलिवुड में वह 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर हो गए। चेहरे पर हाथ फेरती उनकी अदा की दीवानी एक पूरी पीढ़ी रही। शुक्रवार सुबह मनोज कुमार हमेशा के लिए खामोश हो गए. बॉलिवुड सदमे हैं और उनके चाहने वाले उनके गीतों को गुनगुना रहे हैं. जानिए मनोज कुमार को किस तरह याद कर रहा है जमाना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मशहूर अभिनेता एवं फिल्म निमार्ता मनोज कुमार को शुक्रवार को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें भारतीय सिनेमा का आदर्श बताया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर लिखा, दिग्गज अभिनेता एवं फिल्म निमार्ता मनोज कुमार जी के निधन से बहुत दुखी हूं। वह भारतीय सिनेमा के आदर्श थे जिन्हें देशभक्ति की उनकी भावना के लिए विशेष रूप से याद किया जाता था और यह उनकी फिल्मों में भी झलकता था। '

' पीएम मोदी ने कहा कि कुमार की फिल्मों ने राष्ट्रीय गौरव की भावना को जगाया और ये पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित कुमार का शुक्रवार तड़के मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। उन्हें शहीद', उपकार' एवं पूरब और पश्चिम' जैसी देशभक्ति की लोकप्रिय फिल्मों के लिए भारत कुमार' के नाम से भी जाना जाता था।

मनोज कुमार ने शहीद के लिए अपनी राष्ट्रीय पुरस्कार राशि भगत सिंह के परिवार को दान कर दी

अभिनेता मनोज कुमार ने अपनी पूरी पुरस्कार राशि भगत सिंह के परिवार को दान कर दी और उनके प्रयासों को मान्यता देने के लिए सरकार की सराहना की।

स्मृति शेष

अभिनेता मनोज कुमार ने अपने शानदार करियर में कई प्रतिष्ठित भूमिकाएँ निभाईं। उनके किरदारों में निहित देशभक्ति ने उन्हें 'भारत कुमार' उपनाम दिलाया। फिल्म शहीद मनोज कुमार के अपने देश के प्रति जुनून का सबसे अच्छा उदाहरण है; उन्होंने फिल्म में महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की भूमिका निभाई और अपने काम के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया। लेकिन, एक परोपकारी कदम के रूप में, उन्होंने अपनी पूरी पुरस्कार राशि भगत सिंह के परिवार को दान कर दी। एस राम शर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1 जनवरी, 1965 को रिलीज हुई थी। फिल्म के कलाकारों में उस दौर के कई दिग्गज शामिल थे, जैसे मनोज कुमार, कामिनी कौशल, प्राण, प्रेम चोपड़ा, मनमोहन, मदन पुरी और करण दीवान। हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए मनोज ने कहा, ह्लमैंने अपने राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए मिली पूरी राशि शहीद भगत सिंह के परिवार को दान कर दी। पुरस्कार किसी भी रचनात्मक व्यक्ति को संतुष्टि का एहसास कराते हैं। मुझे खुशी है कि सरकार ने आखिरकार मेरे काम को पुरस्कृत किया है। मनोज कुमार ने महान निर्देशक सत्यजीत रे से मुलाकात के बारे में भी बात की, जिन्हें वे प्यार से मानिक दा कहते थे, दिल्ली में एक फिल्म समारोह के दौरान। उन्होंने कुमार की फिल्म उपकार (1967) और रे की महान कृति चारुलता (1964) पर चर्चा की। ह्लमैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने मेरी फिल्म उपकार देखी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने देखी है, लेकिन यह उन्हें मेलोड्रामा लगी। मैंने मुस्कुराते हुए उनसे पूछा कि क्या उनकी अपनी फिल्म चारुलता का वह दृश्य मेलोड्रामा नहीं है, जिसमें सौमित्र चटर्जी द्वारा माधवी मुखर्जी को देखने पर आंधी आती है। मुझे प्यार से थपथपाते हुए मानिक दा ने कहा कि मैंने उन्हें पकड़ लिया! आज भी मानिक दा जैसा कोई नहीं हो सकता, उन्होंने कहा।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार दिया था। अभिनेता विशेष रूप से अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। जिन्हें भारत कुमार के नाम से भी जाना जाता है।

अभिनेता मनोज कुमार का सुबह करउनके निधन पर फिल्म निमार्ता अशोक पंडित ने कहा कि महान दादा साहब फाल्के पुरस्कार विजेता, हमारे प्रेरणास्रोत और भारतीय फिल्म उद्योग के शेर मनोज कुमार अब हमारे बीच नहीं रहे। यह उद्योग के लिए बहुत बड़ी क्षति है। पूरी इंडस्ट्री उन्हें याद करेगी।

सामाजिक रिश्तों के दर्द पर बनी उनकी फिल्म शोर एक मध्यम वर्ग की पीड़ा की कहानी थी जिसके गीत जीवन को यर्थात के समीप ले जाते थे। फिल्म शोर का एक गाना जीवन का मतलब तो आना और जाना है दार्शनिक भाव से भरा थो। आम आदमी की कठिनाई हो या राष्ट्रभक्ति मनोज वेमिशाल थे इसलिये वे भारत कुमार के नाम से जाने गये।

थाइलैंड में चीन पर भड़क कर लाल हुए मोदी

अभिनय आकाश

सामयिक

थाइलैंड और चीन के रिश्ते सांस्कृतिक या फिर ट्रेड के स्तर पर बेहद ही अच्छे माने जाते हैं। ऐसे में भारत का एकतरफ चीन के विस्तारवाद पर निशाना और दूसरी तरफ थाइलैंड के साथ रक्षा-सुरक्षा व्यापार को बढ़ाना और सहयोग को और मजबूत करने का फैसला चीन को और परेशान करेगा।

बिम्सटेक की बैठक में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थाइलैंड पहुंचे तो यहां इन्होंने थाईलैंड की प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। बैठक के बाद दोनों ही नेताओं की तरफ से साझा बयान भी सामने आ गया। इसी बयान देने के क्रम में पीएम नरेंद्र मोदी ने चीन का बिना नाम लिए हुए थाइलैंड की धरती से चीन पर निशाना साधा।

उन्होंने चीन के विस्तारवाद की नीति को सीधे तौर पर चुनौती देते हुए कहा है कि भारत विकासवाद पर यकीन करता है, न कि विस्तारवाद पर। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत विस्तारवाद के बजाय विकासवाद की नीति में विश्वास रखता है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यकीनन पीएम मोदी का ये बयान चीन को परेशान करेगा क्योंकि पीएम मोदी ने ये बयान अपने देश में न देकर बिम्सटेक की बैठक से ठीक पहले थाइलैंड की जमीन पर दिया है।

थाइलैंड और चीन के रिश्ते सांस्कृतिक या फिर ट्रेड के स्तर पर बेहद ही अच्छे माने जाते हैं। ऐसे में भारत का एकतरफ चीन के विस्तारवाद पर निशाना और दूसरी तरफ थाइलैंड के साथ रक्षा-सुरक्षा व्यापार को बढ़ाना और सहयोग को और मजबूत करने का फैसला चीन को और परेशान करेगा। पीएम मोदी ने शिनावात्रा के साथ हुई बातचीत के बारे में कहा, हमने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति एवं शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर जोर दिया है।

हमने आपसी व्यापार, निवेश और व्यवसायों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्य उद्योग (एमएसएमई), हथकरघा और हस्तशिल्प में सहयोग के लिए भी समझौते किए गए हैं। भारत और थाईलैंड ने रणनीतिक साझेदारी की स्थापना को लेकर एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए और डिजिटल प्रौद्योगिकियों से लेकर संस्कृति तक के क्षेत्रों में पांच सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए।

अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के बाद चीन के तेवर वैसे ही इन दिनों ढीले पड़े हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि ये चीन और भारत दोनों के साझेदार बनने का सही समय है। शी जिनपिंग ने कहा है कि दोनों देशों को अपनी दोस्ती को औ मजबूत करना चाहिए। चीन के राष्ट्रपति ने कहा है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच सहयोग की बहुत बड़ी क्षमता है। सवाल ये है कि चीन का इरादा क्या है और इस बाबत भारत को क्या रुख अपनाना चाहिए? चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत को पत्र लिखा है।

चीन की तरफ से भारत को कूटनीतिक संबंध के 75 वर्ष होने पर पत्र लिखा गया है। कई बार ये कहा जाता है कि चीन की कथनी और करनी में अंतर होता है। चीन की बातें मत सुनो चीन जमीन पर क्या कर रहा है, उस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। दरअसल, भारत डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से निपटने के लिए एक के बाद एक कई कूटनीतिक कदम उठा रहा है।

राजधानी के सरहुल जुलूस में अपनी संस्कृति को अपने ड्रेस से प्रदर्शित करना नवयुवक। तस्वीर अजय सानी की

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

रामगढ़ में रघुवर दास का स्वागत

रामगढ़। रांची से हजारीबाग जाने के क्रम में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का रामगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत। होटल सैनी में वरिष्ठ नेता,एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। जैसे ही रघुवर दास होटल पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। रघुवर दास ने सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद दिया और कहा कि झारखंड की धरती से उनका विशेष लगाव है और वे सदैव राज्य के विकास एवं जनता के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। मौके पर रंजन फौजी,विजय जायसवाल, सरदार अनमोल सिंह, उमेश प्रसाद, विनोद कुमार,नगर अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव, सुरजीत सिंह छाबड़ा,लक्ष्मी देवी, शीतल सिंह, गौतम कुमार महतो,संजय कुमार श्रीवास्तव , अभिषेक चौधरी, मिथिलेश मण्डल, राबिन गुप्ता, ब्रजेश पाठक,सत्यजीत सिंह, अरविन्द कुमार सिंह,कुणाल दास, अंकित सिंह, राहुल पासवान आदि उपस्थित थे।

छोटकीपोना में निकली कलश यात्रा

रजरप्पा। चैत्र नवरात्र के सातवें दिन शुक्रवार को नवपत्रिका प्रवेश के साथ मां दुर्गा की विधिवत आराधना शुरू हो गई। सुबह गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालु नदी व तालाबों में कलश लेकर गए, जहां पर स्वरूप केले के पौधे का से पूजन किया गया। इसके बाद सभी लोगों ने जल तथा केले के पौधे को लेकर पूजा मंडप में प्रवेश किया। मंदिर और पूजा पंडाल पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने शंख बजाकर और ढाक व घंटे की के साथ मां का स्वागत किया। यहां माता की विधिवत और आराधना की गई। इससे पूर्व छोटकीपोना में बासंतिक दुर्गा - पूजा समिति द्वारा शुक्रवार की सुबह माता रानी का कलश यात्रा निकाला गया। यात्रा में 150 महिलाएं शामिल हुईं।

परिश्रम ही सफलता की कुंजी : विजयंत

भुरकुंडा (रामगढ़)। ए ला एंग्लाइज विद्यालय बिरसा चौक भुरकुंडा में शुक्रवार को नए शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के नवीन छात्रों के पहले दिन को स्वागत दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रबंधन ने नए छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्राचार्य विजयंत कुमार ने कहा कि विद्यालय जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय होता है। हम चाहते है कि हर छात्र इस यात्रा की शुरूआत आत्मविश्वास और उत्साह के साथ करे। उन्होंने कहा कि विद्यालय का यह स्वागत दिवस न केवल छात्रों के लिए बल्कि उनके अभिभावकों के लिए यादगार रहेगा। विद्यालय ने यह सिद्ध कर दिया कि शिक्षा की शुरूआत यदि उत्साह और प्रेम के साथ हो तो बच्चे भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। प्राचार्य श्री कुमार ने कहा कि परिश्रम ही सफलता की कुंजी होती है। स्वागत दिवस छात्रों को एक नई ऊर्जा और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ शैक्षणिक सफर में काफी मददगार साबित होगी।

कुजू में निकाली गयी कलश यात्रा

कुजू। श्री श्री सार्वजनिक चैत्र दुर्गा पूजा समिति प्राचीन शिव- दुर्गा मंदिर कुजू द्वारा माँ दुर्गा के महास्नान को लेकर माँ की डोली लेकर शुक्रवार को कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर ढोल नगाड़ा के साथ कुजू बड़ा छठ तालाब पहुंची। यहां पंडित भैरव गांगुली, कंचन चक्रवर्ती, चंदन चक्रवर्ती, गौरव पंडा के द्वारा माता का महास्नान कराया गया। जहां पर माता स्वरूप केले के पौधे का विधि-विधान से पूजन किया गया। इसके बाद लोगों ने जल तथा केले के पौधे को लेकर मंदिर में प्रवेश किया। श्रद्धालुओं ने शंख बजाकर और ढाक व घंटे की मंगलध्वनि के साथ मां का स्वागत किया बाद में सस्मी को लेकर नवपत्रिका प्रवेश, कलश स्थापना, आंखीदान, प्राण प्रतिष्ठा सहित कई धार्मिक अनुष्ठान कराया गया। कलश यात्रा में पूजा समिति के अध्यक्ष शिवकुमार साहू, सचिव अमित केशरी, कोषाध्यक्ष संतोष मेहता, उपाध्यक्ष लखन प्रसाद, सह सचिव अंशु गुप्ता, चंदन केशरी, मनोज प्रसाद, रामकुमार प्रसाद, जितेंद्र गुप्ता, ठाकुर प्रसाद, रामप्रसाद साहू, मनोज केशरी, मनीष सिंह, राजवीर केशरी, लकी कुमार सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

रजरप्पा में चैती छठ संपन्न

रजरप्पा लोक आस्था का महापर्व चैती छठ भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही रजरप्पा मंदिर सहित रजरप्पा कोयलांचल के आसपास के क्षेत्रों में संपन्न हो गया। शुक्रवार की अहले सुबह व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार के सुख-शांति के लिए भगवान भास्कर एवं छठी मईया से प्रार्थना की। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने पारण कर 36 घंटे के निर्जला व्रत को समाप्त किया। गुरुवार को व्रतियों द्वारा अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया था। व्रतियों ने हाकांच ही बांस के बहंगिया.. , केलवा जे फरेला घवध से.., ऊगो हो सूरज देव, हाभईले अरघा के बेर.. आदि गीत गाए।

पावन क्रूस स्कूल में छात्रों का स्वागत

भुरकुंडा (रामगढ़)। पावन क्रूस विद्यालय पटेलनगर भुरकुंडा में गुरुवार को नए सत्र 2025-2026 का जोरदार तरीके से स्वागत किया गया। कक्षा 1 से 10वीं तक छात्र-छात्राओं, विशेषकर नए बच्चे उत्साह और उमंग के साथ शामिल हुए। विद्यालय की सचिव सिस्टर आग्नेस तथा प्राचार्या सिस्टर सुमंती ने कहा कि जैसे गुब्बारा आसमान को चीरता हुआ अपने उच्चतम ऊंचाई को छुता है, ठीक उसी तरह सत्र के शुरूआत से ही अगर लगन और कड़ी मेहनत के साथ सम्पूर्ण विषय की तैयारी की जाए तो सफलता की ऊंचाई को छूआ जा सकता है। मौके पर मो. कमरुद्दीन, सुधीर प्रसाद, रेणु पॉल, आशा मिंज, रजनी डुंगडुंग, निर्मला, कंचन मिंज, संगीता गिद्ध, रजनी सिन्हा, मनीष लकड़ा, सिस्टर संगीता, सुश्री मानशी, पूजा, नेहा, आनंद टेटे, दीपा, सोशन लकड़ा, सलेस्टिना, बासिल कुजूर, क्रिस्टीना, सेलिना खलखो, अमन कुजूर, पूजा सिंह, गायत्री, करुणा कांति, अल्पा, सोनम, मारिया, आरती सहित छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

झारखंड में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर : रघुवर

नयामोड़ में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पूर्व सीएम का भव्य स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

कुजू। हेमंत सरकार आम जनता की नहीं बल्कि घोटालेबाजों की सरकार है। उक्त बातें राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कही। श्री दास रांची से हजारीबाग जाने के क्रम में नयामोड़ में कुछ देर रुके थे।उन्होंने कहा कि राज्य में आये दिन कोई न आपराधिक घटना होने के साथ भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में लगातार घोटाले हो रहे है, जिसके कारण आये दिन दिन सूबे के नेता व अधिकारियों के ठिकानों में ईडी की छापामारी हो रही है।

जनता को इस भ्रष्टाचार सरकार के खिलाफ आवाज उठाना होगा। वहीं उन्होंने वक्फ बिल पारित होने पर सामाजिक-आर्थिक न्याय और पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इससे हाशिये पर रहे लोगों को मदद मिलेगी। नए कानून से वक्फ व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी, जो मुस्लिम महिलाओं और गरीब मुसलमानों के अधिकारों की रक्षा करेगी। इससे पूर्व कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत फूल माला व अंग वस्त्र पहना कर किया।

स्वागत करने वालो में जगेश्वर प्रजापति, प्रवीण मेहता, राजू चतुर्वेदी, प्रो खिरोधर साहू, पंकज साहा, मनोज गिरी, तोकेश सिंह, निर्मल करमाली, अशोक कुमार, रवि साहू, डिंपल प्रजापति, आशीष साहू, पंचित महतो, सुनील साहू, जयराम प्रजापति, प्रकाश केशरी, संजय शाह, अरुण कुमार कुशवाहा, प्रकाश केशरी, सुखदेव सोनी, राजेश करमाली, सुधान सिंह सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

विष्णुगढ़ की झाकियों ने भी बटोरी सुर्खियां

विष्णुगढ़। रामनवमी को लेकर पूरे झारखंड में खासा उत्साह देखने को मिला। हजारीबाग की इंटरनेशनल रामनवमी दुनियाभर में प्रसिद्ध है, जहां मंगला जुलूस देखने हर साल लाखों की भीड़ उमड़ती है। होली के बाद पहले मंगलवार से ही पूरे शहर में मंगला जुलूस निकलना शुरू हो जाता है। हजारीबाग के बाद विष्णुगढ़ की रामनवमी भी राज्यभर में लोकप्रिय है। बजरंग दल के जिला सह संयोजक वरुण कुमार ने बताया कि चैत्र महीने के पहले मंगलवार से ही यहां भी भव्य झांकियां निकलती हैं। जय श्रीराम और जय वीर हनुमान के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठता है। रामनवमी के अष्टमी तिथि को विष्णुगढ़ के सार्वजनिक दुर्गा मंदिर रमुआ से शोभा यात्रा निकाली जाती है, जो बनासो स्थित महामाया मंदिर तक जाती है। रामभक्त तलवार व अन्य पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र लेकर शक्ति प्रदर्शन करते हैं। हजारों की संख्या में श्रद्धालु इसमें भाग लेते हैं। वरुण कुमार ने प्रशासन से अपील की कि शोभा यात्रा के दौरान जगह-जगह पेयजल व सुरक्षा की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि यह पावन पर्व शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से संपन्न हो सके।

रसोई धमना में दुर्गा वाहिनी ने निकाली शोभायात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। रसोई धमना में शुक्रवार को रामनवमी के अवसर पर दुर्गा वाहिनी ने निकाली भव्य शोभा यात्रा। शोभायात्रा में महिलाएं और युवतियां पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुई और पारंपरिक हथियारों का भी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बरही पश्चिमी जिला परिषद सदस्य प्रीति गुप्ता, जिला परिषद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता तथा स्थानीय मुखिया गोविंद साहू उपस्थित थे। शोभायात्रा दुर्गा मंदिर से शुरू होकर जीटी रोड होते हुए पूरे गांव का भ्रमण करती हुई वापस मंदिर प्रांगण में समाप्त हुई। शोभायात्रा के दौरान जय श्रीराम और जय वीर हनुमान के नारे पूरे वातावरण में गूंजते रहे। शोभा यात्रा में आरती कुमारी, प्रीति कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, अनिता कुमारी, सुमन कुमारी, विनीता कुमारी, श्वेता कुमारी व प्रेरणा कुमारी हुईं।

दुर्गा मंडप पहुंचे जीएम और पीओ

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा रीवर साइड स्थित शास्त्री पार्क दुर्गा मंडप में चैती नवरात्रा के अवसर पर गुरुवार की शाम सीसीएल बरका-सयाल महाप्रबंधक अजय सिंह, भुरकुंडा परियोजना पदाधिकारी कुमार राकेश सत्यार्थी, सौंदा डी पीओ रामेश्वर मुंडा, सयाल पीओ शंभु शरण सिंह, उरीमारी पीओ दिलीप कुमार, बिरसा पीओ सुबोध कुमार, जीएम ईएंडएम बरका सयाल अमरिंदर कुमार, सीसीएल सेफ्टी बोर्ड मेंबर अरुण सिंह ने पूजा अर्चना की। मां दुर्गा से क्षेत्र की हरियाली, खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की। पूजा के दौरान मां दुर्गा सहित अन्य आराध्य देवी-देवताओं के भक्ति जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। दुर्गा पूजा कमेटी ने जीएम, पीओ व अन्य अधिकारियों को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। मौके पर रामनरेश सिंह, सचिव संतोष यादव, पीडी सिंह, संजय कुमार, धनंजय सिंह, पीयूष दत्त, संजीव चक्रवर्ती, आनंद सिंह, दिलीप सिंह, असीम धर, सन्यासन घोष, जयंत सरकार, नीतू देवी सहित दर्जनों श्रद्धालु मौजूद थे।

लड़कियों ने किया अस्त्र शस्त्र का प्रदर्शन

रामगढ़।श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति रामगढ़ के द्वारा गुरुवार देर शाम को जिला स्तरीय महा अस्त्र-शस्त्र चालान प्रतियोगिता का आयोजन छावनी फुटबॉल मैदान रामगढ़ में किया गया। कार्यक्रम गुरुवार को रात भर चला। महासमिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र साव भोपाली के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ,मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो और विशिष्ट अतिथि में युवा नेता सह समाज सेवी पियुष चौधरी एवं रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार,महासमिति के मुख्य संरक्षक राजेश ठाकुर, रंजन फौजी, छोटू वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ धनंजय कुमार पुटूस ,रविंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष आशीष कुमार सिंहा ने सामुहिक रुप से द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इस प्रतियोगिता में रामगढ़ जिले के सभी प्रखंडों के कई अखाड़ों ने भाग लिया। जिनमें से श्री श्री रामनवमी पूजा हुप्पू गोला, विवेकानंद अखाड़ा रामगढ़, बाल भारती मंडली, श्री श्री पवन पुत्र रामनवमी समिति रामगढ़, अमरदीप समिति यंग क्लब क्वाटर रामगढ़, श्री श्री विष्णु बाल मंडली बी. आर. क्वाटर रामगढ़ के अखाड़ों ने भाग लिया। प्रतियोगिता गुरुवार को रात भर चला और समापन शुक्रवार अहले सुबह हुआ। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अखाड़ों ने अपने कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम देखने के लिए लोगों की काफी भीड़ रही।निर्णायक मंडली में मुख्य रूप से मनोज प्रसाद, शेखर राम, बबलू राम, राज कुमार भंडारी, आशीष कुमार सिंहा, संजय सोनकर उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम में भाग लिए हुए अखाड़ों के कला का प्रदर्शन को जज कर रहे थे इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अमरदीप समिति यंग क्लब, द्वितीय स्थान श्री श्री पवन पुत्र रामनवमी समिति, तृतीय स्थान श्री श्री विष्णु बाल मंडली, चतुर्थ स्थान श्री श्री रामनवमी समिति हुप्पू गोला, एवं पंचम स्थान शिवनंदन अखाड़ा ने प्राप्त किया।

गोलपार मुंडा टोली ने निकाला जुलूस

रामगढ़। गोलपार मुंडा टोली ने शुक्रवार को भव्य सरहुल जुलूस निकाला। जुलूस में आदिवासी समाज के महिला-पुरुष झारखंड की पारंपरिक वेष-भूषा में जुलूस में शामिल होकर ढोल-नगाड़े की धुन पर थिरकते हुए आगे बढ़ रहे थे। कई संगठनों ने जगह जगह स्टॉल लगाकर जुलूस में शामिल लोगों का शरबत और चना से स्वागत किया।

रामगढ़ में रामनवमी को लेकर ट्रैफिक में बदलाव

रामगढ़। रामनवमी के अवसर पर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी की ओर से यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। चार से आठ अप्रैल तक समय 02:00 बजे दिन से 02:00 बजे रात्रि तक रामगढ़ शहर में भारी वाहनों और माल वाहक छोटे वाहनों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया है। ट्रक, टेंपो, भारी वाहन, सवारी गाड़ी के आवागमन को पूर्णतः बंद कर दिया गया है। कोई भी मालवाहक गाड़ी को शनिचरा हाट से लेकर थाना चौक तक और थाना चौक से लेकर शनिचरा हाट तक प्रवेश वर्जित रहेगा। रांची से आने वाले कोई भी मालवाहक गाड़ी, ट्रक और बस पटेल चौक से कोरिया घाटी, नया मोड़, कुजू डायवर्सन (भाया सुभाष चौक) तथा हजारीबाग से आने वाले कोरिया घाटी, नया मोड़, कुजू डायवर्सन से पटेल चौक (भाया सुभाष चौक) तक प्रवेश वर्जित रहेगा। कोई भी मालवाहक ट्रक या बस बरकाकाना से लेकर सुभाष चौक तक एवं सुभाष चौक से लेकर बरकाकाना तक प्रवेश वर्जित रहेगा।

भुरकुंडा, भदानीनगर व बासल में छठ संपन्न

घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, सैंकड़ों लोगों ने दिया उगते सूर्य को अर्घ्य

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति व श्रद्धाभाव से आस्था का महापर्व चार दिवसीय चैती छठ पूरे विधि-विधान व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर गुरुवार की शाम अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य एवं शुक्रवार की तड़के सुबह उदीयमान भगवान भास्कर को द्वितीय अर्घ्य देने के लिए कोयलांचल के विभिन्न छठ घाटों पर छठव्रतियों एवं भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।

भुरकुंडा नलकारी नदी छठ घाट, सौंदा डी नलकारी नदी छठ घाट, सेंट्रल सौंदा नलकारी नदी छठ घाट, सीसीएल सौंदा दुमुहानी छठ घाट, रिभर साइड दामोदर नदी छठ घाट, भदानीनगर आईएजी ग्लास फैक्ट्री डैम, चिकोर पारगढ़ा नदी, सौंदा बस्ती छठ घाट, पतरातू डैम सहित अन्य छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। छठ घाटों पर दोनों ही समय अर्घ्य देने से पहले छठव्रतियों ने आधे शरीर पानी में रहकर छठ माता, भगवान सूर्य की पूजा आराधना कर अपने परिवार व क्षेत्र की हरियाली खुशहाली की कामना की। उदयीमान भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद आरती हवन पश्चात छठ पूजा का प्रसाद ग्रहण कर छठव्रतियों ने पारण किया। इधर भुरकुंडा नलकारी नदी छठ घाट स्थित छठमाता मंदिर, भगवान सूर्य मंदिर, गंगा मां मंदिर में पूजा अर्चना के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद पूजा अर्चना के लिए लंबी लाइन लगी रही। छठ घाटों की ओर जाने वाले रास्ते को काफी बेहतरीन लाईटिंग आदि से सजावट की गई थी। जगह-जगह तोरणद्वार भी बनाए गए थे। छठ महापर्व के गीतों से भुरकुंडा कोयलांचल का वातावरण भक्तिमय दिखा। विधि-व्यवस्था बनाए रखने में भुरकुंडा ओपी प्रभारी निर्भय कुमार गुप्ता, भदानीनगर ओपी प्रभारी ब्रहमव्रत कुमार, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार दल-बल के साथ मुस्तैदी से डटे थे। छठव्रतियों की सेवा में श्रीश्री छठ पूजा समिति भुरकुंडा के संजय मिश्रा, चमनलाल, संजीत राम, दीपक कुमार, सतीश सागर, मुखिया अजय पासवान, गोपाल करमाली, अशोक तिवारी, संजय वर्मा, भीखम राजभर, योगेंद्र करमाली, अमृत सागर, शंकर सोना, शशि सागर, अरुण राम, विजय राम, भास्कर, सौरभ, अशोक सिंह, बलराज राम जुटे थे।

एक नजर में

श्रद्धा व संस्कृति का संगम है बक्शीडीह मंदिर

दारु। आस्था की जड़ों से जुड़ा बक्शीडीह का हनुमान मंदिर एक ऐसा स्थल है, जहाँ श्रद्धा और संस्कृति का संगम हर वर्ष हजारों लोगों को आकर्षित करता है। 125 वर्षों से अधिक पुराना यह मंदिर परिसर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, धार्मिक विश्वास और सांस्कृतिक उत्सवों का प्रतीक बन चुका है। मंदिर परिसर में हनुमान जी के साथ-साथ सूर्य मंदिर, सिंहवाहिनी मंदिर, ग्राम देवी मंदिर और एक पवित्र छठ तालाब भी स्थित है, जो इसे संपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र बनाता है। चैत्र मास की रामनवमी हो या कार्तिक व चैत्र माह की छठ पूजा, इन पर्वों के दौरान यहाँ जो जनसैलाब उमड़ता है, वह किसी तीर्थ से कम नहीं लगता। रामनवमी पर महावीर पताका यात्रा मंदिर की सबसे विशेष परंपरा है। विशाल ध्वज लिए श्रद्धालु जब श्जय श्री रामश् के नारों के साथ एकत्र होते हैं, तो यह दृश्य भक्तिरस, परंपरा और एकता की त्रिवेणी बन जाता है। साथ ही, 100 वर्षों से भी अधिक पुरानी मेले की परंपरा आज भी पूरे उत्साह और रंग-बिरंगे आयोजन के साथ जीवंत है। मेला समिति द्वारा की गई व्यवस्थाएँ जैसे विद्युत, जल, प्रसाद, झूले और सांस्कृतिक गतिविधियाँ श्रद्धालुओं के अनुभव को और भी खास बना देती हैं। छठ पूजा के समय तालाब किनारे संध्या और प्रातः अर्घ्य का दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है। डूबते और उगते सूर्य की छवि में जब श्रद्धालु दीप जलाते हैं, तो यह स्थल आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठता है। बक्शीडीह मंदिर आज भी परंपरा और आस्था की वह लौ है, जो पीढ़ियों से जलती आई है और आगे भी अंधेरे में उजाला फैलाती रहेगी।

चरही में धूमधाम से संपन्न हुआ चैती छठ

चरही। चरही में लोक आस्था का चार दिवसीय चैती छठ धूमधाम से संपन्न हुआ। चरही, चनारो, कजरी, इंद्रा, जरबा, चुरचू, बहेरा, तापीन सहित कई स्थानों पर आकर्षक घाट बनाए गए थे, जिन्हें फूलों और लाइटों से सजाया गया था। बच्चों का मुंडन संस्कार भी हुआ। समाजसेवियों ने फल वितरण किया। शुक्रवार सुबह व्रती पुनः घाटों पर पहुंचे, स्नान-ध्यान के बाद ठंडे पानी में खड़े होकर उगते सूर्य को दूध से अर्घ्य अर्पित किया। इसके बाद छठ कथा व आरती के साथ पूजा संपन्न हुई। व्रतियों ने मंदिरों में पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की और फिर प्रसाद वितरण किया। अंत में खरना के बचे प्रसाद को ग्रहण कर व्रत का पारण किया गया।

विष्णुगढ़ में संविधान सम्मान यात्रा का स्वागत

विष्णुगढ़। शुक्रवार को समता सैनिक दल द्वारा निकाली गई संविधान सम्मान रक्षा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। सात मील चौक पर लोगों ने यात्रा में शामिल सदस्यों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महेंद्र राम ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य संविधान के मूल मूल्यों का संरक्षण और आम जनता को उनके अधिकारों की जानकारी देना है। यह यात्रा 8 मार्च को पुराना विधानसभा रांची से शुरू हुई थी और अब तक गढ़वा, पलामू, चतरा, कोडरमा, देवघर, दुमका सहित कई जिलों का भ्रमण कर चुकी है। इसका लक्ष्य झारखंड के सभी जिलों तक पहुंचना है। वक्ताओं ने सरकार से जातीय जनगणना कराने और उसके आधार पर आरक्षण निर्धारण की मांग की। उन्होंने कहा कि आज भी अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों को उनके पूरे हक नहीं मिल रहे हैं। देश में आरक्षण को खत्म करने की राजनीति हो रही है और धर्म के नाम पर लोगों को भड़काया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य जयप्रकाश पटेल, कांग्रेस नेता गुरु प्रसाद साव, सुधीर राम, वीरेंद्र रविदास सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित थे।

बरही में रामनवमी को ले 500 जवान होंगे तैनात

बरही। बरही में इस वर्ष रामनवमी पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अजीत कुमार विमल स्वयं तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रामनवमी पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस बल अलर्ट मोड पर है। पूरे बरही अनुमंडल क्षेत्र में दंडाधिकारियों के साथ करीब 500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है। साथ ही सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। किसी भी तरह की भड़काऊ पोस्ट पर त्वरित और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।एसडीपीओ ने बताया कि बरही सामान्यतः शांतिपूर्ण इलाका है, लेकिन हाल ही में हजारीबाग में मंगला जुलूस के दौरान हुई झड़प के मद्देनजर प्रशासन अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि रामनवमी पर्व को आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाएं। जुलूस के मार्ग में अगर किसी अन्य धर्म का पूजा स्थल आता है, तो उसका सम्मान करते हुए कोई ऐसा कार्य न करें जिससे तनाव उत्पन्न हो। प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगातार निगरानी जारी है और हर संभावित स्थिति के लिए तैयारियां की गई हैं।

बरही में चला विशेष सफाई अभियान

बरही। रामनवमी पर्व को लेकर शुक्रवार को नगर क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान रामनवमी पूजा महासमिति के अध्यक्ष भगवान केशरी की अगुवाई में आयोजित हुआ। इसमें बरही पश्चिमी पंचायत के मुखिया शमशेर आलम और पूर्वी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सफाई अभियान के तहत बरही चौक और उसके चारों मुख्य मार्ग—बरही गया रोड, धनबाद रोड, हजारीबाग रोड तथा बजरंगबली मंदिर के आसपास सघन सफाई की गई। इस कार्य में मजदूरों के साथ-साथ जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर की भी सहायता ली गई। सहयोग करने वालों में मुखिया प्रतिनिधि टिंकू आलम, नागेश्वर प्रजापति, युवा समाजसेवी कौशिक पासवान, अविनाश कुमार सिंह, विक्की सिंह, प्रदीप स्वर्णकार आदि शामिल रहे। अभियान के दौरान लोगों से आग्रह किया गया कि वे अपने घर और दुकानों के आस-पास सफाई बनाए रखें और कूड़ा-कचरा सड़कों पर न फेंके। रामनवमी जैसे बड़े पर्व पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना नगरवासियों की जिम्मेदारी है। इस अभियान ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया।

4 है पी 4 : सफाई अभियान में शामिल लोग

सौदा पंचायत में झामुमो का कमेटी गठित

भुरकुंडा (रामगढ़) झामुमो सीसीएल सौन्दा पंचायत के कार्यकर्ताओं की बैठक शुक्रवार को हुयी। बैठक में झामुमो के पूर्व जिला सचिव उदय मालाकार उपस्थित थे। सर्वसम्मति से सीसीएल सौदा पंचायत कमेटी का पुर्नगठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार, उपाध्यक्ष फिरोज खान व रवि पाठक, सचिव पप्पु लिंडा, संयुक्त सचिव छोटेलाल रजक, सह संयुक्त सचिव बजरंगी साव, संगठन सचिव सुजित साव, सहायक संगठन सचिव अजय साव, कोषाध्यक्ष शिमु शर्मा, सह कोषाध्यक्ष मनोज साव चुने गये। वहीं कार्यकारिणी सदस्यों में उदय मालाकार, राजेश कुमार प्रसाद, अशोक भुंइया, रामवृक्ष राम, जितेंद्र साव, राजु साव, विनोद प्रसाद, डब्लू उरांव, विक्की भुंइया, दीपक साव, करण साव, भोला प्रसाद, सुरेश साव शामिल हैं। सभी सदस्यों को फूल माला पहनाकर स्वागत करते हुए उदय मालाकार ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ होते हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो में सबों को एक समान मान-सम्मान दिया जाता है। साथ ही सभी वर्गों के हितों का पूरा ख्याल रखा जाता है। मौके पर राजेश प्रसाद, राजेश पासवान, सुकरा साव, केशव कुमार, भोला यादव, प्रकाश मेहरा, गुरुली देवी, सबिता दी, प्रमिला देवी, सुनिता देवी, रेखा तिर्की सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

करुना सुख सागर सब गुन आगर जेहि गावहिं श्रुति संता। सो मम हित लागी जन अनुरागी भयउ प्रगट श्रीकंता॥

नेताजी की दृष्टि में श्रीराम और रामराज्य

डॉ. जयंत चौधरी

अमर स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने महात्मा गांधी की तरह सीधे रामराज्य की बात नहीं की। उनकी किसी भी राजनीतिक सभा में रामधुन नहीं बजाया जाता था लेकिन श्री रामचन्द्र के त्याग, आदर्श और संघर्ष की जीवन गाथा उनके पूरे जीवन के आदर्शों और दर्शन में मिलती है। सुभाषचंद्र जब किशोरावस्था में थे तभी से उन्होंने रामायण के आंतरिक भावों का चित्रण किया था। जब वे 13-14 वर्ष के थे तब उन्होंने अपनी मां प्रभावतीदेवी को एक पत्र में लिखा, "मां, भारत भगवान के महान प्रेम की भूमि है। इस महाद्वीप में लोगों को रास्ता दिखाने के लिए भगवान ने हमेशा अवतार लिया है। युगों-युगों से भगवान के अवतार ने धरती को पाप-मुक्त किया और हर भारतीय के दिल में धर्म और सच्चाई के बीज बोए। भगवान ने मानव शरीर धारण किया है और अपने अवतार के रूप में कई देशों में जन्म लिया है, लेकिन उन्होंने किसी भी देश में इतनी बार अवतार नहीं लिया है, इसलिए हम कहते हैं कि हमारी मूल भारत माता ईश्वर के महान प्रेम की भूमि है।"

नेताजी लिखते हैं, दक्षिण में पवित्र गोदावरी दो कुंडों को भरकर कलकल ध्वनि के साथ निरंतर बहती रहती है - कैसी पवित्र नदी है! जैसे ही मैं देखता या सोचता हूं, मुझे रामायण का पांचवां अध्याय याद आ जाता है - तब मैं अपने मन की आंखों में - राम, लक्ष्मण और सीता को देखता हूं, जो राज्य और वैभव को त्याग कर गोदावरी के तट पर खुशी के साथ समय बिता रहे हैं, सांसारिक दुखों या चिंताओं को छोड़कर नैसर्गिक परमानंद के साथ। वे तीनों अपने दिन परमानंद में बिताते हैं, प्रकृति की पूजा करते हैं और भगवान की पूजा करते हैं - और इस बीच हम लगातार सांसारिक दुखों से जल रहे हैं।"

उसी उम्र में, सुभाष चंद्र ने यह भी उल्लेख किया कि आम लोग सुख के लिए हाहाकार कर रहे हैं लेकिन उनका कारण - "हमारा कोई धर्म नहीं है, कुछ भी नहीं। नहीं है, राष्ट्रीय जीवन भी नहीं है। अब हम एक कमजोर शरीर वाले गुलाम, भ्रष्ट, पापी राष्ट्र हैं! अफसोस! हे सर्वशक्तिमान! यह भारत की कैसी शोचनीय स्थिति है! क्या तुम हमें नहीं बचाओगे? यह तुम्हारा देश है, लेकिन भगवान देखो, तुम्हारे देश की क्या हालत है! आपके अवतारों द्वारा स्थापित सनातन धर्म कहां है? हमारे पूर्वजों आर्यों ने जिस जाति और धर्म को बनाया और स्थापित किया था, उसे अब त्याग दिया गया है। हे दयालु हरि, कृपया रक्षा करें!"

सुभाष की मां भी भगवान राम की भक्त थीं। किशोरावस्था में ही सुभाष ने देश के लोगों की शांति के बारे में भी पत्र लिखा। इसमें उन्होंने लिखा, "भगवान के दिखाए रास्ते को आत्मसात किए बिना और पूजा के बिना शांति नहीं है। नश्वर जीवन में यदि कोई सुख है तो घर-घर जाकर गोविंद का नाम जपने के अलावा सुख का और कोई रास्ता नहीं है। जब मैं ऊपर देखता हूं, मां, मुझे और भी अधिक पवित्र दृश्य दिखाई देता है! मुझे रामायण का एक और दृश्य याद आता है। मैंने वाल्मीकि के पवित्र तपोवन में दिन रात महर्षि की पवित्र वाणी में वेद मंत्र पढ़ते हुए देखा, मैंने वृद्ध महर्षि को ध्यान मुद्रा में बैठे देखा - उनके चरणों में दो शिष्य - कुश और लव दिखे। महर्षि उन्हें शिक्षा दे रहे थे। वेदों की पवित्र ध्वनि से आकर्षित होकर क्रूर सर्प भी अपना विष खो चुका है, फन उठाकर चुपचाप मंत्रों को सुन रहा है। गोकुल गंगा में जल पीने आये हैं - वे भी एक बार मुख उठाकर उस पवित्र मंत्र को सुन रहे हैं जिसे सुनने से कान सार्थक हो जाते हैं।

पास ही एक हिरण लेटा हुआ है - वह लगातार महर्षि के मुख की ओर बिना पलकें झपकाए देखता रहता है। रामायण में सब कुछ पवित्र है चाहे वह तिनका ही क्यों ना हो। लेकिन अफसोस! हम, धर्मत्यागी के रूप में, अब उस पवित्रता को नहीं समझ सकते। एक और पवित्र दृश्य याद आता है। भुवन तारिणी विपदा हरिणी भागीरथी बह रही हैं। इसके तट पर योगिकुल बैठे हैं - कुछ आधी बंद आंखों से ध्यान में डूबे हुए हैं - कुछ कानन के फूल लेकर मूर्तियां बनाकर पूजा कर रहे हैं, चंदन धूप जैसी पवित्र सुगंध फैली हैं - कुछ मंत्रोच्चार कर रहे हैं। क्षितिज के समय कुछ लोग गंगा के पवित्र जल की ओर आ रहे हैं। कोई गीत गा रहा है और पूजा के लिए जंगली फूल चुन रहा है। ये दृश्य आंख और मन को प्रसन्न करते हैं। लेकिन अफसोस! आज वे ऋषि कहां हैं? उनका पवित्र मंत्र कहां है? उनके यज्ञ, हवन आदि कहां हैं? सोचकर कलेजा फट जाता है!"

युवावस्था की इसी भावना ने 1914 में मई-जून की चिलचिलाती गर्मी में सुभाष चंद्र को पहली बार हिमालय बुलाया। वे भगवा धारण कर घर से निकले। काशी, वृन्दावन, हरिद्वार आदि अखाड़ों में संतों के जीवन के विभिन्न व्यावहारिक अनुभव लिए। उसके पहले वर्ष क्रिसमस की छुट्टियों में 18-19 दोस्तों के साथ सुभाष ने साधु जीवन जीने के इरादे से शांतिपुर में गंगा के किनारे एक खाली घर में कुछ दिन बिताए। बिल्कुल नरेंद्रनाथ दत्त के स्वामी विवेकानन्द बनने के जीवन की शुरूआत की तरह। सुभाष चन्द्र की विभिन्न क्रांतिकारी गतिविधियों के पीछे अनेक साधु-संतों और महापुरुषों का आशीर्वाद था।

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने अपने प्रिय सुभाष को ₹देशनायक₹ के संबोधन के साथ एक लम्बा पत्र लिखा। उन्होंने लिखा- ₹सुभाष चंद्र, बंगाली कवि, मैं आपको बंगाल के निवासी के रूप में ₹देशनायक₹ के तौर पर स्वीकार करता हूं। गीता कहती है कि सत्य की रक्षा और बुराई के अंत के लिए ईश्वर बार-बार प्रकट होते हैं। जब देश आपदा के में फंस जाता है, तो नेता देश की पीड़ा से प्रेरित होकर उभरते हैं।"

उस समय कांग्रेस की राजनीति के दबाव के कारण यह पत्र प्रकाशित नहीं हुआ, न तो कवि रवींद्रनाथ ने और न ही सुभाष चंद्र बोस ने ₹देशनायक₹ की अभिव्यक्ति को छपते देखा। गुरुदेव ने अंत में लिखा, ... फिर मैं आपको यह आशीर्वाद देकर जाऊंगा कि देश के दुःख को अपना दुःख बनाओ, देश की मुक्ति हो रही है।₹ देश की जनता के कष्टों ने नेताजी के जीवन को भी श्री रामचन्द्र के समान दुःखमय, कष्टकारी, संघर्षपूर्ण बना दिया। भले ही सुभाष चंद्र का यह आध्यात्मिक पहलु खुलकर सामने नहीं आया, लेकिन आजादी की लड़ाई में नेताजी के लिए यही प्रेरणा बनी रही। अन्याय के विरुद्ध युद्ध जीतने के लिए श्री रामचन्द्र की देवी शक्ति की भक्ति अपार थी। भगवान राम ने देवी दुर्गा को अपनी आंखें अर्पित करने में संकोच नहीं किया। साथियों, वनवासियों को लेकर एक सेना बनाई। हृदय में श्री राम को बसा कर सुभाषचन्द्र बोस मानो मृत्यु के भय को जीत गए थे। भगवान राम की तरह ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अंग्रेजों के तत्कालीन शत्रु देशों के बीच दोस्ताना में बड़ी भूमिका निभाई। हिंदू-मुस्लिम, सिख-इसाई और यहां तक कि पूर्वोत्तर भारत के नगालैंड, मणिपुर के आदिवासी लोगों ने भी सुभाष बोस को अपना नेता मान लिया था। इन सबके साथ मिलकर नेताजी ने रामराज्य का सपना देखा था।

त्रेता युग की दिवाली पर श्रीराम वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे। आज इस कलयुग में सैकड़ों सालों के लंबे संघर्ष के बाद एक बार फिर इतिहास खुद को दोहरा रहा है। समय से पहले सोमवार को पूरे देश में दिवाली मनाई जा रही है। इसके लिए अयोध्या नगरी को एक बार फिर सजाया गया है। राम भक्त नेताजी सुभाष चन्द्र के तपस्वी जीवन की विभिन्न वस्तुएं अयोध्या के ₹रामकथा संग्रहालय₹ में सुरक्षित रखी गयी हैं। शायद आने वाले दिनों में तीर्थयात्रियों को अयोध्या नगरी में रामलला के दर्शन के बाद "रामकथा संग्रहालय" के दर्शन का भी सौभाग्य प्राप्त होगा।

विह्वल होकर रोये होंगे आज रघुराई

मनोज शर्मा

विह्वल होकर रोये
होंगे आज रघुराई?

सोचे होंगे ? समय तो कहता है कि..
कलयुग घोर है
पाप, भ्रष्टाचार, छल कपट चहुंओर है

पर ..आज ये भक्तों का जनसमुद्र?
न वर्ण विभेद न कोई क्षत्रिय शूद्र
शबरी, निषाद, को याद कर
अश्रु से नैन भिगोये होंगे?

विचार अवश्य उठा होगा?
वो त्रेता था ये कलयुग है, पर..

वही अयोध्या ,वही सरयु तट
टेंट से सीधे मुझे उठाकर
बिठा दिया नवभवन बनाकर

इस प्रेम पर भावुक होये होंगे।
मन में बस यही चला होगा?
मैं त्रिलोक का चिर स्वामी
भक्तों के चिर संघर्ष से

धर्म विवेक बचा है आज भी
तब संतुष्ट से हो नये भवन में
इस शरद में चादर ओढ़ कर
निश्चित भाव से सोये होंगे।

(लेखक पत्रकारिता विभाग रांची विवि से जुड़ें हैं।)

जय श्रीराम: ईश्वरीय तत्वों पर शोध का द्वार प्रशस्त होगा

लंकाधीश रावण ने नाना प्रकार की विधाओं के पल्लवन की दृष्टि से यथोचित धन व सुविधाएं उपलब्ध कराई थीं। रावण के पास लडाकू वायुयानों और समुद्री जलपोतों के बड़े भण्डार थे। प्रक्षेपास्त्र और ब्रह्मास्त्रों का अकूत भण्डार व उनके निर्माण में लगी अनेक वेधशालाएं थीं। दूरसंचार व दूरदर्शन की तकनीकी-यंत्र लंका में स्थापित थे। राम-रावण युद्ध केवल राम और रावण के बीच न होकर एक विश्व युद्ध था। जिसमें उस समय की समस्त विश्व-शक्तियों ने अपने-अपने मित्र देश के लिए लड़ाई लड़ी थी। परिणामस्वरूप ब्रह्मास्त्रों के विकट प्रयोग से लगभग समस्त वैज्ञानिक अनुसंधान-शालाएं उनके आविष्कारक, वैज्ञानिक व अध्येता काल-कवलित हो गए। यही कारण है कि हम कालांतर में हुए महाभारत युद्ध में वैज्ञानिक चमत्कारों को रामायण की तुलना में उत्कृष्ट व सक्षम नहीं पाते हैं। यह भी इतना विकराल विश्व-युद्ध था कि रामायण काल से शेष बचा जो विज्ञान था, वह महाभारत युद्ध के विध्वंस की लपेट में आकर नष्ट हो गया। इसीलिए महाभारत के बाद के जितने भी युद्ध हैं, वे खतरनाक अस्त्र-शस्त्रों से न लड़े जाकर थल सेना के माध्यम से ही लड़े गए दिखाई देते हैं। बीसवीं सदी में हुए द्वितीय विश्व युद्ध में जरूर

हवाई हमले के माध्यम से अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा-नागाशाकी में परमाणु हमले किए थे।

वाल्मीकि रामायण एवं नाना रामायणों तथा अन्य ग्रंथों में पुष्पक-विमान के उपयोग के विवरण हैं। इससे स्पष्ट होता है, उस युग में राक्षस व देवता न केवल विमान-शास्त्र के ज्ञाता थे, बल्कि सुविधायुक्त आकाशगामी साधनों के रूप में वाहन उपलब्ध थे। रामायण के अनुसार पुष्पक-विमान के निमार्ता ब्रह्मा थे। ब्रह्मा ने यह विमान कुबेर को भेंट किया था। कुबेर से इसे रावण ने छीन लिया। रावण की मृत्यु के बाद विभीषण इसका अधिपति बना और उसने फिर से इसे कुबेर को दे दिया। कुबेर ने इसे राम को उपहार में दे दिया। राम लंका विजय के बाद अयोध्या इसी विमान से पहुंचे थे।

रामायण में दर्ज उल्लेख के अनुसार पुष्पक-विमान मोर जैसी आकृति का आकाशचारी विमान था, जो अग्नि-वायु की समन्वयी ऊर्जा से चलता था। इसकी गति तीव्र थी और चालक की इच्छानुसार इसे किसी भी दिशा में गतिशील रखा जा सकता था। इसे छोटा-बड़ा भी किया जा सकता था। यह सभी ऋतुओं में आरामदायक यानी वतानुकूलित था। इसमें स्वर्ण-खंभ, मणि निर्मित दरवाजे, मणि-स्वर्णमय सीढ़ियां, वेदियां (आसन) गुप्त-गृह, अट्टालिकाएं (केबिन) तथा नीलम से निर्मित सिंहासन (कुर्सियां) थे। अनेक प्रकार के चित्र एवं जालियों से यह सुसज्जित था। यह दिन और रात दोनों समय गतिमान रहने में समर्थ था। इस विवरण से ज्ञात होता है, यह उन्नत प्रौद्योगिकी और वास्तुकला का अनूठा नमूना था।

सुशासन, रामराज्य और राम मंदिर

नितेश कुमार मिश्रा

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या है और जब भारत पर मुगलों का शासन था तो उस स्थान पर एक मस्जिद का निर्माण कर दिया गया और धीरे-धीरे अयोध्या श्रीराम की जन्मस्थली से कम और बाबरी मस्जिद के कारण ज्यादा लोकप्रिय होने लगी। परंतु वर्ष 1992 में श्रीराम के भक्तों ने उस तथाकथित बाबरी मस्जिद का विध्वंस कर दिया। मामला तूल पकड़ता हुआ नजर आया तो इसे न्यायलय के समक्ष प्रस्तुत किया गया और प्रभु की कृपा और श्रीराम भक्तों के त्याग, समर्पण और प्रयास से न्यायालय द्वारा सघन जाँच और अनेक तथ्यों और सबूतों के आधार पर यह स्पष्ट किया गया कि विवादित स्थल प्रभु श्रीराम की ही जन्मभूमि है। न्यायलय के इस निर्णय के बाद अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर बनाने का कार्य युद्ध-स्तर पर चालू हुआ जिससे रोजगार के कई अवसर सृजित हुए।

अब 22 जनवरी 2024 को श्रीराम का प्राण-प्रतिष्ठा के साथ मंदिर आम लोगों के लिए खोल दिए जाएंगे। जब लोग यहाँ आयेंगे तो इस क्षेत्र का विकास भी अधिक होगा और रोजगार के अवसर भी दिन-प्रतिदिन बढ़ेंगे। पर्यटन से यहाँ एक अच्छी कमाई की जा सकेगी जिससे देश के विकास में भी योगदान संभव हो पायेगा। यहाँ आकर लोग श्रीराम के जीवन, व्यवहार, आदर्श आदि का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे। जानकारों की माने तो इस मंदिर परिसर में पूरे रामायण काल का वृतान्त दशार्या गया है तो इसके माध्यम से शासन, प्रशासन और राजनीति के क्षेत्र में कार्यरत लोग अच्छी जानकारी एकत्रित कर देश को आगे बढ़ाने में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। श्रीराम के मंदिर में जो 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा का मुहूर्त तय हुआ है इसका एक असर देश के विभिन्न भागों में गर्भवती महिलाओं में भी देखा जा रहा है। हम कुछ चुनींदा गर्भवती महिलाओं की बात कर रहे हैं जिनके प्रसव का दिनांक 22 जनवरी के आस-पास डॉक्टरों द्वारा बताया गया था, ये महिलायें डॉक्टरों से श्रीराम के प्राण-प्रतिष्ठा वाले दिन ही अपने प्रसव कराने की विनती कर रही हैं भले ही इसके लिए इन्हें सिजेरियन ऑपरेशन ही क्यों न कराना पड़े। इस प्रकरण से स्पष्ट होता है कि आज के इस आधुनिक युग में भी जहाँ विज्ञान पुरातन और धार्मिक तथ्यों को हमेशा चुनौती देता है, इस आधुनिक काल की माताएँ भी श्रीराम के जैसा संतान पाने की इच्छा रखती हैं। इससे एक और बात उभर कर आती है कि ये माताएँ अपने बच्चों को श्रीराम के आदर्शों, विचारों, व्यवहारों और आचरण एवं कार्यकलाप को अपनाने के लिए भी प्रेरित करेंगी और इन सब में इस मंदिर का अहम योगदान होगा।

अतः श्रीराम के इस मंदिर से हम यह आशा रखते हैं कि यह मंदिर न सिर्फ भक्तों, पर्यटकों और रोजगार के लिए वरदान साबित होगा।

अब होगा प्राचीन भारतीय विज्ञान का पुनरुत्थान

प्रमोद भार्गव

अयोध्याधाम में श्रीराम मंदिर निर्माण के साथ राम की पुरातन एवं सनातन ऐतिहासिकता के साथ-साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की स्थापना भी हो जाएगी। अब विभिन्न रामायणों में दर्ज उस विज्ञान को भी मान्यता देने की जरूरत है, जिन्हें वामपंथी पूर्वाग्रहों के चलते वैज्ञानिक एवं बुद्धिजीवी न केवल नकारते रहे हैं, बल्कि इनकी ऐतिहासिकता को भी कपोल-कल्पित कहकर उपहास उड़ाते रहे हैं। अतैव यह समय प्राचीन भारतीय विज्ञान के पुनरुत्थान का भी काल है, क्योंकि रामायण और महाभारत कथाएं नाना लोक स्मृतियों और विविध आयामों में प्रचलित बनी रहकर वर्तमान हैं। इनका विस्तार भी सार्वभौमिक है। देश-दुनिया के जनमानस में राम-कृष्ण की मूर्त-अमूर्त छवि बनी हुई है। शायद इसीलिए भवभूति और कालिदास ने रामायण को इतिहास बताया। वाल्मीकि रामायण और उसके समकालीन ग्रंथों में ह्यइतिहासह्न को ह्यपुरावृत्तह्न कहा गया है। गोया, कालिदास के ह्यरघुवंशह्न में विश्वामित्र राम को पुरावृत्त सुनाते हैं। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने रामायण को महाकाव्यात्मक इतिहास की श्रेणी में रखा है। जबकि इन ग्रंथों में विज्ञानसम्मत अनेक ऐसे सूत्र मौजूद हैं, जिनके जरिए नए

आविष्कार की दिशा में बढ़ा जा सकता है। विज्ञानसम्मत अंशों को संकलित कर पाठ्यक्रमों में शामिल करने की जरूरत है। ऐसा करने से मेधावी छात्रों में विज्ञानसम्मत महात्वाकांक्षा जागेगी और भारतीय जीवन-मूल्यों के इन आधार ग्रंथों से मिथकीय आध्यात्मिकता की धूल झाड़ने का काम भी संपन्न होगा। वैसे भी ज्यादातर रामायणों में उल्लेख है की भगवान राम लंका विजय के बाद माता सीता, भाई लक्ष्मण, हनुमान और सुग्रीव के साथ पुष्पक विमान में बैठकर अयोध्या पहुंचे थे।

इतिहास तथ्य और घटनाओं के साथ मानव की विकास यात्रा की खोज भी है। यह तय है कि मानव, अपने विकास के अनुक्रम में ही वैज्ञानिक अनुसंधानों से सायास-अनायास जुड़ता रहा है। ये वैज्ञानिक उपलब्धियां या आविष्कार रामायण, महाभारतकाल मे उसी तरह चरमोत्कर्ष पर थे, जिस तरह ऋग्वेद के लेखन-संपादन काल के समय संस्कृत भाषायी विकास के शिखर पर थी। रामायण का शब्दार्थ भी राम का ह्यअयणह्न अर्थात ह्यभ्रमणह्न से है। तीन सौ रामायण और अनेक रामायण विषयक संदर्भ गंथ, जिनके प्रभाव को नकारने के लिए पाउला रिचमैन ने 1942 में ह्यमैनी रामायणस द डाइवर्सिटी ऑफ ए नैरेटिव ट्रेडिशन इन साउथ एशियाह्न लिखी और एके रामानुजन ने थ्री हंड्रेड रामायण फाइव एग्जांपल एंड थ्री थॉट्स आन ट्रांसलेशन निबंध लिख कर अनर्गल अंशों को गढ़कर सच्चाई को झुठलाया। जबकि इन्हीं रामायणों, रामायण विषयक संदर्भ ग्रंथों और मदन मोहन शर्मा शाही के बृहद् उपन्यास से विज्ञानसम्मत आविष्कारों की पड़ताल की जा सकती है। रामायण एकांगी दृष्टिकोण का वृतांत भर नहीं है। इसमें कौटुम्बिक सांसारिकता है। राज-समाज संचालन के कूट-मंत्र हैं। भूगोल है। वनस्पति और जीव जगत हैं। राष्ट्रीयता है। राष्ट्र के प्रति उत्सर्ग का चरम है। अस्त्र-शस्त्र हैं। यौद्धिक कौशल के गुण हैं। भौतिकवाद है। कणाद का परमाणुवाद है। सांख्य दर्शन और योग के सूत्र हैं। वेदांत दर्शन है और अनेक वैज्ञानिक उपलब्धियां हैं। गांधी का राम-राज्य और पं. दीनदयाल उपाध्याय के आध्यात्मिक भौतिकवाद के उत्स इन्हीं रामायणों में हैं। वास्तव में रामायण और उसके परवर्ती ग्रंथ कवि या लेखक की कपोल-कल्पना न होकर तात्कालिक ज्ञान के विश्व कोश हैं। जर्मन विद्वान मैक्समूलर ने तो ऋग्वेद को कहा भी था कि यह अपने युग का विश्व-कोश है। अर्थात एन-साइक्लोपीडिया ऑफ वर्ल्ड !

लंकाधीश रावण ने नाना प्रकार की विधाओं के पल्लवन की दृष्टि से यथोचित धन व सुविधाएं उपलब्ध कराई थीं। रावण के पास लडाकू वायुयानों और समुद्री जलपोतों के बड़े भण्डार थे। प्रक्षेपास्त्र और ब्रह्मास्त्रों का अकूत भण्डार व उनके निर्माण में लगी अनेक वेधशालाएं थीं। दूरसंचार व दूरदर्शन की तकनीकी-यंत्र लंका में स्थापित थे। राम-रावण युद्ध केवल राम और रावण के बीच न होकर एक विश्व युद्ध था। जिसमें उस समय की समस्त विश्व-शक्तियों ने अपने-अपने मित्र देश के लिए लड़ाई लड़ी थी। परिणामस्वरूप ब्रह्मास्त्रों के विकट प्रयोग से लगभग समस्त वैज्ञानिक अनुसंधान-शालाएं उनके आविष्कारक, वैज्ञानिक व अध्येता काल-कवलित हो गए। यही कारण है कि हम कालांतर में हुए महाभारत युद्ध में वैज्ञानिक चमत्कारों को रामायण की तुलना में उत्कृष्ट व सक्षम नहीं पाते हैं। यह भी इतना विकराल विश्व-युद्ध था कि रामायण काल से शेष बचा जो विज्ञान था, वह महाभारत युद्ध के विध्वंस की लपेट में आकर नष्ट हो गया। इसीलिए महाभारत के बाद के जितने भी युद्ध हैं, वे खतरनाक अस्त्र-शस्त्रों से न लड़े जाकर थल सेना के माध्यम से ही लड़े गए दिखाई देते हैं। बीसवीं सदी में हुए द्वितीय विश्व युद्ध में जरूर हवाई हमले के माध्यम से अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा-नागाशाकी में परमाणु हमले किए थे।

वाल्मीकि रामायण एवं नाना रामायणों तथा अन्य ग्रंथों में ह्यपुष्पक-विमानह्न के उपयोग के विवरण हैं। इससे स्पष्ट होता है, उस युग में राक्षस व देवता न केवल विमान-शास्त्र के ज्ञाता थे, बल्कि सुविधायुक्त आकाशगामी साधनों के रूप में वाहन उपलब्ध थे। रामायण के अनुसार पुष्पक-विमान के निमार्ता ब्रह्मा थे। ब्रह्मा ने यह विमान कुबेर को भेंट किया था। कुबेर से इसे रावण ने छीन लिया।

प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव इक्ष्वाकु वंश के थे

भरतक्षेत्र के उत्तर में हिमवान पर्वत और मध्य में विजयारध पर्वत होने का उल्लेख मिलता है और 'राम' का सबंध भरतक्षेत्र से रहा है जो कि अपने आप अतुलनीय है।

प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव इक्ष्वाकु वंश के थे। इक्ष्वाकु वंश की इसी पृष्ठभूमि से 'सूर्यवंशह्न का उद्भव हुआ है। इसीलिए राम सूर्यवंशी कहलाए। श्रीराम आठवें बलदेव हैं जिसे तिलोयपणत्ती में भी देखा व समझा जा सकता है। वस्तुतः राम पुरुषोत्तम हैं। वे अन्याय एवं अत्याचारों को जड़ मूल से समाप्त करने के लिए जन्म लेते हैं। वे उत्तमोत्तम कर्म करने वाले महापुरुष रहे हैं। वस्तुतः राम अपने युग के पुरुषोतम थे और आज भी पुरुषोत्तम राम बने हुए हैं तथा जनमानस को भी पुरुषार्थ पुरुषोत्तम बनने का सफल संदेश दे रहे हैं।

राम अयोध्यापति दशरथ के पुत्र थे। वैदिक, जैन एवं बौद्ध परंपरा में 'राम' के विविध आदर्श हैं। जो हजारों वर्षों से जन मानस को चेतना का पाठ पढ़ा रहे हैं। 'राम' के चरित्र में आत्मस्वरूप की उत्कृष्ट स्थिति है, जो कि वर्तमान समय में आत्मस्वरूप की ओर अग्रसर करती है। 'राम' के नाम में विश्वव्यापकत्व का रहस्य है। जो उन्हें कालजयी बनाता है प्रत्येक युग के विचारकों ने राम-चरित' को विकसित किया है। जहां वैदिक परम्परा में भगवान विष्णु का अवतार माना है, वहीं जैन मनीषियों व साहित्यकारों ने राम के विश्वव्यापी व्यक्तित्व की दृष्टि से 'शलाका पुरुष' में स्थान दिया है। ये राम प्रत्येक भारतीय भाषा के पटल पर विद्यमान रहे हैं। इसलिए प्राकृत, संस्कृत, अपभ्रंश, कन्नड़, मराठी, गुजराती, राजस्थानी एवं हिंदी काव्यकारों ने उन्हें आदर्शरूप के आधार पर ही प्रस्तुत किया है।

अतः कहा जा सकता है कि राम जन-जन को आचार-विचार के दृष्टिकोण देने वाले पुरुषोत्तम भी रहे हैं। वे साधना के शिखर थे, विपत्तियों में भी सौम्य बने रहने वाले पुरुष नहीं, अपितु जनमानस की आस्था के 'परमसेतु' रहे हैं। उनके जीवन का प्रमुख व परम लक्ष्य प्राणि मात्र के कल्याण के लिए निहित रहा है।

उनका समग्र जीवन दर्शन व्यावहारिक साधना से लेकर चरम लक्ष्य की ओर ले जाने वाला रहा है। जीव दया, करुणा, मृदुता, ऋजुता, तपस्या, संयम, ब्रह्मचर्य एवं सत्यानुभूति भव-मवान्तर से हटाती है और यही जन-जन के राम को पुरुषोत्तम बनाने में सहायक सिद्ध हुई है।

ई है टाटा नगरिया, देख बबुआ...

जमशेदपुर के नार्दन टाउन में द यूनाइटेड क्लब जमशेदपुर का एक प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र है, जिसकी स्थापना 1911 में टाटा स्टील द्वारा मनोरंजन और सामाजिक मेलजोल के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह क्लब शहर की समृद्ध विरासत का प्रतीक है, जो आधुनिक सुविधाओं के साथ पुराने समय की आकर्षण को बनाए रखता है। इस क्लब परिसर में शादियों एवं कारपोरेट कार्यक्रमों के लिए बैन्केट हॉल, गेस्ट हाउस, बार एंड रेस्टोरेंट, स्वीमिंग पुल, फिटनेस सेंटर,लाइब्रेरी, चिल्ड्रेन कार्नर, टेनिस कोर्ट,बॉलिंग एली, बिलियर्ड रुम आदि की सुविधाएं हैं।

ईंट भट्ठे व क्रेशर में पीएलएफआई उग्रवादियों ने जमकर मचाया तांडव, की अंधाधुंध फायरिंग

गोली लगने से एक मजदूर घायल, प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर

पीएलएफआई उग्रवादी संगठन ने पर्चा छोड़ कर ली है घटना की जिम्मेवारी

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। चंदवा में शुक्रवार की रात्रि पीएलएफआई संगठन के लगभग आधा दर्जन की संख्या में हथियार बंद उग्रवादियों ने जमकर तांडव मचाया है। थाना क्षेत्र अंतर्गत हड़गढ़वा स्थित फिरोज अहमद के ईंट भट्ठे व संतोष कंस्ट्रक्शन के साइट पर रात्रि लगभग 9:30 बजे पीएलएफआई का दस्ता अचानक धावा बोल दिया, सभी अपराधी अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे, सबसे पहले अपराधी ईंट भट्ठा पहुंचे जहां अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, इस दौरान भट्ठे में मौजूद एक मजदूर अलीम अंसारी (लोहरदगा) के कमर में गोली लगी।

ईंट भट्ठे में घटना को अंजाम देने के बाद उग्रवादी संतोष कंस्ट्रक्शन के क्रेशर पहुंचे, यहां भी कर्मियों का मोबाइल छीन लिया और करीब आधा दर्जन राउंड फायरिंग भी की। जाते-जाते पीएलएफआई संगठन के सूर्या कुजूर उर्फ तूफान जी के नाम से पर्चा छोड़कर घटना की जिम्मेवारी भी ली है। पर्चा में बिना बात किए काम करने पर फौरी कार्रवाई की धमकी भी दी गई है। इधर घटना के बाद भट्ठा मालिक व क्रशर संचालक के द्वारा घायल युवक को चंदवा सीएचसी पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए, बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। इधर घटना की सूचना के बाद चंदवा पुलिस की टीम भी अस्पताल पहुंची व घटना की जानकारी लेकर अग्रतर कार्रवाई में जुट गई है।

सरहुल मेला देखने गये चोर ने घर को निशाना बनाया

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के सदमा निवासी राजेश उरांव घर में ताला बंद कर पत्नी के साथ सरहुल मेला देखने गया था। वापस आया तो घर में रखे रुपए व जेवरात गायब मिले। बताया गया कि गुरुवार को प्रखंड क्षेत्र के मुन्नापतरा में सरहुल मेला लगा था। राजेश उरांव मेला देखने गया था। रात को घर वापस नही लौटा और अपने ससुराल हुंदूर पिठोरिया चला गया। घर खाली देख चोरों ने घर का ताला तोड़ अंदर घुसे और रुपए व जेवरात चोरी कर ले गए। शुक्रवार की सुबह जब घर पहुंचे। घर का दरवाजा का ताला टूटा था। घर के अंदर समान बिखरे थें। अलमिरा का तोला तोड उसमें रखे 21 हजार रुपए सहित लगभग 70 हजार के जेवरात गायब थें। जानकारी मिलने पर आसपास के लोगों के साथ मुखिया सुनील उरांव पहुंचा। घटना की जानकारी ली और घटना के प्रति दुख जताया। कहा मजदूरी कर कुछ रुपए व जेवरात जमा किए थें। वह भी चोरी हो गई। पुलिस को सूचना दे दी गई है।

ओरमांझी में निकली 501 महिलाओं का कलश यात्रा

ओरमांझी में कलशयात्रा में शामिल महिलाएं।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। श्रीश्री महावीर पूजा समिति द्वारा शुक्रवार को श्रीश्री बजरंग बली शिव महादेव मंदिर जीदु ओरमांणी की प्रथम वार्षिकोत्सव पर 501 महिलाओं की कलशयात्रा निकाली गई। कलशयात्रा मंदिर परिसर से निकली व विभिन्न गांव होते हुए भैरवी नदी जलाशय पर पहुंची। जहां विधिवत पूजा व मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भरा गया। वहां से वापस कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। इस दौरान भगवा झंडा लिए लोग जयश्रीराम व हनुमान जी का जयकारा लगा रहे थें। वहीं शाम को भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कलशयात्रा व धार्मिक आयोजनों में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का उत्साह की सराहना की, और कहा धार्मिक आयोजनों को सफल बनाने में भक्ति के साथ उत्साह जरूरी है। कार्यक्रम में जिप सदस्य सरिता देवी, पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रणधीर चौधरी, जलेश्वर महतो, अध्यक्ष सुधीर मिश्रा, सचिव सिकंदर मुंडा, महावीर महतो, दामोदर गोप, संजय यादव, गोपाल प्रसाद, अर्जुन बेदिया, बालगोविंद मिश्र, रविंद्र ओहदार, विजयधर ओहदार, रमेश मुंडा, भुजु मुंडा, निर्मल मुंडा, लालदीप पाहन, महेष यादव, दीपक मिश्रा, शंकर यादव, लोकनाथ पाहन, धनंजय यादव, जगदीश पाहन, गोपाल करमाली, गणेश महतो, दिलेश्वर यादव सहित काफी संख्या में महिलायें शामिल थी।

ओरमांझी में चैती दुर्गा पूजा की धून

ओरमांझी में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के ओरमांझी व कुच्चू में चैती दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाई जा रही है। पूजा समिति ओरमांझी द्वारा दुर्गा मंदिर ओरमांझी में व चैती दुर्गा सह रामनवमी मेला समिति द्वारा कुच्चू में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जा रही है। समिति के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि शुक्रवार को महासप्तमी पूजा व आरती की गई। वहीं पूजा व आरती में काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। वहीं शनिवार को महाष्टमी पूजा व रविवार को नवमी पूजा की जाएगी। वहीं रविवार को ही रामनवमी के अवसर पर बाजार मैदान ओरमांझी में झंडा मिलन सह भव्य रामनवमी मेला का आयोजन होगा। वहीं सोमवार को कुच्चू में आयोजित रामनवमी मेला में अस्त्र-चालन प्रतियोगिता का आयोजन होगा। पूजा व मेला का सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों के साथ ग्रामीण भी लगे हुए हैं।

एक नजर में

श्री महावीर मंडल पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष बने शैलेश्वर दयाल सिंह

रांची। श्री महावीर मंडल पश्चिम क्षेत्र की बैठक शुक्रवार को श्री विश्वनाथ शिव मंदिर प्रांगण पिस्का मोड़ में संपन्न हुई। इस बैठक में रातू रोड सुखदेव नगर, पंडरा, इटकी रोड, बाजरा, हेसल आदि क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित हुए। बैठक में सर्वसम्मति से शैलेश्वर दयाल सिंह को महावीर मंडल पश्चिम क्षेत्र का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में मुख्य रूप से संयोजक शशि सिंह, पिस्का मोड रामनवमी पूजा समिति के अध्यक्ष मनमोहन पांडे, समाजसेवी नवीन कुमार, राजीव कुमार, कमलेश सिंह, अजय गुप्ता, नामित लाल, नीरज कुमार, निलेश सारंगी, कीनू तिवारी, सुनील सिंह, अप्पू द्विवेदी, राजीव सिंह, विजय प्रभाकर, सत्य प्रकाश मिश्रा, पन कृष्णा घोष, आदि उपस्थित रहे।

सरहुल मिलन समारोह में पहुंचे विधायक

अनगड़ा। प्रखंड के हेसल खोपी सरना स्थल में शुक्रवार को सरहुल मिलन समारोह में मुख्य अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने पहुंचकर जल अर्पित किया और राज्यवासियों के कल्याण के लिए प्रेरणादायक कामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, सरना समिति के सदस्य और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि सरना स्थल आदिवासी समाज की आस्था और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने समुदाय से अपनी परंपराओं को सहेजने और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने की अपील की। साथ ही, उन्होंने जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि आदिवासी समाज का अस्तित्व इन्हीं से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की गई और सामुदायिक एकजुटता का संदेश दिया गया। विधायक ने कहा कि राज्य की समृद्धि और सामाजिक सौहार्द के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

बजरंग बली की मूर्ति को कराया नगर भ्रमण

अनगड़ा। बीसा स्थित जसपुरिया बीएड कालेज सभागार में स्थापित बजरंग बली मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा के दूसरे दिन शुक्रवार को बजरंग बली की मूर्ति को नगर भ्रमण कराया गया। शाम में वेदी पूजन हुआ। इसमें जिला परिषद सदस्य राजेन्द्र शाही मुंडा शामिल हुए। नगर भ्रमण के दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वेदी पूजन में जसपुरिया बीएड कालेज के चेयरमैन जैलेन्द्र कुमार सपत्नीक शामिल हुए। वैदिक विधि विधान से पूजा बिटटू पांडेय व पं. ईश्वरचन्द्र गोस्वामी, डॉ. बीसी गौड़ व बटेश्वर गोस्वामी करा रहे है। इस अवसर पर संजय मेहता, फागुराम बेदिया, चंदन बड़ाइक, शालिग्राम बड़ाइक, अजय लोहारा, बादल बड़ाइक, बसंत बड़ाइक,रजनी देवी, काजल गोस्वामी, बिरसा उरांव, चाकू बड़ाइक, पवन लोहारा आदि सहित अन्य उपस्थित थे।

बकरी चोरी करते रंगे हाथ पकड़े गये दो चोर

अनगड़ा। अनगड़ा थाना क्षेत्र में बकरी चोरी कर भाग रहे दो चोरों को पुलिस ने रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अजहर इमाम (पिता-अली इमाम) और इरसाद अंसारी (पिता- असलम अंसारी), दोनों निवासी कांटा टोली, थाना सदर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ये दोनों चोरी की बकरी लेकर भागने की कोशिश कर रहे थे, तभी स्थानीय ग्रामीणों को उन पर संदेह हुआ। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना अनगड़ा थाना को दी। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया और थाने ले आई। पूछताछ के दौरान उन्होंने चोरी की बात स्वीकार की। थाना प्रभारी हीरालाल साह ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गांव में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से परेशान स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की मांग की। पुलिस ने भी लोगों को सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने की अपील की है।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके विरोध प्रदर्शन

इटकी। वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ इटकी में शुक्रवार को मुसलमानों ने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। जुमा की नमाज के बाद इटकी जामा मस्जिद के समीप दर्जनों लोगों ने हाथों में तख्तियां लिए थे। काला कानून नही चलेगा, मुसलमानों के धार्मिक स्थानों को छेड़ना बंद करो आदि नारे लिखे तख्तियां लेकर वक्फ संशोधन बिल और केंद्र सरकार के खिलाफ जम कर नारे लगाए। मौके पर मुस्लिम अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष अफसर इमाम ने कहा कि आज का दिन मुसलमानों के लिए काला दिन है। वक्फ संशोधन बिल लाकर केंद्र सरकार वक्फ की संपत्ति को हड़पना चाहती है। मुसलमान इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। ये बिल जब तक वापस नहीं हो जाता हमारा आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर मुफ़्ती हशमतुल्लाह इशाति, मुर्तजा आलम, वसीम इकबाल व सईद अंसारी ने संबोधित किया। मौके पर उप प्रमुख परवेज राजा, गुलजार अंसारी, कारी तैयब, आरिफ इकराम, इनामुल हक, फिरोज आलम, रकीब अंसारी सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने चार दिवसीय छठ अनुष्ठान को किया पूर्ण

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय समेत प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व चैती छठ संपन्न हो गया। शुक्रवार की अहले सुबह व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार के सुख-शांति के लिए भगवान भास्कर एवं छठी मईया से प्रार्थना की। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने पारण कर 36 घंटे के निर्जला व्रत को समाप्त किया। गुरूवार को व्रतियों द्वारा अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया था। बेड़ो के डुकु तालाब में बांस के बने सूप में नारियल, मौसमी फल तथा अन्य पूजन सामग्री लिए पानी में खड़े होकर व्रतियों ने प्रकृति के ऊर्जा के सबसे स्त्रोत सूर्य की उपासना की। व्रतियों ने उगते हुए सूर्य को दूसरा अर्घ्य दिया तथा सूर्य देव से मन्नत मांगी। वहीं सुहागिन महिलाओं ने व्रतियों से सिंदूर लगवा कर आशीर्वाद लिया। व्रतियों ने लोगों के बीच छठ का प्रसाद वितरण किया। ऐसा माना जाता है कि सूर्य की एक पत्नी का नाम प्रत्यूषा था और ये अर्घ्य उन्हीं को दिया जाता है।

छठ पूजा का है बड़ा महत्व

आस्था का महापर्व साल में दो बार कार्तिक माह एवं चैत्र माह में मनाया जाता है।छठ पूजा मुख्य रूप से भगवान सूर्य की उपासना है। इस माह में सूर्य मीन राशि में होते हैं तथा यह उच्च राशि की ओर अग्रसर होते हैं। यह व्रत करने वाले श्रद्धालु नदी व जलाशय में या घर में गंगा जल मिला कर स्नान करके व्रत का शुभारंभ करते हैं।यह पर्व नहाय खाय से आरंभ होकर चार दिनों तक चलता है। प्रातः कालीन उदीयमान भुवन भास्कर को अर्घ्य देकर इस व्रत का पारण होता है।

कलशयात्रा में 551 कन्याओं व महिलाओं ने भाग लिया

ठाकुरगांव। थाना क्षेत्र के उरुगुट्ठ गांव स्थित उरुगुट्ठ देवी मंडप में शुक्रवार को एकदिवसीय विशेष पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कलशयात्रा के साथ हुई। कलशयात्रा में 551 कन्याओं व महिलाओं ने भाग लिया। कलशयात्रा के दौरान महिलाओं के गगनचुंबी जयघोषों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। कलशयात्रा के पश्चात आचार्य रुद्रनाथ मिश्रा के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच आचार्य वर्ण, वेदीपूजन, मां भगवती का विशेष पूजन, नौ कन्या पूजन, हवन व भंडारा आदि अनुष्ठान किये गये। कार्यक्रम के आयोजन में लाल अमन शाहदेव, पप्पू बैठा, जयप्रकाश सिंह,लाल मृतुन्जय शाहदेव, हरिप्रसाद महतो, रामदयाल महतो, मनोज महतो, राजू नायक, मुखिया पूजा किस्पोट्टा, लाला महली, पंसस तारा देवी आदि की सराहनीय भूमिका रही।

डीएवी पब्लिक स्कूल बुंडू में वैदिक शिविर का भव्य समापन, अनुशासन और संस्कार का दिया गया संदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

बुंडू। महात्मा एनडी ग्रोवर डीएवी पब्लिक स्कूल बुंडू में आयोजित वैदिक प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर लगभग 450 छात्र-छात्रायें, 200 से अधिक अभिभावक और शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत यज्ञ के साथ हुई, जिसमें यजमान के रूप में विद्यालय के प्राचार्य दीपक कुमार जी ने भाग लिया। यज्ञ के उपरांत कोलकाता से पधारे आचार्य योगेश शास्त्री जी ने यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यज्ञ केवल अग्नि में आहुति देना नहीं, बल्कि जीवन में अच्छाइयों को अपनाना और बुराइयों को छोड़ना भी यज्ञ का ही एक रूप है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन और चरित्र निर्माण के महत्व को समझाते हुए कहा कि एक साधे सब सधे, सब साधे सब जाए, अर्थात यदि अनुशासन को साध लिया जाए, तो सफलता अपने आप प्राप्त हो जाती है। समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं, खेलों और अनुशासन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसके बाद मौखिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ, जिसमें अशोक पाठक ने रोचक प्रश्न पूछे। छोटे-छोटे विद्यार्थियों ने रांची के नामकरण, पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना और वेदों की महत्ता जैसे विषयों पर सटीक उत्तर देकर सभी को प्रभावित किया और खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में पटना से पधारे सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक पं. सत्यप्रकाश जी ने अपने भक्तिमय भजनों से समा बांध दिया। इसके अलावा डीएवी नंदराज मॉडर्न स्कूल की हेडमिस्ट्रेस श्रीमती कौर भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। समापन अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य दीपक कुमार ने अतिथियों एवं सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अनुशासन, सही दिशा में कड़ी मेहनत और समर्पण-इन तीन सूत्रों को अपनाने से जीवन में सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होती है। अतिथियों को सम्मानस्वरूप शाल और स्मृति चिह्न भेंट किए गए। अंत में शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

माउंट कार्मेल स्कूल ओरमांझी में विद्यारंभा कार्यक्रम | **स्कूल में बच्चों का पहला दिन सफर बना यादगार**

नन्हे कदम का पहला दिन बैंड के साथ स्कूल में स्वागत

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि गण।

नृत्य प्रस्तुत करते स्कूल के छोटी बच्चियां।

बच्चों व अतिथियों को बैंड बजा कर स्वागत करते।

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। मांउट कार्मेल स्कूल ओरमांझी में शुक्रवार को विद्यारंभ कार्यक्रम आयोजित कर पहली बार स्कूल पहुंचे नन्हे-मुन्हे बच्चों का बैंड बाजे के साथ स्वागत किया गया। सभी बच्चें अपने अभिभवक व माता पिता के साथ स्कूल पहुंचे थें। कुछ बच्चें अपनी मां का अंगुली पकड़े थें तो कोई गोद में अपनी स्वागत का आनंद उठा रहे थें। वहीं मीडिल कक्षा की छात्रायें बच्चों का तीलक कर आरती कर स्वागत किया। यह सब देख अतिथि के साथ बच्चों के माता-पिता भी प्रसन्न व सरहाना कर रहे थें। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों द्वारा नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीडीओ कामश्वर बेदिया ने कहा स्कूल में प्रवेष करते ही शिक्षा के दृष्टि से काफी बेहतर एहसास सुखद एहसास होता है। बिरसा जैविक उद्यान के पिछे शांत वातावरण में शिक्षा का दीप जल रहा है। उन्होने कहा बच्चों का जन्म के जैसा शिक्षा का पहला कदम का यादगार बनाने का सरहानीय पहल है। उन्होने शिक्षा को जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण बताया और उपस्थित अभिभावकों से अपील करते हुए कहा बच्चों का एक हांथ में कीताब व दुसरे हांथ शिक्षक को दे देना चाहिए। कहा शिक्षा के बीना कोई भी मंजील प्राप्त नही हो सकता, और शिक्षा है तो कोई भी मंजील प्राप्त की जा सकती है। वहीं कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने शिक्षा के बीना जीवन अधुरा बताया, कहा बच्चे कची मिट्टी के सामान होते हैं। उन्हे जिस रूप में ढाले ढल जाते हैं। आज छोटो पैधे है कल बरगद का पेड़ बन समाज को विकास रूपी छाया देने का कार्य करेगें। उन्होने शिक्षा के साथ खेल को भी जरूरी बताया, कहा शिक्षित हो और माता-पिता व गुरूजनों को सम्मान नही दे तो वैसी शिक्षा बेकार है। बच्चों को संस्कारी शिक्षा भी देना जरूरी है। विद्यालय के निदेषक फादर दीपक व प्राचार्य शिस्टर ब्रिजिट ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, और अभिभावकों को विद्यालय की अनुसासन की जानाकरी दी, कहा अपने बच्चे को नर्सरी में नमांकान के बाद 12वीं तक की शिक्षा के लिए निश्चिंत रह सकते हैं। बताया क्षेत्र के 90 प्रतिषत लोग गरीबी रेखा के निचे हैं। इस लिए माउंट कार्मेल स्कूल में बच्चों का फीस काफी कम लिए जाते हैं। यहां डॉक्टर व इंजीनियर के बच्चों के साथ चालक व किसान के बच्चों को भी साथ पढ़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जिप सदस्य सरिता देवी ने भी कार्यक्रम व स्कूल की सराहना किया। पूर्व उपमुखिया आफताब अंसारी, जलेश्वर महतो, शिक्षक, छात्र-छात्राएं व अभिभावक आदि उपस्थित थें।

आखिरी वक्त में मुंबई से लखनऊ ने छीन लिया मैच

लखनऊ ने मुंबई को 12 रनों से हराया, सूर्यकुमार की कोशिश गई बेकार

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ सुपरजाइंट्स ने अपने घर में मुंबई इंडियंस को 12 रन से हरा दिया। लखनऊ की चार मैचों में से यह दूसरी जीत है। मैच में टॉस हारने के बाद लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 203 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में पांच बार की चैंपियन मुंबई ने आखिरी ओवर में 191 रन ही बना सकी। आइपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस की यह चार मैचों में से तीसरी हार है। इस हार के साथ मुंबई की टीम अब 7वें स्थान पर आ गई है। लखनऊ के खिलाफ एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरूआत कुछ खास नहीं रही थी। मुंबई के दोनों ओवर बल्लेबाज विल जैक्स और रयान रिकेल्टन जल्दी आउट हो गए। इसके बाद मुंबई के लिए नमन धीर और सूर्यकुमार यादव ने मिलकर मोर्चा संभाला। नमन धीर मुंबई के लिए 24 गेंद में 46 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इसके बाद सूर्यकुमार यादव ने सधी हुई बैटिंग करते हुए टीम के स्कोर को 150 रन के पार पहुंचाया। सूर्यकुमार यादव के आउट होने के बाद हार्दिक पंड्या बल्लेबाजी के लिए आए, लेकिन बल्लेबाजी में वह टीम के लिए संघर्ष करते हुए दिखे।

तिलक वर्मा को होना पड़ा रिटायर हर्ट

सूर्यकुमार के आउट होने के बाद तिलक वर्मा और हार्दिक की जिम्मेदारी थी कि वह मैच को फिनिश करें, लेकिन लखनऊ के गेंदबाजों ने आखिर के तीन ओवर में दोनों बल्लेबाजों को बांध कर रख दिया। मुंबई को अंतिम 12 गेंद में जीत के लिए 19 रन की जरूरत थी, लेकिन 19वें ओवर में शार्दुल ठाकुर ने सिर्फ 6 रन खर्च किए। इसके कारण कप्तान हार्दिक पंड्या ने तिलक वर्मा को रिटायर हर्ट कर पवेलियन वापस भेज दिया। तिलक की जगह मिचेल सैंटनर को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, लेकिन कप्तान का फैसला कारगर नहीं हो पाया। अंतिम ओवर में मुंबई को जीत के लिए 22 रन बनाने थे। लखनऊ के लिए आवेश खान आखिरी ओवर करने आए। हार्दिक ने आवेश को पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। हालांकि, इसके बाद आवेश ने दमदार वापसी की और बाकी के पांच गेंद में 3 रन ही खर्च किए। इस तरह आखिरी ओवर के रोमांच में मुंबई इंडियंस की टीम 12 रन से हार मिली।

आइपीएल मैच में पांच विकेट लेने वाले पहले कप्तान बने हार्दिक

हार्दिक ने अपने शानदार स्पैल के दम पर आइपीएल में इतिहास रच दिया और वह मैच में पांच विकेट लेने वाले पहले कप्तान बन गए। उनसे पहले आइपीएल में किसी कप्तान ने मैच में पांच विकेट लेने का कारनामा नहीं किया है। हार्दिक ने इसके साथ ही गेंद से टी20 क्रिकेट का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहला खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न्यूजीलैंड के खिलाफ 2023 में अहमदाबाद में खेले गए मैच में 16 रन देकर चार विकेट लेना था। हार्दिक ने इसके साथ ही पूर्व दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले की बराबरी कर ली है।

लखनऊ 203/8 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
मिचेल मार्श कै. एंड बो. पुथूर	60	31	09	02
मार्करम कै. बावा बो. हार्दिक	53	38	02	04
पूरन कै चाहर बो. हार्दिक	12	06	01	01
पंत कै बॉश बो. हार्दिक	02	06	00	00
बदोनी कै. रिकेलटन बो. कुमार	30	19	04	00
मिलर कै. धीर बो. हार्दिक	27	14	03	01
अब्दुल समद कै धीर बो. बोल्ट	04	02	01	00
शार्दूल ठाकुर नाबाद	05	02	01	00
आकाश कै. सैंटनर बो. हार्दिक	00	01	00	00
आवेश खान नाबाद	02	01	00	00

अतिरिक्त : 08

विकेट पतन : 76-1, 91-2, 107-3, 158-4, 173-5, 182-6, 200-7, 200-8.

गेंदबाज : ट्रेंट बोल्ट : 3-0-28-1, दीपक चाहर : 2-0-23-0, अश्विनी कुमार : 3-0-39-1, मिचेल सैंटनर : 4-0-46-0, विघ्नेश पुथूर : 4-0-31-1, हार्दिक पंड्या : 4-0-36-5.

मुंबई 191/5 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
जैक्स कै रवि बो. आकाश दीप	05	07	00	00
रिकेलटन कै रवि बो. शार्दूल	10	05	02	00
नमन धीर बो. दिग्वेश सिंह	46	24	04	03
सूर्यकुमार कै. समद बो. आवेश	67	43	09	01
तिलक वर्मा रिटायर्ड आउट	25	23	02	00
हार्दिक पंड्या नाबाद	28	16	02	01
मिचेल सैंटनर नाबाद	02	02	00	00

अतिरिक्त : 08

विकेट पतन : 11-1, 17-2, 86-3, 152-4, 180-5.

गेंदबाज : शार्दूल ठाकुर : 4-0-40-1, आकाश दीप : 4-0-46-1, आवेश खान : 4-0-40-1, दिग्वेश सिंह : 4-0-21-1, रवि बिश्नोई : 4-0-40-0.

दिल्ली को कड़ी चुनौती पेश करने को तैयार सीएसके

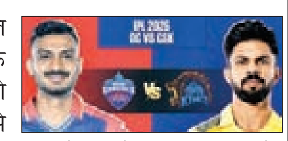

चेन्नई। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुश्किल मुकाबले में जीत के साथ शुरूआत करने के बाद घरेलू मैदान पर चेन्नई शनिवार को आइपीएल के मुकाबले में आत्मविश्वास से भरी दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी। लगातार दो हार के बाद भी सीएसके को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं दिल्ली अपने पिछले दो मैच जीत कर लय हासिल कर चुकी है। पांच बार की विजेता सीएसके के सामने सबसे बड़ी समस्या टीम के संयोजन और संतुलन को सही करना है। शीर्ष क्रम पावर प्ले में विकेट बचाने और अन्य टीमों की तरह तेजी से रन बनाने में विफल रहा है। यह भी चिंता का विषय है कि सीएसके को बीच के ओवरों में नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आइपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
पंजाब	02	02	00	00	04	+1.485
दिल्ली	02	02	00	00	04	+1.320
बेंगलुरु	03	02	01	00	04	+1.149
गुजरात	03	02	01	00	04	+0.807
कोलकाता	04	02	02	00	04	+0.070
लखनऊ	04	02	02	00	04	+0.048
मुंबई	04	01	03	00	02	+0.108
चेन्नई	03	01	02	00	02	-0.771
राजस्थान	03	01	02	00	02	-1.112
हैदराबाद	04	01	03	00	02	-1.612

पर्पल कैप
09 विकेट
नूर अहमद
चेन्नई

ऑरेंज कैप
201 रन
निकोलस पूरन
लखनऊ

रोमांचक होगी श्रेयर अय्यर और संजू सैमसन की जंग

चंडीगढ़। आइपीएल 2025 सीजन में पहले से ही रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं, लेकिन शनिवार को पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच होने वाला मुकाबला ज्यादा दिलचस्प होने के आसार है। इस मुकाबले के केंद्र में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर और राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन होंगे। दोनों खिलाड़ियों ने अपने हिस्से की असफलताओं को सहन किया है, लेकिन फिर से सुर्खियों में हैं और अपनी टीमों को आइपीएल का खिताब दिलाने के लिए दृढ़ हैं।

बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन स्पर्धाओं में स्कोरिंग प्रणाली की करेगा जांच

बीजिंग। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) मई 2025 से शुरू होने वाले 10 अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंटों में एक नई स्कोरिंग प्रणाली का परीक्षण करेगा। परीक्षण नियमों के तहत, मैच बेस्ट-ऑफ-थ्री गेम के रूप में खेले जाएंगे, जिसमें प्रत्येक गेम 15 अंक तक पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी द्वारा जीता जाएगा। यदि 14-14 से बराबरी हो जाती है, तो खिलाड़ी को दो अंकों की बढ़त हासिल करनी होगी, जिसमें खेलों की सीमा 21 अंकों तक होगी।

सप्तक ने जीता अपना पहला खिताब

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सप्तक तलवार ने शुक्रवार को डेढ़ करोड़ रुपये इनामी राशि वाली अदानी आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप 2025 में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों को पांच अंडर 67 के शानदार अंतिम राउंड के साथ मात देकर अपने पहले खिताब के लिए लंबे इंतजार को खत्म कर दिया। जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिसॉर्ट में खेले गए मैच में 26 वर्षीय सप्तक (67-72-69-67) के शानदार अंतिम राउंड के प्रयास ने उन्हें दो स्थान ऊपर उठा दिया। 2021 में पेशेवर बनने के बाद से पीजीटीआई में दो रनर-अप फिनिश दर्ज करने वाले तलवार ने सप्ताह का अंत 13-अंडर 275 के विजयी टोटल और एक-स्ट्रोक की जीत के अंतर के साथ किया।

त्रिकोणीय श्रृंखला से बाहर रहेंगी काप

केपटाउन। आइसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के मद्देनजर दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका में होने वाले आगामी वनडे मैचों के लिए मारिजाने काप को आराम दिया है। दक्षिण अफ्रीका ने इस महीने के अंत में श्रीलंका और भारत के खिलाफ होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला से पहले प्रशिक्षण शिविर के लिए शुक्रवार को 20 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा की। छह से 14 अप्रैल के बीच होने वाले एक सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर में तीन अनकैप्ड खिलाड़ी विकेटकीपर बल्लेबाज कराबो मेसो, ऑलराउंडर मियान स्मिट और स्पिनर सेशनी नायडू शामिल होंगे।

इंग्लैंड के ओली घरेलू सत्र की शुरूआत से बाहर

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली स्टोन घुटने की चोट के कारण जुलाई तक क्रिकेट से बाहर रहेंगे। वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। मार्च में नॉटिंघमशायर के प्री-सीजन दौरे के दौरान अबू धाबी में स्टोन को दाहिने घुटने में काफी तकलीफ हुई थी। स्कैन से पता चला है कि सर्जरी की जरूरत है, जो इस सप्ताह के अंत में होगी जिसके चलते 31 वर्षीय खिलाड़ी अगले 14 सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। अब वह ईसीबी और नॉटिंघमशायर दोनों की मेडिकल टीमों के साथ मिलकर काम करते हुए पुनर्वास शुरू करेंगे।

24 मई को जलवा बिखेरेंगे नीरज चोपड़ा

एजेंसी

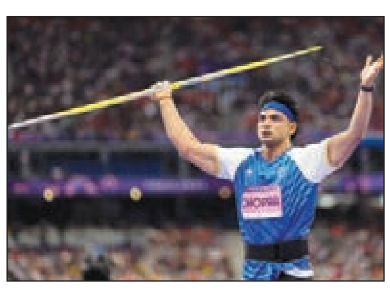

नयी दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा उसी स्थान पर अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं, जहां कभी वह ट्रेनिंग किया करते थे। नीरज वैश्विक भाला फेंक स्पर्धा में हिस्सा लेंगे जो 24 मई को हरियाणा के पंचकुला में आयोजित होगी। पानीपत के करीब खांद्रा गांव के रहने वाले 27 वर्षीय नीरज ने 2012 से 2015 तक पंचकुला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में ही ट्रेनिंग ली थी और अब वह इसी स्थान पर खेलते नजर आएंगे। इस प्रतियोगिता का नाम नीरज चोपड़ा क्लासिक रखा गया है क्योंकि यह भारतीय स्टार इसके आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहा। खेल की संचालन संस्था विश्व एथलेटिक्स ने इस प्रतिस्पर्धा को श्रेणी ए का दर्जा दिया है जो ताऊ देवी लाल स्टेडियम में होगी। इस प्रतिस्पर्धा की आयोजन समिति में नीरज भी शामिल हैं। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि इस टूर्नामेंट से देश की एथलेटिक्स छवि में सुधार आएगा। सागू ने कहा, यह टूर्नामेंट उसी स्थान पर हो रहा है जहां नीरज ने अपने जूनियर शिविर का अधिकांश समय बिताया था। वह इस टूर्नामेंट को अपने गृह राज्य में करवाना चाहते होंगे। नीरज की भागीदारी के साथ देश में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना भारतीय एथलेटिक्स के लिए बहुत अच्छी बात है। नीरज ने हाल में दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी जान जेलेजनी को अपना कोच बनाया है और उनके 16 मई को दोहा डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपना सत्र शुरू करने की उम्मीद है। पंचकुला में होने वाला यह टूर्नामेंट इस सत्र में नीरज की दूसरी प्रतियोगिता होगी। नीरज ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था और वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय एथलीट बने थे।

15वां हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय पुरुष हॉकी चैंपियनशिप में भाग लेने हॉकी झारखंड टीम झांसी रवाना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। 04 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 तक झांसी, उत्तरप्रदेश में आयोजित 15वां हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने के लिए झारखंड हॉकी टीम आज जमेशदपुर से झांसी रवाना हुई। खेल विभाग झारखंड सरकार के सहयोग से 26 मार्च से रांची ने हॉकी झारखंड का विशेष प्रशिक्षण शिविर के बाद 18 सदस्यो की टीम घोषित की गई। तत्पश्चात खेल विभाग के द्वारा सभी खिलाड़ियों को खेल कीट वितरण किया गया। सभी खिलाड़ियों को हॉकी झारखंड और खेल विभाग के अधिकारियों ने शुभकामनाएं दी। पंकज रजक, साइमन बोदरा, प्रेम केरकेट्टा, जयमशीह टूटी, अनुरोध भेंगरा, सुसारन पूर्ति, सुजीत रोशन तिग्गा, नवीन केरकेट्टा, सेम मुंडा, दीपक सोरेंग, आतिश डोडराय, रीतिक रोशन लकड़ा, जोसेफ कोंगारी, बिरसा ओरेया, जोशप टोपनो, डेविड धनवार, जुनुल पूर्ति, भीमसेन किस्कू।

चैपमैन पाक के खिलाफ तीसरे वनडे से बाहर

माउंट माउंगानुई। न्यूजीलैंड को पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मैच में मार्क चैपमैन के बिना खेलना होगा। फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने में विफल रहे हैं। चैपमैन ने नेपियर में सीरीज के शुरूआती मैच में शतक बनाने के बाद फील्डिंग करते समय हैमस्ट्रिंग में चोट लगा ली थी और इसके बाद उन्हें हैमिल्टन में पाकिस्तान के साथ दूसरे मैच से बाहर कर दिया गया, जिसमें कीवी टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा आइओए, बीओए के लिए तदर्थ समिति को खारिज करने के आदेश को दी चुनौती

नयी दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में बिहार ओलंपिक संघ के मामलों की देखरेख के लिए एक तदर्थ समिति के गठन को खारिज करने के आदेश को चुनौती दी। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने एकल न्यायाधीश के फैसले के खिलाफ आइओए की अपील पर राज्य संस्था को नोटिस जारी किया। एकल न्यायाधीश के अनुसार बीओए को अपने प्रबंधन को तदर्थ समिति को सौंपने का निर्णय लेने से पहले संबंधित सामग्री को सुनने या पढ़ने का मौका नहीं दिया गया था, पीठ ने आईओए को प्रक्रिया को नए सिरे से शुरू करने पर जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया।

हितेश ने रचा इतिहास, वर्ल्ड बॉक्सिंग कप ब्राजील 2025 के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय चैंपियन हितेश ने 70 किग्रा के मुकाबले में फ्रांस के माकन ट्रोरे को 5:0 से हराकर वर्ल्ड बॉक्सिंग कप ब्राजील 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। फोज डू इगुआकु में होने वाले विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 के फाइनल में एंट्री कर ली है। वह इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गये हैं। भारतीय मुक्केबाज ने ओलंपियन ट्रोरे के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले की शुरूआत में सतर्क रुख अपनाया, लेकिन हमेशा जवाबी हमले की तलाश में रहे और अंत में विरोधी से एक कदम आगे रहते हुये जीत हासिल कर ली। रणनीति ने हितेश को मुकाबले की गति को नियंत्रित करने में मदद की हालांकि उन्हें तीसरे और अंतिम राउंड में पेनल्टी मिली, लेकिन अंतिम परिणाम में उन्हें जीत मिली। अब उनका सामना फाइनल में इंग्लैंड के ओडेल कामारा से होगा। अन्य भारतीयों में जदुमणि सिंह मंडेंगबाम ने पूर्व एशियाई अंडर-22 चैंपियन उज्बेकिस्तान के असिलबेक जलीलोव से मुकाबला किया, लेकिन 50 किग्रा सेमीफाइनल में 2:3 के साथ हार गये। विशाल को 90 किग्रा सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान के तुराबेक खाबीबुल्लाव के खिलाफ 0:5 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि सचिन को 60 किग्रा मुकाबले में पोलैंड के पावेल ब्राच से हार का सामना करना पड़ा।

क्या बढ़ेगी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि? सबालेंका-जोकोविच जैसे शीर्ष खिलाड़ियों ने की मांग

एजेंसी

वॉशिंगटन। नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, अरिना सबालेंका और कोको गॉफ जैसे 20 प्रमुख टेनिस खिलाड़ियों ने चारो ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग की है। इतना ही नहीं, इन दिग्गज और स्टार टेनिस खिलाड़ियों ने उन्हें प्रभावित करने वाले फैसलों में उनकी बात को अधिक तवज्जो देने की मांग की है। इन स्टार्स ने इस संबंध में चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के प्रमुखों को पत्र लिखा है। यह पत्र 21 मार्च को लिखा गया था।

बैठक रखने की भी की मांग

आस्ट्रेलियाई ओपन के प्रमुख क्रेग टिली हैं, जबकि फ्रेंच ओपन के प्रमुख स्टीफन मोरेल, विंबलडन के प्रमुख सैली बोल्टन और अमेरिकी ओपन के प्रमुख ल्यू शेर हैं। इन सभी को संबोधित करते हुए खिलाड़ियों ने पत्र में इस महीने होने वाले मैड्रिड ओपन के दौरान अपने प्रतिनिधियों और चारों ग्रैंड स्लैम के प्रमुखों के बीच बैठक करने का भी अनुरोध किया है।

जुलाई में इटली में खेली जायेगी होपमैन कप

अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने घोषणा की है कि इस साल का होपमैन कप इटली के दक्षिणी शहर बारी में खेला जायेगा। इस मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इटली, फ्रांस, स्पेन, यूनान, कनाडा और मौजूदा चैंपियन क्रोएशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। इसका आयोजन विंबलडन के एक सप्ताह बाद 16 से 20 जुलाई तक किया जायेगा। होपमैन कप के लिए टीमों में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसके एक मुकाबले में एक पुरुष एकल मैच, एक महिला एकल मैच और एक मिश्रित युगल मैच शामिल होता है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक नहीं मिलते हैं। आस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी हैरी होपमैन के नाम पर, होपमैन कप 1989 में शुरू हुआ और 2020 तक हर साल खेला जाता था। पहले 30 वर्ष तक इसका आयोजन आस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में टेनिस सत्र के पहले सप्ताह में किया जाता था। आखिरी बार इसका आयोजन 2023 में फ्रांस में हुआ था जिसमें क्रोएशिया के डोना वेकिच और बोर्ना कोरिच चैंपियन बने थे।

यह है चारों ग्रैंडस्लैम की पुरस्कार राशि

इस पत्र में पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर हैं, जबकि महिला वर्ग में शीर्ष-11 खिलाड़ियों में से केवल एलिना रयबाकिना के इस पर हस्ताक्षर नहीं हैं। अभी आस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन की कुल पुरस्कार राशि करीब 58 मिलियन डॉलर (करीब 494 करोड़ रुपये) है, जबकि विंबलडन की करीब 64 मिलियन डॉलर (करीब 545 करोड़ रुपये) और अमेरिकी ओपन की लगभग 75 मिलियन डॉलर (करीब 639 करोड़ रुपये) है। इस राशि में से विजेताओं-उपविजेताओं समेत अन्य हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि बांटी जाती है।

एचआइएल ने भारत में 4.1 करोड़ से अधिक दर्शकों को किया आकर्षित

एजेंसी

नयी दिल्ली। हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआइएल) 2024-25 की बहुप्रतीक्षित वापसी ने भारतीय हॉकी में एक नया अध्याय जोड़ते हुए देशभर में खेल के प्रति जुनून को फिर से जीवंत कर दिया है। सात साल के अंतराल के बाद पुरुषों की लीग की वापसी और पहली बार महिला लीग की शुरूआत ने इस संस्करण को ऐतिहासिक बना दिया। हीरो एचआइएल 2024-25 ने उम्मीदों से कहीं बढ़कर प्रदर्शन किया है। इस बार कुल 4.08 करोड़ दर्शकों तक पहुंच दर्ज की गई, जो एचआइएल 2017 के 2.75 करोड़ दर्शकों की तुलना में 48 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है। पुरुषों का फाइनल मुकाबला अकेले 30.7 लाख दर्शकों ने देखा, जबकि महिलाओं का सबसे लोकप्रिय मैच 29.2 लाख दर्शकों तक पहुंचा। भारत के अलावा 18 हॉकी खेलने वाले देशों में 50 लाख से अधिक दर्शकों ने टीवी और ओटीटी के माध्यम से लीग का आनंद लिया। इस बार लीग ने परंपरागत दर्शक वर्ग के अंतर को भी तोड़ा है। कई मौकों पर महिला मुकाबलों को भी पुरुष मुकाबलों के समान दर्शक मिले। 44 पुरुष मुकाबलों को 3.29 करोड़ दर्शकों (2.35 करोड़ टीवी पर और 94 लाख ओटीटी पर) ने देखा, वहीं 13 महिला मुकाबलों को 1.51 करोड़ दर्शकों (1.05 करोड़ टीवी पर और 45.9 लाख ओटीटी पर) ने देखा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, हीरो एचआइएल 2024-25 की सफलता भारत में हॉकी के प्रति गहरे प्रेम का प्रतीक है। प्रशंसकों, ब्रांडों और प्रसारकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया लीग की अपार संभावनाओं को दशार्ती है। हम भविष्य में भी भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सिर्फ टीवी और स्ट्रीमिंग ही नहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी एचआइएल की गूंज सुनाई दी। फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हॉकी इंडिया के 3,000 से अधिक पोस्ट्स पर 1 अरब से अधिक व्यूज दर्ज किए गए, जो एक सक्रिय और जीवंत हॉकी समुदाय का प्रमाण है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो एचआइएल की वापसी केवल आंकड़ों की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रशंसकों और खिलाड़ियों में जागे नए उत्साह के लिहाज से भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही है। महिला लीग की शुरूआत समावेशिता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। हीरो हॉकी इंडिया लीग की यह सफलता टोक्यो ओलंपिक के बाद से हॉकी की बढ़ती लोकप्रियता को भी दशार्ती है, जहां पहले सप्ताह में हॉकी ने कुल 6.9 करोड़ दर्शकों में से 15.2 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की थी।

स्पीड न्यूज

नुरानी मस्जिद, कुम्हारपाड़ा के अध्यक्ष बने मो अलीमाम

दुमका। नुरानी मस्जिद (मरकज), कुम्हारपाड़ा की कमेटी गठन को लेकर शुक्रवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता फारूक अंसारी ने की। बैठक में सदर अध्यक्ष मो अलीमाम उर्फ टिंकू, सचिव अरफी आलम उर्फ टिंकू, कोषाध्यक्ष फारूक अंसारी, साबीर अहमद, नायब सदर, मो शकिल, नायब सचिव मो अफजल को बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में मो सद्दाम, मो शहबाज, जाफर, इमरान, प्रिंस, मिक्कु, शमजद खान, सुमन, वसीम, शहनवाज एवं रागीब को बनाया गया।

जेन-लेयर ने जीजीईएसटीएस को किया सम्मानित

बोकारो। जर्मनी की आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी जेन-लेयर ने गुरु गोबिन्द सिंह एजुकेशनल सोसाइटीज टेक्निकल कैंपस इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज कांड्रा को नवाचार और शिक्षा के उत्कृष्ट सेमिनार आयोजित करने हेतु देश में प्रथम तथा विश्व में दूसरा स्थान प्रदान किया है। कॉलेज के निदेशक डॉ प्रियदर्शी जरुहार ने राकेश कुमार एंबैस्डर इंडिया जेन-लेयर और रजत नाथ कोऑर्डिनेटर जेन-लेयर ईस्टर्न रीजन के हाथों यह अवार्ड और प्रमाण पत्र ग्रहण किया। साथ ही कंपनी ने सौ छात्रों को पांच डॉलर के बराबर रुपए चार सौ टी-शर्ट एवं अल्पाहार प्रति छात्र प्रदान किये। संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह तथा सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने कॉलेज के निदेशक डॉ प्रियदर्शी जरुहार को इस उपलब्धि के लिये बधाई दी तथा छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संयोजन बीबीए की विभागाध्यक्ष प्रो कृतिका चौधरी ने किया तथा मंच का संचालन एमबीए प्रथम वर्ष की छात्रा शिवानी राजहंस ने किया।

विधायक प्रदीप यादव व पूर्व विधायक रंधीर सिंह की हुई पेशी

पेशी के बाद न्यायालय परिसर से निकलते विधायक

दुमका। एमपी एमएलए की विशेष अदालत में कांग्रेस पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव एवं भाजपा पूर्व विधायक रंधीर सिंह की पेशी शुक्रवार को हुई। पेशी विशेष न्यायाधीश सह एसडीजेएम मोहित कुमार चौधरी की अदालत में हुई। केस में गवाही के स्टेज पर था। आज सूचक की गवाही हुई। जहां अभियोजन ने सूचक को पक्षद्रोही करार दिया। अब अगली तिथि 16 अप्रैल को निर्धारित है। यहां बता दें मामला कि 15 सितंबर 2010 का है। जब देवघर में सुखाड़ क्षेत्र घोषित करने की मांग को लेकर तत्कालीन झाविमो पार्टी के विधायक प्रदीप यादव एवं रंधीर सिंह के नेतृत्व में सड़क जाम किया गया था। जाम को लेकर लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था।

बीएंडके के नये महाप्रबंधक का स्वागत

बेरमो। बोकारो एवं करगली क्षेत्र के महाप्रबंधक चितरंजन कुमार का क्षेत्र के इनमोसा पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा पुष्प गुच्छ के साथ उनका सम्मान किया गया एवं परिचय बैठक की गई। इस अवसर पर इनमोसा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार सिंह भी उपस्थित थे। महाप्रबंधक महोदय ने अपना पुराना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इंडस्ट्री में पुराने माइनिंग स्टाफ से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा कि उनका महत्व इसलिए भी है कि वे अधीनस्थ कर्मचारियों के सुरक्षा के प्रति और कोयला उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भी जिम्मेवार होते है।

बोकारो में विस्थापित अप्रेन्टिस का प्रदर्शन, हुआ लाठीचार्ज, एक की मौत, कई हुए घायल

बोकारो बंद से प्लांट का उत्पादन ठप्प

भयावह स्थिति की संभावना प्रबल

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील सिटी में कल की हुई भयावह दुर्घटना से उपजी परिस्थिति अब तबाही के नए मंजर की ओर बढ़ती दिख रही है। नियोजन के मुद्दे पर विस्थापित अप्रेंटिसों और सीआईएसएफ/सुरक्षा बल के बीच हुई मुठभेड़ व लाठीचार्ज के दौरान विस्थापित अप्रेंटिस प्रेम महतो की मौत से आक्रोशित विस्थापितों के बोकारो बंद के आह्वान को भाजपा आजसू जेकेएलएम आप पार्टियों ने समर्थन दिया।

शहर में कोरोना काल जैसा सूनापन व्याप्त रहा। तेलमेच्चो-चास-जैना मोड़ सहित सभी जगह चक्का जाम एवं पूरा बाजार, स्कूल-कॉलेज, सभी कार्यालय व प्रतिष्ठान बंद रहे। कहीं स्वतः स्फूर्त बंदी रही तो कहीं बंद समर्थकों ने कराया बंद। वेदांता ईएसएल के एक बस को आग के हवाले कर दिया गया। दून्दीबाद हटिया क्षेत्र में बंद समर्थकों ने एक दुकान और एक मोटरसाइकिल को आग लगा दी। बीती रात डुमरी विधायक जयराम महतो एवं बोकारो विधायक श्वेता सिंह के समर्थकों के बीच भी झड़प हुई। इधर जिला की उपायुक्त विजया जाधव ने प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक जांच व यथास्थिति की निगरानी सहित अन्य आवश्यक निर्देश दिया है।

बोकारो प्रबंधन ने उपायुक्त की पहल पर मृतक के आश्रित को 20 लाख का मुआबजा और किसी एक आश्रित को संविदा के आधार पर नियोजन देने पर सहमति जताई है। बीएसएल के सीजीएम हरिमोहन झा को गिरफ्तार कर लिया गया है। बंद समर्थकों द्वारा तुपकाडीह के पास नहर काट दिया गया है। प्रेस व मीडिया के साथ भी बंद समर्थक बदतमीजी करते पाए गए। कहीं पत्रकार के वाहन पर तो कहीं उनका मोबाइल छीनने का प्रयास किया गया। जबकि बोकारो प्रबंधन द्वारा समुचित समाधान के निमित्त जिला प्रशासन की पहल पर डीसी कार्यालय के सभागार में बीएसएल के पदाधिकारी, बोकारो विधायक श्वेता सिंह व विस्थापित संगठन सहित संबद्ध लोगों की वार्ता जारी है।

समाचार लिखे जाने तक वार्ता के किसी परिणाम की सूचना नहीं है। प्रबंधन ने एक अपील जारी कर बताया कि किसी भी समस्या का समाधान वार्ता से हो सकता है। चूंकि कोई भी बीएसएल कर्मी प्लांट के अंदर नहीं जा पा रहा है और न ही अंदर के कर्मी बाहर आ पा रहे हैं। बोकारो इस्पात संयंत्र एक थर्मो सेंसिटिव प्लांट है जिसके अंदर संवेदनशील गैस पाइपलाइन का नेटवर्क है जिसे 24 घंटे कड़े सेफ्टी प्रोटोकॉल में रखा जाता है ताकि गैस पाइपलाइन नेटवर्क सुरक्षित रहे। बोकारो इस्पात संयंत्र के सभी गेट जाम कर दिये जाने की वजह से लगभग 5000 लोग प्लांट में 18 घंटे से अधिक समय से भूखे- प्यासे अंदर फंसे हैं। ऐसी स्थिति में प्लांट के सभी ब्लास्ट फर्नेस सहित अन्य प्रमुख उत्पादन इकाइयां कोक ओवन सिंटर प्लांट एस एम एस हॉट स्ट्रिप मिल भी कल रात से ही पूरी तरह से बंद हो गए हैं। गौरतलब है कि प्रमुख उत्पादन इकाइयों के बंद होने से संवेदनशील गैस पाइपलाइन के सेफ्टी प्रोटोकॉल को कायम रखने में भी कठिनाई आ रही है हालांकि भूखे- प्यासे और रात भर जगे होने के बावजूद हमारे कर्मी अभी तक यथासंभव सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित कर रहे है पर यदि यही स्थिति आगे भी बनी रहती है तो सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन करना मुश्किल हो जाएगा जिससे प्लांट और शहर की सेफ्टी पर गंभीर खतरा उत्पन्न होने की संभावना है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए बोकारो संयंत्र प्रबंधन ने जन हित में आंदोलनकरियों से प्लांट गेट से अविलम्ब जाम हटाने का आग्रह किया है। उधर विस्थापित अप्रेंटिस संघ की सभी प्रमुख मांगों- ट्रेनिंग पूरा कर चुके सभी विस्थापित अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं को बीएसएल प्रबंधन 21 दिनों में पद सृजित कर तीन माह के अंदर उन्हें नियुक्ति देने, प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराने व घायलों को बीजीएच में मुफ्त उपचार एवं रु. 10,000/- मुआवजा देने पर सहमति जताई है।

वहीं अन्य मांगों के लिए बीएसएल विस्थापितों के साथ प्रति माह 15 तारीख को जिला नियोजन पदाधिकारी एवं अपर समाहर्ता की उपस्थिति में बैठक कर अनुश्रवण करेंगे। उपरोक्त सभी बातों को लेकर उपायुक्त ने अपर समाहर्ता एवं अनुमंडल पदाधिकारी चास को प्रत्येक माह अनुश्रवण कर अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा है। गौरतलब है कि प्लांट के अंदर फंसे 5000 कर्मी भी मनुष्य हैं, उनकी भी कार्य क्षमता की एक सीमा है। सच्चाई यह भी है कि यदि प्लांट के अंदर गैस के सुरक्षा प्रोटोकॉल की स्थिति बिगड़ी तो बोकारो शहर सहित निकटवर्ती क्षेत्रों में लगभग 40-50 किलोमीटर तक भयंकर तबाही मच सकती है।

पांच महिलाओं की सोने की चैन की हुई चोरी, अफरा-तफरी का महौल

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। शहर के नगर थाना क्षेत्र के बड़ाबांध तालाब में पांच छठव्रती महिलाएं चेन स्नेचिंग की शिकार हो गई। एक साथ महिलाओं के गले से सोने की चेन व मंगलसूत्र को शातिरों ने उड़ा लिया है। यह घटना दूसरी अर्घ्य शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे हुई। सोने की चेन की चोरी होने के बाद छठ घाट में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। पीड़ित महिलाओं के परिजन इधर-उधर चेन चोरी करने वालों की तलाश में जुट गए। परिजनों ने तालाब में तैनात पुलिस कर्मियों से भी शिकायत की। पुलिस भी चेन चोरी करने वालों की तलाश करने लगी।

एक महिला के गले से सोने की चेन चोरी होने से बच गई। महिला के सोने के चेन के लॉक को खोल लिया गया था, लेकिन संयोग से सोने की चेन सरकर ब्लॉउज के अंदर चला गया। जिस कारण उक्त महिला की सोने की चेन चोरी होने से बच गई। अफरा-तफरी होने के बाद सभी महिलाएं अपने-अपने गले में पहने सोने की चेन को देखने लगी। शांति मेडिकल दुकान के प्रोपराईटर की पत्नी भी सोने की चेन देखने लगी तो गले में सोने की चेन नहीं था। वह ध्यान से खोजी तो सोने की चेन ब्लॉउज के अंदर चला गया था। इस मामले में किसी ने थाने से शिकायत नहीं की है। कई महिलाओं के परिजनों ने केवल मौखिक रुप से पुलिस से शिकायत की है। चेन स्नेचिंग की शिकार हुई महिलाओं में अधिकांश 60 वर्ष से उपर की है। पीड़ित महिलाओं में कुलदीप सिंह रोड की वृद्ध महिला लैश देवी, शराब व्यवसायी राजेश राउत की मां, कपड़ा व्यवसायी अरुण केशरी की पत्नी, मिठाई व्यवसायी अभिषेक चौरसिया की मां एवं फल विक्रेता के रिश्तेदार की पत्नी शामिल है। इनमें से तीन लोगों ने ही थाने से शिकायत की है। थाना में एसडीपीओ विजय कुमार महतो ने पीड़ित परिवार वालों से मोबाइल के द्वारा लिए गए फोटों व वीडियो जल्द से जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। कहा कि इन फोटों व वीडियो से ही संदिग्धों की पहचान की जाएगी। पीड़ित लोगों ने एसडीपीओ को बताया कि सोने की चेन चोरी करने वालों में सभी महिलाएं ही शामिल थी। सभी महिलाएं प्रसाद व टिका लगाने के नाम पर छठव्रतियों के नजदीक आ गई और चोरी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस तालाब के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी हुई है। पता चला है कि चोरों ने एक साथ करीब 10 से 15 लाख रुपए के जेवरातों को उड़ा लिया। महिलाओं के गले से सोने की चेन चोरी होने के बाद एसपी ने भी जांच का निर्देश दिए है।

प्रभु राम को वन से वापस लाने के लिए भरत का वन-गमन

प्रेम-धर्म था जिसमें गौण हो जाते है नियम : राजन जी

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। राम जी का वनवास माता पिता की आज्ञा से था, माता जानकी पत्निधर्म का निर्वाह कर रही थी और लक्ष्मण जी सेवक धर्म का लेकिन भरत जी का श्री राम प्रभु को माता जानकी एवम लक्ष्मण जी को वन से वापस लाने के लिए वन-गमन, प्रेम-धर्म है और यह धर्म सबसे पवित्र है। इसमें नियम गौण हो जाते है और रह जाता है तो बस प्रेम। भरत चरित्र पर बोलते हुए जब राजन जी महाराज ने उक्त बातें कही तो पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। बोकारो के सेक्टर 4 स्थित मजदूर मैदान में चल रहे श्री राम कथा आयोजन के आठवें सत्र में कथावाचक राजन जी महाराज राम भरत मिलाप पर बोलते हुए भरत चरित्र की चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भरत स्वयं को उत्पन्न सभी परिस्थितियों का दोषी मान रहे थे लेकिन प्रभु राम ने उन्हें गले लगाकर यह संदेश दिया कि यह सब लीला है और लीलाएं प्रभु-रचना होती है। हर छोटे भाई को भरत जी की भाँति बड़े भाई से प्रेम होना चाहिए। आज जब परिवारों में भाई भाई एक दूसरे से प्रेम का भाव नही रख पाते तो विश्वास नही होता कि यह उसी भरत का भारत है जिन्होंने भाई भाई के प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। जिन घरों में भाई भाई साथ बैठकर ठहाके लगाते है उन घरों को किसी डॉक्टर की जरूरत नही पड़ती। माता शबरी एवम प्रभु राम मिलन के प्रसंग का उदाहरण देते हुए राजन जी ने सभी को संदेश दिया कि विश्वास ही प्रेम है। प्रभु राम, माता जानकी एवम लक्ष्मण जी के अरण्य-विहान पर कहते हुए राजन जी महाराज ने कई प्रंसगो का उल्लेख किया जिससे पूरा पंडाल भावविभोर हो गया।

संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। आज समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त श्री जिशान कमर की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा कोषांग की समीक्षात्मक बैठक आहुत की गई। उपायुक्त के द्वारा पेंशन योजनाओं, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, विधवा पेंशन तथा सामाजिक सुरक्षा कोषांग के अधीन संचालित सभी योजनाओं का प्रतिवेदन प्राप्त कर सभी की बिंदुवार समीक्षा की गई। उपायुक्त के द्वारा लाभुकों को नियमित रूप से पेंशन का लाभ प्रदान करने की दिशा में आवश्यक सतत कार्रवाई करने तथा लाभुकों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिये गए।

इस दौरान अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, सहायक निर्देशक जिला जिला सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी अभय कुमार एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के कर्मीगण मौजूद रहे।

सौहार्दपूर्ण माहौल में रामनवमी पर्व मनाने की अपील

खबर मन्त्र संवाददाता

सभी थाना प्रभारी व बीडीओ/सीओ रहेंगे अलर्ट पर, सोशल मीडिया पर प्रशासन की रहेगी पैनी नजर

बोकारो। आगामी 06 अप्रैल को रामनवमी पर्व के विधि व्यवस्था संधारण को लेकर समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता संयुक्त रूप से उपायुक्त विजया जाधव एवं पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी ने किया। सौहार्दपूर्ण माहौल में रामनवमी का पर्व संपन्न कराने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में डीआरडीए निदेशक मेनका अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार एसडीओ चास प्रांजल ढ़ांडा एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ डीटीओ वंदना शेजवलकर डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी पुलिस पदाधिकारी बीडीओ/सीओ सभी थाना प्रभारी आदि उपस्थित थे। उपायुक्त विजया जाधव ने क्रमवार सभी बीडीओ/सीओ/थाना प्रभारियों से थाना/अंचल स्तर पर आयोजित शांति समिति की बैठक की जानकारी ली। सभी ने शांति समिति की बैठक कर लेने की बात कहीं। बीडीओ/सीओ व थाना प्रभारियों ने क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों व जरूरी ऐतिहात के संबंध में अपनी बात रखीं। उपायुक्त ने बीडीओ/सीओ/थाना प्रभारियों को अलर्ट रहने को कहा। किसी भी तरह की आपत्तिजनक/अश्लील गाने को बजाया नहीं जाएगा। माननीय न्यायालय एवं राज्य सरकार से जो दिशा झ्र निर्देश प्राप्त है उसका दोनों अनुमंडल पदाधिकारी अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराएंगें। अखाड़ा दल अपने वोलेंटियर्रस के नामों की सूची उन्हें अलग टी सर्ट/पहचान पत्र आदि जारी करेंगें। जुलूस का जो निर्धारित रूट है वहीं रहेगा इसमें किसी तरह का कोई बदलाव नहीं होगा। धार्मिक स्थलों पर भी सभी संबंधित सतर्क रहेंगें। अग्निशमन विभाग/स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड में रहने को कहा। अग्निशमन वाहनों/एंबुलेंस को प्रतिनियुक्त करने का संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया मौके पर एसपी मनोज स्वर्गियारी ने कहा कि पर्याप्त संख्या में पुलिस बल जिला को उपलब्ध है। सभी कि प्रतिनियुक्ति कर दी जाएगी। सभी अलर्ट रहकर अपने दायित्वों का निर्वाहन करेंगे। सभी थाना प्रभारी अपने सूत्रों को सक्रिय रखेंगे एवं संवेदनशील क्षेत्रों के बड़ी ईमारतों पर भी पुलिस बल प्रतिनियुक्त करेंगे। डीसी- एसपी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर निगरानी रखने की बात कही। मौके पर मुख्यालय डीएसपी अनिमेश गुप्ता सिटी डीएसपी आलोक रंजन चास सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी/बीडीओ/सीओ एवं थाना प्रभारी आदि उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

डीसी ने शांति समिति की बैठक कर जारी किया गाईड लाईन

दुमका। रामनवमी पर्व को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक इंडोर स्टेडिम में शुक्रवार को आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता डीसी आंजनेयुलु दोड्डे ने की। इस अवसर पर डीसी ने कहा कि रामनवमी के दौरान निकाले जाने वाले जुलुस शांतिपूर्ण ढंग से निकाली जाय।प्रशासन के साथ आमजनों का सहयोग शांतिपूर्ण आयोजन के लिए आवश्यक है। बिना अनुमति के किसी प्रकार का जुलूस नहीं निकाला जाएगा। कहा कि डीजे का इस्तेमाल पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। निर्धारित रुट पर ही जुलूस निकाली जाय। लाइसेंसधारी एवं बिना लाइसेंसधारी समिति अनुमति प्राप्त कर ही जुलूस नकालेंगे।सभी जुलूस के साथ एक वीडियोग्राफर उपलब्ध रहेंगे, जो पूरे जुलूस की वीडियोग्राफी करेंगे। सभी समितियां अपने सदस्यों की सूची उपलब्ध कराएंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी सदस्य अपना पहचान पत्र निश्चित रूप से लगाये रखेंगे। समिति के सदस्य जुलूस के साथ चलने वाले ट्रैक्टर के सभी जरूरी दस्तावेज,ट्रैक्टर के ड्राइवर का ड्राइविंग लाइसेंस, ट्रैक्टर मालिक का पहचान पत्र निश्चित रूप से जमा करेंगे। उन्होंने कहा कि नो एंट्री पॉइंट को चिन्हित कर लें। जिससे जुलूस एवं वाहनों के आवगमन में परेशानी नहीं हो। उन्होंने समिति के सदस्यों से कहा कि रामनवमी त्यौहार को पूरे उत्साह से मनाएं एवं झंडे की ऊंचाई का विशेष ध्यान रखें ताकि हाई टेंसन तारों के संपर्क में नहीं आये।कहा कि प्रखंड स्तर पर आयोजित शांति समिति के बैठक कर प्रेसिडिंग निश्चित रूप से भेज दें।सेन्स्टीव स्थानों को चिन्हित कर के बताएं ताकि फोर्स एवं मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की जा सके। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य केंद्र अलर्ट मोड में रहेंगे। विद्युत विभाग सभी विधुत तार दुरुस्त हैं इस आशय का प्रमाण पत्र निर्गत करेंगे। विधुत विभाग पावर स्टेशन का नंबर शेयर कर देंगे ताकि आमजन विषम परिस्थिति में संपर्क कर सकें। नगर परिषद को निदेश दिया कि अतिक्रमण मुक्त कराते हुए पेयजल सहित जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।कहा कि मजिस्ट्रेट एवं पुलिस फोर्स अगर अपने प्रतिनियुक्त स्थल से अनुपस्थित पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।कहा कि किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं दें।

पेज 1 का शेष

खामोश हो गया...

साल 1968 में उपकार ने बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट स्टोरी और बेस्ट डायलॉग के लिए चार फिल्मफेयर जीते। 1992 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 2016 में उन्हें दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया था। **एक से एक सुपर हिट फिल्में :** मनोज कुमार ने बॉलीवुड को उपकार, पूरब-पश्चिम, क्रांति, रोटी-कपड़ा और मकान सहित ढेर सारी कामयाब फिल्में दीं। इन फिल्मों की वजह से उन्हें दर्शक भारत कुमार के नाम से भी जानते थे। 1957 में उनकी फिल्म फैशन आयी। इसके बाद 1960 में उनकी फिल्म कांच की गुड़िया रिलीज हुई। इसके बाद तो पीछे मुड़कर नहीं देखा। मनोज कुमार ने इसके बाद हिन्दी सिनेमा को उपकार, पत्थर के सनम, रोटी कपड़ा और मकान, संन्यासी और क्रांति जैसी सुपरहिट फिल्में दीं। **शोक की लहर :** पहले इनका नाम हरिकृष्ण गोस्वामी था। दिलीप कुमार और अशोक कुमार की फिल्मों को देखकर इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने एक्टर बनने का निश्चय कर लिया। दोनों के फैन होने के नाते उन्होंने अपना नाम मनोज कुमार रख लिया। उनके निधन की खबर मिलते ही दिग्गज अभिनेता धमेंद्र उनके आवास पर पहुंचे और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अभिनेता अक्षय कुमार, सलमान, प्रेम चोपड़ा, फिल्म निमार्ता करण जौहर और डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री सहित फिल्म मेकर मधुर भंडारकर ने भी दुख जताया है। **बेटा फिल्म में नाम नहीं कमा सका :** मनोज कुमार के बेटे का नाम कुणाल गोस्वामी है। उन्होंने फिल्में में कदम रखा लेकिन सफलता हासिल नहीं हुई। नीले-नीले अंबर पर चांद जब छाए में जो एक्टर नजर आया था, वो मनोज कुमार के ही सुपुत्र थे। गाना तो हिट हुआ लेकिन बेटे के करियर में कुछ खास उछाल नहीं लेकर आया था।

इडी टीम के पहुंचते ही...

नीरज कंसल्टेंट कंपनी से जुड़े लोगों को भी छापेमारी के दायरे में शमिल किया है। इसके अलावा फर्जी दावों के भुगतान में थर्ड पार्टी असेसमेंट (टीपीए) का काम करने वाली कंपनी सेफवे टीपीए के कर्मचारियों दयाशंकर चौधरी के अलावा नेशनल इंश्योरेंस कंपनी कर्मचारी मनीष के ठिकानों को छापेमारी की दायरे में शामिल किया गया है। दयाशंकर चौधरी ने अपना एक अस्पताल भी खोल रखा है। सेफवे प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक इंद्रजोत सिंह को सरकारी बीमा योजना में गड़बड़ी करने के आरोप में अहमदाबाद सीबीआई कोर्ट पांच साल की सजा सुना चुकी है। **मुर्दों के इलाज का भी आरोप :** ईडी ने हजारीबाग के सनसाइन हॉस्पिटल पर भी छापा मारा है। इस अस्पताल पर भी मुर्दों का इलाज करने का आरोप लगा था और अस्पताल को निलंबित कर दिया गया था। हालांकि बाद में इसे फिर से अस्पताल चलाने की अनुमति दे दी गयी थी। हालांकि बाद में इसे बंद कर दिया गया था। **कैसे खुला घोटाले का राज :** उल्लेखनीय है कि भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) की ओर से संसद में आयुष्मान योजना पर रिपोर्ट पेश करने के बाद ईडी ने स्वास्थ्य विभाग से योजना में हुई गड़बड़ी और की गयी कार्रवाई से संबंधित जानकारी मांगी थी। जवाब में राज्य सरकार ने ईडी को पत्र भेज कर आयुष्मान योजना में हुई गड़बड़ी और की गयी कार्रवाई से संबंधित रिपोर्ट भेजी थी। साथ ही गड़बड़ी के सिलसिले में दर्ज की गयी प्राथमिकी की जानकारी दी थी।इडी ने इन प्राथमिकियों के आधार पर इस प्राथमिकी को आर्थिक अपराध सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) के तौर पर दर्ज की थी।

विकास के एजेंडे पर काम...

झामुमो आंदोलन की उपज : कार्यक्रम में सीएम ने ने झामुमो की नींव रखने वाले नेताओं को याद किया। उन्होंने कहा कि यह पार्टी झारखंड आंदोलन की उपज है और इसकी आत्मा राज्य के विकास में बसी है। कोरोना काल के दौरान दिवंगत हुए मंत्रियों को भी उन्होंने नमन किया और उनकी सेवा भावना को सलाम किया। झामुमो का यह स्थापना दिवस कार्यक्रम न केवल संगठन की एकता और शक्ति का प्रतीक बना, बल्कि पार्टी के भविष्य की दिशा भी स्पष्ट की। मौके पर सैकड़ो की संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरकार को मिली...

दरअसल, झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एम.एस.रामचंद्र राव की खंडपीठ ने 1 अप्रैल को सरहुल के जुलूस के दिन अलग-अलग इलाकों में 5 से 10 घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रखे जाने पर आपत्ति जतायी थी। स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कहा था कि बिजली आपूर्ति रोकने से बुजुर्ग, मरीज, गर्भवती महिलाएं, परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र, छोटे बच्चों को काफी परेशानी होती है। जवाब में महाधिवक्ता की तरफ से कहा गया था कि साल 2000 में जुलूस का झंडा बिजली तार के संपर्क में आने की वजह से 29 लोगों की मौत हो गई थी। इसी वजह से सुरक्षा के मद्देनजर बिजली काटनी पड़ती है। महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अपनी दलील में यह भी कहा था कि 6 अप्रैल को रामनवमी का जुलूस निकलना है। इसी तरह 6 जुलाई को मोहर्रम का जुलूस निकलेगा। इन दोनों दिन बिजली आपूर्ति रोकने की जरूरत पड़ेगी। इसपर खंडपीठ ने कहा कि घंटों आवश्यक सेवा को नहीं रोका जा सकता। इसलिए जुलूस के दौरान झंडे के खंभों की ऊंचाई छोटी की जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि मौसम खराब होने या अन्य जरूरी आपात स्थिति में ही बिजली काटी जानी चाहिए। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाईकोर्ट के आदेश पर स्टे लगाने से प्रशासन को बड़ी राहत मिली है क्योंकि झारखंड के अलग-अलग शहरों में रामनवमी का भव्य जुलूस निकलता है। इस दौरान लाखों की संख्या में लोग पारंपरिक हथियारों के साथ शोभा यात्रा में शामिल होते हैं। अलग-अलग महावीर मंडल भव्य महावीरी पताका निकालते हैं। इस वजह से बिजली काटना बेहद जरूरी हो जाता है।

चीन ने अमेरिका पर लगाया 34 प्रतिशत टैरिफ

एजेंसी

वाशिंगटन/नयी दिल्ली/ बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा टैरिफ के जवाब में शुक्रवार को बीजिंग ने अपने टैरिफ की घोषणा की। चीन ने कहा कि वह 10 अप्रैल से अमेरिका से आयातित सभी वस्तुओं पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। ट्रंप के 48 घंटे पहले लागू किए टैरिफ से अमेरिकी और भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। भारत में बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिकी मीडिया की खबरों के अनुसार टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 1,400.87 अंक (3.32 फीसद लुढ़ककर 40,824.45 पर बंद हुआ। टेक हैवी नैसडाक 903.44 अंक (5.13 फीसद) गिरकर 16,697.60 और एसएंडपी 500 इंडेक्स 232.04 अंक (4.09 प्रतिशथ) गिरकर 5,439.73 पर आ गया। यही नहीं, पिछले ट्रेडिंग सेशन में एप्पल के शेयर 9.5 प्रतिशत लुढ़क गए । इसकी वजह चीन से आयात पर कुल 54 प्रतिशत टैरिफ को बताया गया है। आशंका जताई गई है कि अमेरिका में एप्पल के आईफोन की कीमत में इजाफा हो सकता है। इसकी कीमत लगभग 1.97 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। इस टैरिफ ने ग्लोबल ट्रेड वॉर और आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ा दी है।

इस आशंका के बीच गुरुवार को एसएंडपी 500 इंडेक्स से निवेशकों की वेल्थ करीब 2.5 लाख करोड़ डॉलर घट गई। रिस्क वाले एसेट्स से पैसे निकालकर निवेशक सरकारी बॉन्ड में पैसा लगा रहे हैं। कुछ महीनों पहले ट्रंप प्रशासन की कारोबारी नीतियों की उम्मीद में शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर था, लेकिन अब तस्वीर उलट गई।

ऑटो निर्माता स्टेलांटिस ने कहा कि वह अस्थायी रूप से अमेरिका में कर्मचारियों की छंटनी करेगा और कनाडा और मेक्सिको में अपने प्लांट्स को बंद करेगा। जनरल मोटर्स ने कहा कि वह अमेरिका में उत्पादन बढ़ाएगी। कैपिटल अल्फा के फाउंडर पार्टनर जेम्स लुसियर ने कहा उन्हें ऐसा लगता है कि टैरिफ की योजना सोच-समझकर नहीं बनाई गई। अमेरिका प्रमुख अर्थशास्त्रियों का कहना है कि टैरिफ से संयुक्त राज्य अमेरिका में मंदी का खतरा बढ़ गया है। एक औसत अमेरिकी परिवार का खर्च हजारों डॉलर तक बढ़ सकता है।

चीन ने शुक्रवार को कहा कि वह 10 अप्रैल से अमेरिका से आयातित सभी वस्तुओं पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। चीन ने सीधे कहा कि ऐसा करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बाध्य किया। इससे पहले बुधवार को ट्रंप ने अमेरिका में आयातित सभी चीनी वस्तुओं पर अतिरिक्त 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। चीन के स्टेट काउंसिल टैरिफ कमीशन ने जवाबी टैरिफ की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिका का यह व्यवहार अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं है। यह चीन के वैध अधिकारों और हितों को गंभीर रूप से कमजोर करता है और यह एकतरफा धमकाने वाला व्यवहार है। जनवरी में सत्ता में लौटने के बाद से ट्रंप ने पहले ही सभी चीनी आयातों पर 10 फीसद अतिरिक्त शुल्क की दो किश्तें लगाईं। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह देश से अमेरिका में अवैध फेंटेनाइल के प्रवाह को रोकने के लिए आवश्यक था।

अमेरिकी और भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट

- डाउ जोंस एवरेज 1400 अंक लुढ़ककर 40,824 पर बंद
- एप्पल के शेयर 9.5 % लुढ़के
- निवेशकों की वेल्थ करीब 2.5 लाख करोड़ डॉलर घटी

सेंसेक्स 931 और निफ्टी 346 अंक लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। ट्रंप के नए टैरिफ प्रस्तावों और संभावित ट्रेड वॉर को लेकर चिंताओं के कारण बाजार टूट गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स गिरावट के साथ 76,160 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान इंडेक्स 75,240.55 अंक तक फिसला। आखिर में सेंसेक्स 930.67 अंक (1.22 प्रतिशत) गिरकर 75,364.69 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लाल निशान में खुला। कारोबार के दौरान यह 22,857.45 तक चला गया । अंत में 345.65 अंक (1.49 प्रतिशत) की बड़ी गिरावट के साथ 22,904.45 पर बंद हुआ। बाजार में गिरावट की वजह से निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप बाजार बंद होने के समय घटकर 4,03,83,671 करोड़ रुपये पर आ गया। यह गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद 414,16,218 करोड़ रुपये था। यानी निवेशकों की वेल्थ 10,32,547 करोड़ रुपये घट गई।

ट्रेड वॉर से विश्व के 500 अमीरों को लगा 17.73 लाख करोड़ का चूना

नयी दिल्ली। अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी से दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में हड़कंप मचा हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार ग्लोबल लेवल पर बाजारों में आई जोरदार गिरावट के कारण विश्व के टॉप 500 अमीरों की दौलत में 20.80 हजार करोड़ डॉलर यानी करीब 17.73 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। बताया जा रहा है कि कोरोना महामारी के बाद एक दिन में दौलत में आई ये सबसे बड़ी गिरावट है, जबकि पिछले 13 साल के इतिहास में एक दिन में ये चौथी सबसे बड़ी गिरावट है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार बाजार में आई जोरदार गिरावट के कारण सबसे अधिक नुकसान मेटा (फेसबुक) के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग को हुआ है। उनकी दौलत 1 दिन में ही करीब 17.9 अरब डॉलर यानी करीब 9 प्रतिशत घट कर 189 अरब डॉलर के स्तर पर आ गई। इस साल जनवरी से लेकर फरवरी के मध्य तक मेटा के मार्केट कैप में करीब 35 हजार डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन फरवरी के दूसरे पखवाड़े से लेकर अभी तक यह कंपनी लगातार गिरावट का सामना कर रही है। इस अवधि में मेटा के शेयर करीब 28 प्रतिशत तक टूट चुके हैं।

दुनिया भर के बाजारों में आई गिरावट के कारण नुकसान झेलने वालों में दूसरा स्थान अमेजॉन के फाउंडर जैफ बेजॉस का है। अमेजॉन के शेयर गुरुवार के कारोबार में 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो गए।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश में हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भारत की चिंताओं को भी रेखांकित किया। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि दोनों देशों के बीच महौल खराब करने वाली किसी भी बयानबाजी से बचा जाना चाहिए।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रो यूनुस से आग्रह किया कि वे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और उनपर हुए अत्याचार के मामलों की जांच करें। विदेश सचिव के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के प्रति भारत के समर्थन को दोहराया। उन्होंने मुख्य सलाहकार यूनुस को भारत की बांग्लादेश के साथ एक सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की इच्छा को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सीमा पर शांति और सुरक्षा के लिए जरूरी है कि कानून का सख्ती पालन हो और अवैध तौर पर सीमा पार करने पर रोक लगे।

मुख्य सलाहकार यूनुस से मिले प्रधानमंत्री

बिम्सटेक अब आर्थिक सहयोग बढ़ाने का भी काम करे : प्रधानमंत्री

बैंकॉक। भारत ने बिम्सटेक देशों में परस्पर आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए 21 सूत्रीय कार्ययोजना शुक्रवार को पेश की और इस मंच को कनेक्टिविटी के विस्तार के साथ ही सांस्कृतिक बुनियाद पर परस्पर व्यापार एवं डिजीटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में बिम्सटेक देशों के बीच सहयोग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए एक 21 सूत्री कार्य योजना का प्रस्ताव रखा। उन्होंने बिम्सटेक देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने और आईटी क्षेत्र की समृद्ध क्षमता का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने म्यांमार और थाईलैंड में हाल ही में आए भूकंप के मद्देनजर आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में मिलकर काम करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

डीआरडीओ व सेना ने किया मध्यम दूरी की मिसाइल का परीक्षण

नयी दिल्ली । रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और सेना ने ओडिशा के तट से डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार और शनिवार को तेज गति के हवाई लक्ष्यों के खिलाफ मिसाइल के चार ऑपरेशनल फ्लाइट-ट्रायल किए गए। मिसाइलों ने हवाई लक्ष्यों को इंटरसेप्ट कर उन्हें नष्ट कर दिया। परीक्षण लंबी दूरी, छोटी-दूरी, अत्यधिक ऊंचाई और कम ऊंचाई पर चार लक्ष्यों को निशाना बनाकर किये गये थे। इससे सेना की संचालन क्षमता प्रमाणित हुई है। हथियार प्रणाली के प्रदर्शन को एकीकृत टेस्ट रेंज, चांदीपुर द्वारा तैनात रैंडर और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे रेंज इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा कैप्चर किए गए फ्लाइट डेटा के माध्यम से प्रमाणित किया गया। ये परीक्षण डीआरडीओ और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किए गए। इन परीक्षणों ने सेना की परिचालन क्षमता को साबित कर दिया है और दो रेजिमेंटों में हथियार प्रणालियों के संचालन का मार्ग प्रशस्त किया है।

रेलवे की चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनायें हुयीं स्वीकृत

एजेंसी

कैबिनेट का फैसला

- 18658 करोड़ से 1247 किमी बनेगा रेल लाइन
- संबलपुर- जरापदा तीसरी व चौथी लाइन, झारसुगुड़ा-सासोन तीसरी और चौथी लाइन को भी मिली मंजूरी
- अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज-2 को मंजूरी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने 18,658 करोड़ रुपये की लागत वाली रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। तीन राज्यों महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों को कवर करने वाली ये परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 1247 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र (एनएमसी) में पत्रकारों को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि आज जिन परियोजनाओं को मंजूरी मिली है उनमें संबलपुर- जरापदा तीसरी और चौथी लाइन, झारसुगुड़ा-सासोन तीसरी और चौथी लाइन, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा 5वीं और 6वीं लाइन और गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं। यह एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हो पाया है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएंगे और भीड़भाड़ को कम करेंगे। वैष्णव ने कहा कि इन परियोजनाओं के साथ 19 नए स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा, जिससे दो आकांक्षी जिलों (गढ़चिरौली और राजनांदगांव) की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 3350 गांवों और लगभग 47.25 लाख आबादी की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि खरसिया-परमलकासा रेलवे प्रोजेक्ट से छत्तीसगढ़ में वंदेभारत, मेल और एक्सप्रेस आदि नई ट्रेनों की मांग पूरी हो सकेगी। यह 8741 करोड़ रुपये की परियोजना है। इसमें 21 स्टेशन, 48 ब्रिज, 349 छोटे ब्रिज, 14 फ्लाईओवर, 184 अंडरपास, 5 रेल फ्लाईओवर हैं। पूरे रेल नेटवर्क पर भीड़ कम करने के मद्देनजर यह बहुत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा मार्ग से बलौदा बाजार जैसे नए क्षेत्रों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी, इससे क्षेत्र में सीमेंट संयंत्रों सहित नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की संभावनाएं बनेंगी। सरकार ने सीमाओं पर बसे गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम -2 को मंजूरी दी है। इसमें 6,839 करोड़ रुपये का परिव्यय आयेगा। इसे अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बंगाल के चुनिंदा गांवों में होगा लागू।

भूमि सुधार विभाग में एक हजार से अधिक पदों पर होगी नियुक्ति

बिहार में सबसे अधिक अमीन की जल्द होगी बहाली

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में एक हजार से अधिक पदों पर जल्द नियुक्ति होगी। विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, कानूनगो एवं अमीन के अलावा कुछ अन्य पदों पर भी नियुक्ति होने जा रही है। मालूम हो कि पिछले साल विशेष भूमि सर्वेक्षण के लिए 10 हजार लोगों की नियुक्ति हुई थी। यह संविदा पर थी। इनमें से करीब एक हजार लोगों को पक्की सरकारी नौकरी मिल गई तो इस विभाग से त्याग पत्र देकर चले गए। सूत्रों ने बताया कि इन नियुक्तियों के लिए अलग से प्रक्रिया शुरू नहीं होगी। सबसे अधिक रिक्ति अमीन की है। बड़ी संख्या जूनियर इंजीनियर अमीन के पद पर नियुक्ति हुए थे। ये स्थायी सेवा में चले गए।

लेबनान में हमास कमांडर ढेर

एजेंसी

इजरायल ने गाजा के शेजाया में शुरू किया जमीनी हमला

बेरूत/गाजा पट्टी । इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के सिडोन क्षेत्र में ड्रोन हमला करके आतंकवादी समूह हमास कमांडर हसन फरहत को मार गिराने का दावा किया है। आज तड़के शहर के दलाआ इलाके में हुए इस हमले में फरहत के बेटे और बेटी की भी मौत हो गई। हसन फरहत लेबनान में हमास के पश्चिमी क्षेत्र का कमांडर था। वह इजराइल के खिलाफ लंबे समय से साजिश रचता रहा है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर जानकारी दी कि कुछ घंटे पहले सैनिकों ने उत्तरी गाजा के शेजाया क्षेत्र में जमीनी हमला शुरू कर दिया है। इस दौरान सैनिकों ने हमास के कई आतंकवादियों को खत्म कर उसके बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया। हमास के एक कमांड सेंटर और एक कंट्रोल सेंटर को मिट्टी में मिला दिया गया।

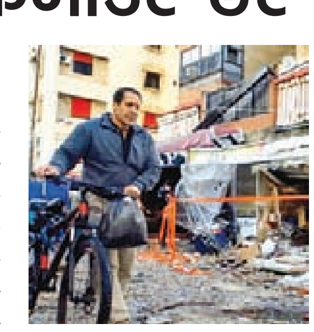

संसद ने बनाया नया रिकॉर्ड, 17 घंटे से अधिक चली चर्चा

एजेंसी

बजट सत्र 2025

राज्यसभा में 17 घंटे 2 मिनट तक चर्चा हुई, संसदीय इतिहास में सबसे लंबी बहस रही : रिजिजू

नयी दिल्ली। संसद के बजट सत्र 2025 ने एक नया रिकॉर्ड बनाया, जहां राज्यसभा में 17 घंटे से अधिक समय तक चर्चा चली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। इस सत्र को ऐतिहासिक और बेहद उत्पादक बताते हुए उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों, स्पीकर, अध्यक्ष और सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया। रिजिजू ने बताया कि राज्यसभा में 17 घंटे 2 मिनट तक चर्चा हुई, जो संसदीय इतिहास में सबसे लंबी बहस रही। यह बहस 3 अप्रैल को सुबह 11 बजे शुरू हुई और 4 अप्रैल को तड़के 4:02 बजे समाप्त हुई। इससे पहले, 1981 में 15 घंटे 51 मिनट की सबसे लंबी चर्चा हुई थी। इस बार खास बात यह रही कि पूरी बहस बिना किसी व्यवधान के चली। रिजिजू ने इसे लोकतंत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। लोकसभा में भी इस सत्र के दौरान 13 घंटे से अधिक समय तक महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें रेलवे, ऊर्जा, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से जुड़ी अनुदान मांगों पर विचार-विमर्श हुआ। वहीं, राज्यसभा में शिक्षा, रेलवे, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और गृह मंत्रालय के कार्यों पर बहस हुई।रिजिजू ने कहा कि इस सत्र में सभी दलों के नेताओं ने नियमों और परंपराओं का पालन करते हुए चर्चा की। इस दौरान सरकार की आलोचना भी हुई, लेकिन सभी मुद्दों पर स्वस्थ बहस हुई और कोई व्यवधान नहीं आया। उन्होंने संसद को सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों और मंत्रियों का धन्यवाद किया। रिजिजू ने कहा कि यह सत्र हमारे लोकतंत्र की मजबूती को दर्शाता है। सरकार सभी सुझावों और आलोचनाओं का स्वागत करती है और बेहतर कार्यप्रणाली के लिए तत्पर है। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति ने भी इस सत्र की सराहना की है। बजट सत्र 2025 ने संसदीय इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा है। इस सत्र की सफलता को लेकर रिजिजू ने कहा कि इसे तोड़ना आसान नहीं होगा। उ पहले सत्र के पहले भाग के दौरान लोकसभा और राज्यसभा की कुल 9 बैठकें हुई और दूसरे भाग के दौरान दोनों सदनों की 17 बैठकें हुईं। इस तरह पूरे बजट सत्र के दौरान कुल 26 बैठकें हुईं। रिजिजू ने बताया कि 31 जनवरी को राष्ट्रपति ने दोनों सदनों की समवेत बैठक को संबोधित किया था। इस मद पर लोकसभा में 12 घंटे के आवंटित समय के मुकाबले 17 घंटे 23 मिनट चर्चा हुई, जिसमें 173 सदस्यों ने भाग लिया। राज्यसभा में 15 घंटे के आवंटित समय के मुकाबले 21 घंटे 46 मिनट तक चर्चा हुई, जिसमें 73 सदस्यों ने भाग लिया। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट 01 फरवरी को पेश किया गया।

स्पीड न्यूज

संसद जातीं हेमा मालिनी।

भारत ने नेपाली वस्तुओं के आयात पर बैन हटाया

काठमांडू। भारत ने नेपाल में निर्मित सीमेंट, नालीदार चादरें और प्लाई लकड़ी सहित विभिन्न वस्तुओं पर भारतीय मानक प्रमाण पत्र ब्यूरो के नए सिरे से लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया है। बैंकाक में शुक्रवार की शाम को दोनों देशों के प्रधानमंत्री की साइडलाइन मुलाकात से पहले भारत की तरफ से प्रतिबंध को हटाना सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

दरभंगा से अकासा एयर की उड़ान शुरू

नयी दिल्ली। एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने शुक्रवार को बिहार के दरभंगा से उड़ान शुरू की और यह कंपनी का 28वां गंतव्य है। इसके साथ ही विमानन कंपनी का बिहार में आगमन हो गया है। अकासा एयर दिल्ली के रास्ते हैदराबाद व दरभंगा के बीच रोजाना उड़ानें संचालित करेगी, जिसके लिए दिल्ली में विमान बदलने की जरूरत नहीं होगी।

बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव होगा : यूनूस

बैंकॉक/ढाका । बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस ने शुक्रवार को कहा कि देश में चुनाव कराना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा कि मैंने अपने लोगों को आश्वासन दिया है कि एक बार चुनाव कराने के मामले में हमारा जनादेश पूरा हो जाने के साथ-साथ आवश्यक सुधार हो जाने के बाद हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करायेंगे।

नौसेना के शीर्ष कमांडरों का सम्मेलन आज से

नयी दिल्ली। नौसेना के शीर्ष कमांडरों का सम्मेलन शनिवार से शुरू हो रहा है जिसमें भविष्य की चुनौतियों के साथ साथ नौसेना के महत्वपूर्ण रणनीतिक, संचालन और प्रशासनिक मुद्दों पर विस्तार चर्चा की जायेगी। नौसेना ने शुक्रवार को बताया कि पांच दिन का यह सम्मेलन दो चरणों में हो रहा है और पहला चरण शनिवार को एक दिन के लिए कारवाड़ नौसेना स्टेशन पर होगा जबकि दूसरा चरण 7 से 10 अप्रैल तक यहां राजधानी दिल्ली में होगा। सम्मेलन हिंद महासागर क्षेत्र में ह्मपसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में भारत की भूमिका पर जोर देने पर केन्द्रीत रहेगा।

चार नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 20 लाख के इनामी चार नक्सलियों ने शुक्रवार को आत्मसमर्पण किया। पीएलजीए बटालियन नंबर 01 और पश्चिम बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर दो में सक्रिय 02 हार्डकोर सहित 04 नक्सलियों ने आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बिना हथियार आत्मसमर्पण किया।

नांडेड़ः कुएं में गिरा ट्रैक्टर सात महिलाओं की मौत

मुंबई। नांदेड़ जिले के आसेगांव में शुक्रवार की सुबह एक ट्रैक्टर के कुएं में गिर जाने से सात महिला मजदूरों की मौत हो गई और तीन घायल हो गईं। कलेक्टर राहुल कर्डिले ने शुक्रवार शाम बताया कि बचाव अभियान पूरा हो गया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों का सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।